

PUBLISHED BY AUTHORITY

No 16]

नई दिल्ली, शनिबार, अप्रैल 19, 1975 (चैब्र 29, 1897)

NO. 16]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 19, 1975 (CHAITRA 29, 1897)

इस भाग में जिम्म पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

कथ्य न्यायालयीं, निसंह्यक जीर महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेथा आयोग, रेल विकास जीर सारत सरकार के संलक्ष्म और अधीन कार्यालयीं द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

भारतीय ब्रार्डनेन्स फैक्टरिया सेवा

महानिवेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरिया

कलकता-700016 दिनांक 24 फरवरी 1975

सं 10/75/जी - नार्धक्य निवृत्ति ग्रामु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर निम्निलिखित श्रिक्तिरीगण प्रत्येक के सामने वर्षांची यह तारीख से सेवा निवृत्त हुए

- 1 श्री एम० जी० गागुली, स्वामापन्न सहायक प्रवस्त्रक (मौलिक एवं स्वामी फोरमैंन)---31 श्रक्तूबर 1974 (अपराक्ष)।
- 2. श्री एस० एल० सिलास, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोरहोल्डर) श्री एस० के० दत्त, स्वानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एव स्थायी फोरमैन) ----31 दिसम्बर, 1974 (श्रपराह्म)।

एम • पी० धार० पिल्लाब सञ्चायक महानिदेशक आर्धनेन्स फैक्ट्रियो बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्नक, म्रायात-निर्यात का कार्यालय मायात तथा निर्यात व्यापार नियनण

स्थापना

नई पिल्ली, विनोक 10 मार्च 1975

सं० 6/341/56-प्रशा०-(जी)---राष्ट्रपति, सयुक्त मुख्य नियंत्रक, धायात-निर्मात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० बेकटसुन्नामणियम नियंत्रक (श्रेणी-1) को उसी कार्यालय में 1-1-75 से 31-1-75 तक एवं 2-2-75 से 28-2-75 तक की झोर अवधि के लिए उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्वानापन्न रूप से कार्य करने हैं।

बलदेव कुमार म्**ट**म नियंत्रक आयात-नियात

नई दिल्ली, दिनांक

1975

सं० 6/878/89-प्रशा० (जी)—मुख्य नियंत्रक, श्रायात-भिर्मात एतवृद्धारा संयुक्त मुख्य नियन्नक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, मन्नास में श्री एल० राजगोपाल, श्रमुभाग प्रभारी को उसी कार्यालय में 17 फरवरी, 1975 से मागामी श्रादेशों के जारी होने तक, नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2 श्री एल० राजगोपाल नियमों के अनुमार 650-30-740-35-810 दक्षता रोध 35-880-40-1000 दक्षता रोध 40-1200 रू० के बेतनमान में बेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी उप-मुक्य नियंत्रक, श्रायात-नियति कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय

वम्बई-20, दिनांक फरवरी 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(630)--श्रीमान राष्ट्रपति, श्री बी० पी० ग्रंजनाप्पा को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ हैं अलूम टेक्नालाजी, वाराणसी में 26 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से, ग्रन्थ ग्रादेश होने तक, वस्त्र रूपांकन के वरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० ई० एस० टी-1-2(590)—श्रीमान् राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र विजयवाड़ा के एक्सपर्ट डिजाइनर, श्री तूफानी जमालगाह रफई को 16 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से, श्रन्य ग्रादेश होने तक, उसी केन्द्र में सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (डिजाइंस) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

मणि नारायण स्वामी वस्र भ्रामुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-1 ग्रन्भाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1975

सं० प्र०-1/1(1020)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतव्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 फरनरी, 1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

- पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में श्रधीक्षक श्री वी० के० संकरालिंगम को उसी कार्यालय, भद्रास में।
- 2. निदेशक, पूर्ति तथा नियटान, अम्बई के कार्यालय में श्रवर प्रगति श्रधिकारी श्री एस० के० बनर्जी को उसी कार्यालय बम्बई में।
- निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के श्रवर प्रगति श्रिधिकारी श्री पी० के० पतानकर को उसी कार्यालय बम्बई में।

श्री ची० के० संकरालिंगम, श्री एस० के० बनर्जी तथा श्री पी० के० पतानकर की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर निगुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, विरुक्षी में दायर दीवानी याचिका संख्या 739/71 के निर्णय के श्राधीन होगी।

दिनांक मार्च 1975

सं० प्र०-1/1(1003)—राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेथा परीक्षा, 1973 के परिणाम के श्राधार पर निम्नलिखित प्रत्याशियों को विनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी धादेशों के जारी होने तक भारतीय पूर्ति सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III में परिवीक्षाधीम नियक्त करते हैं:—

- 1. श्री मदन भोहन स्राहजा
- 2. श्री ग्रनिल कुमार जैन

उपरोक्त प्रत्याशियो ने 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्राड-I) (प्रशिक्षण ग्रारक्षित) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-1/1(1000)— राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० सी० सी० उभी को उनके संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा चुने जाने पर दिनांक 6 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से तथा भ्रागामी भ्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित भ्रस्थायी भ्राधार पर उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियम्त करते हैं।

श्री उम्नी 6-11-1974 से 5-11-1976 तक दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

> भे० एल० कोहली उप निदेशक (प्रशासन)

नई विल्ली विनांक फरवरी 1975

सं० प्र-1/1(1017)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्दारा सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा महानिदेशालय (रक्षा मंद्रालय) के स्थायी भंडार श्रिधिकारी (सिविल) श्री सुजान सिंह को दिनांक 10 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्म से और श्रागामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 मार्च 1975

सं० ए०-17011/86/75-प्र-6---महानिवेशक, पूर्ति, तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री ए० सी० निगम को दिनांक 3-2-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण घधिकारी (इंजी) के पद पर स्थानापश्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> के० एल**० कोहली** उप-निदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० एएसआर/एपी०-1611/74-75 ---यतः ,भुझे बी० ग्रार० सगर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो कोटा खालसा श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावन्द्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्तां ग्रीधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सम, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री ज्ञान चन्द्र सपुत्र ठाकुर दास
 139 डिफन्स कालोनी, श्रमृतसर । (ग्रन्तरक)
- 2. मैससं रिव फाईनैन्स चिट फण्ड एण्ड कम्पनी, नवा कटड़ा दाल मण्डी ग्रमृतसर । मैससं परवेण स्टील इंडस्ट्रीज पुतलीघर श्रमृतसर । मैससं एच० के० स्क्रयू फैक्टरी पुतलीघर श्रमृतसर । तथा श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र बावा सिंह गली न० 4 श्रमर कोट, श्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि नं ० 2 मे है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मेरिज रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्यव्दीकरण :~-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1432 तथा 1433 जुलाई 1974 को रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> बी० भ्रार० सगर सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्रारूप भाई० टी० एम० एस०----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर /ए पी -1612 /74-75 -- मतः मुझे भ्रधिनियम, श्रायकर बी० श्रार० सगर (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उषित जिसका बाजार मुल्य सम्पति. 25,000/- रु० से श्रधिक है जिसकी सं जमीन है तथा जो कोट खालसा, अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या

में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए; मतः भव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- श्री ज्ञान चम्द्र पुत्र ठाकर दास
 139 खिफम्स कालौनी, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- मैसर्ज एच० के० सकरीऊ फैक्टरी, पुतलीघर, अमृतसर श्रीर श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र बावा सिंह, गली नं० 4 श्रमर कोट, अमृतसर (श्रन्सरिती)
- जैसा कि नं ० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्राकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षें का, जो उक्त स्रिधिनियम, के शब्दाय 20-क में परि-भाषित है, विही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1433 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी ग्रमृतसर में लिखा है ।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

काविलय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्वेश सं० श्रमृतसर /ए पी-1613 /74-75 ---यतः मुझे

भाकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो कोट खालसा, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियक के श्रधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धनकर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, श्रब, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :--

श्री ज्ञान चन्द्र पुल्न श्री ठाकर दास,
 149 डिफैन्स कलोनी, ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)

- मैसर्ज रवी फाईनैन्स चिट फण्ड एण्ड को० नवां कटरा, दाल मण्डी, ग्रमृतसर मैसर्ज परवेश स्टील इन्डस्ट्रीज पुतलीघर, ग्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- 4. कोई डयक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह डयक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति.में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उस्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उसअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1432 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है ।

> वी० ग्रार० मगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, श्रमुतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर/ए पी-1614 /74-75 ---यतः मुझे वी० भ्रार० सगर

श्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा हुकम सिंह रोड, श्रमृत-सर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिक)
और प्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित वास्तिधिक रूप में से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री प्रजीत सिंह पहलवान पुत्र श्री हरनाम सिंह प्रौर श्रीमती श्रमरजीत कौर पत्नी श्री प्रजीत सिंह धर्मवीर सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी वरना तहसील तरन तारन जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती सन्तोष खोसला पत्नी श्री राम लुभाया खोसला, इन्कम टैक्स प्रैक्टीणनर, हुकम सिंह रोड, श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैंसा कि नं० 2 पर है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई अपित जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानां के कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू केरता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, ती:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1378 जुलाई 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ध्रमृतसर में लिखा है ।

वी० भार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख :28 फरवरी 1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ्रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्रम्तसर / ए पी/ -1615 / 74-75 ---यतः मुझे बी० श्रार० सगर अधिनियम, आयकर 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से अधिक **ग्रौर** जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो <mark>ग्रार० बी० प्रकाश</mark>~ चन्द रोड, भ्रमुतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्या-लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का-16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:—

- 1. मैसर्ज सचदेव एण्ड को०,
 - 13 फैन्ट, ध्रमृतसर द्वारा श्रीमती नरगिस सचदेव (धन्तरक)
- 2. श्री कमल किशोर पुत्र श्री दुर्गादास कटड़ा दूलो, श्रम्त-सर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है (यह व्यक्ति जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रथध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अञ्चिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, को उत्त अध्याम में दिवा गमा है।

अनुसूची

अभीन का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 1472 जुलाई 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

> त्री० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश सं० श्रमृतसर / ए पी-1616 / 74-75 — यतः मुझे वी० श्रार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती है तथा जो श्रार० बी० प्रकाश चन्द रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मिश्वक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरच लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्ज सजदेह एण्ड कम्पनी , (श्रम्तरक)
 13 कैन्ट, श्रमृतसर द्वारा श्रीमती नरगिस सजदेह
 श्री देव राज पूत्र दुर्गा दास, (श्रम्तरिती)
- 2 ेश्री देव राज्युत दुर्गा वास, कटड़ा दूलो, श्रमृतसर

 जैसााक नं 2 पर्हे (बह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ठिच रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितवड़
 फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पटीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1629 जुलाई 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी भ्रमृतसर में लिखा है।

> वी० श्वार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्रारूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा · 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमतसर का कार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

____र्निंश नं० श्रमृतसर / एपी-1617/74-75 ──यत: मुझे वी० ग्रार० सगर

्राँपकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्कर, किनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- करने श्रधिक है

न्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी०- -XIII 185-1 है तथा जो हाईड मार्केट, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना

भतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचित्--

- 1. श्री महन्त बचन दास चेला महन्त बसन्त दास वासी चिटा श्रखाड़ा बजार माई सेवा, श्रम्तरर (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलबीर सिंह पुत्र मखन सिंह गली शान वाली, महासिंह गेट, श्रमुतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० पर है (वह व्यक्ति, जिसके **प्रधिभोग** में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो, तो.--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1509 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर स**क्षम श्रधिकारी**, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, **ग्रमृ**तसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

मोहर :

2-26GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज भ्रमृतसरकार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर/बी टी एल/ए पी-1618 /74-75 — मत: मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है भ्रौर जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (श्रौर इससे उपायद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बन्नीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. श्री सुन्दर सिंह सपुत्र खुशहाल सिंह , (ग्रन्तरक) बावली इन्द्रजीत , बटाला ।
- 2. मैसर्ज एटलस इंजियर्निरिंग इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती) जी० टी० रोड बटाला द्वारा श्री जानकी नाथ क्वाटरा ।
- जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति , जिसके प्रिधिभोग , में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह स्पार्टि में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए-एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यण्डीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2667 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बटाला में है।

> वी० म्रार० सगर सक्षम भ्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज श्रमृतसर तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश सं० श्रमृतसर बी टी एल/ए पी-1619/74-75— यतः द्विशिष्पार० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रिजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधि-नियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-सिखित न्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री प्राण नाथ सपुत्र रोशन लाल ब्राह्मण (श्रन्तरक) कपूरी गेट, बटाला ।

- श्री मंगत राम सपुत्र देश राज कर्मचन्द सपुत्र ज्ञानचन्द मार्फस मैसर्ज कर्मचन्द श्रशोक कुमार, जी० टी० रोड, बटाला। (धन्तरिसी)
- 3. जैसा कि न ॰ 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राध-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अिंचियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2878 जुलाई, 1974 को रजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी बटाला में है ।

> वी० म्रार० सगर सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---**प्रधिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं अमृतसर / ए पी -1620 /74-75---यतः मुझे बी० ग्रार० सगर ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से म्रधिक है भीर जिसकी संख्या सम्पत्ति है तथा जो कूपर रोड , ग्रमृतसर मे स्थित है (भ्रौर उपाबंद ब्रनुसूची में घीर पूर्ण रुप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के भ्रतुसार भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गैया ऐसे भ्रन्तरण के लिए। प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से मिथत नहीं किया गया है :~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उन्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्रीमती संगीता मेहरा पत्नी राधा रमण मेहरा गोपाल मेंसन नजवीक मैट्रो सिनेमा, धोबी तलाब, बम्बई द्वारा श्री राम लुभाया सपुत्र श्री जगन नाथ, ढ़ाब बस्ती राम, ग्रम्तसर । (श्रन्तरक)

- मैंसर्ज मेहरा खन्ना लक्की स्कीम (प्रा०) लि० गागर मल-रोड श्रमृतसर द्वारा श्री मनोहर लांल) (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराए दार जो सम्पत्ति में रहते हैं। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अव लिये एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई है तो :-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों, का जोम्रधिनियम, के अध्याय 20-य में यथापरिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुस्ची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख, 1626 जुलाई , 1974 की रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी अमृतसर में हैं ।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज भ्रमृतसर कार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० ग्रम्तसर / ए पी -1621 /74-75---यतः मुझे ी ब्रार सगर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति जो कपूर रोड, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय , ग्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यो से उनत अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री भगवान दास सपुत्र श्री ग्रमर नाथ मेवा मण्डी, ग्रमृत-सर । (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज मेहरा खन्ना लक्की स्कीम (प्रा०) लि० गागर मल रोड, भ्रमृतसर। (भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोदाम न० 150-151, 152/13-2 कपूर रोड, ग्रमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1260 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में हैं ।

बी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखा: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज श्रमृतसर कार्यालय

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश सं० श्रमृतसर / ए पी -1622 / 74-75 — यतः मूझे बी० श्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाहर हाल गेट श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे एपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारात्र कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: जब चक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम्, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों ग्रिथित:—

- श्री बृजमोहन सहगल सपुत्र राम दित्ता मल श्रीमित निर्मल सहगल पत्नी सुरिन्द्र मोहन श्रीमती कंचन-कपूर, रेणू तथा सुषमा सपुत्रयां सुरिन्द्र मोहन द्वारा श्री बृज मोहन सहगल, गुरु का महल, श्रमृत-सर । (श्रन्तरक)
- श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी सोहन सिह तथा हरिन्द्रं सिह सपुष्त सोहन सिंह 15 पवन नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा दूसरे व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यन्धीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1286 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी श्रमृतसर में है ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखः 28 फरवरी 1975

प्रारूप आई०टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर
तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० ग्रमृतसर /ए पी-1623/74-75—यतः मुझे बी० ग्रार० सगर, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाहर हाल गेट ग्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियां कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बृजमोहन सहगल सपुत्र रामिदत्तामल, निर्मल सहगल पत्नी सुरिन्द्र मोहन, श्रीमती कंचन कपूर, रेणू तथा सुषमा सपुत्रियां सुरिन्द्र मोहन द्वारा श्री बृंजमीहन सहगल, गुरु का महल श्रमृतसर ।(अन्तरक)
- (2) श्री सोहन सिंह सपुत्र तेजा सिंह तथा कुलदीप सिंह सपुत्र सोहन सिंह, 15 पवन नगर, ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- *(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा दूसरे व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1287, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी अमृतसर में हैं ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर / पी एच जी / ए पी/ -1624/74-75—— यतः मुझे, वी० श्रार० सगर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड फगवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

- को पूर्वीक्त सम्पति के उचित मुल्य के षुश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही <u> ऋिया गया है:---</u>
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
 - (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

- (1) श्री रामगडीया एंजूकेशनल कोन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेला सिंह पुत्र माया सिंह प्रैजीडेन्ट, फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र ग्रजीतिसिंह वासी गांव बीरक तहसील फिलीर (ग्रन्तरिती)
- *(3) जैसा न० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- *(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुवि रखता हो (बह व्यक्ति जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतब्**द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू** करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 822 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०

ष्ट्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख 28 फरवरी, 1975

निवेश नं० ग्रमृतसर / पीजीएच / एपी-1625/74-75— यतः मुझे बी० श्रार० सगर, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर

जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए मन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—— 3—26GI/75

- (1) श्री रामगड़ीया ऐजूकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेलासिंह पुत्र माया सिंह प्रैजीडेन्ट फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरबख्श सिंह पुन्न श्री ग्रजीत सिंह वासी बीरक तहसील फिलौर (श्रन्तरिती)
- *(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- *(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-श्रद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 848, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखः 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जोलागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं॰ ग्रमृतसर /पीजीजी / एपी-1626/74-75---यत:, मुझे, वी॰ ग्रार॰ सगर

श्रायकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक हैं श्रीर जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी रोड फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक

है भ्रौर यह कि भ्रन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्त्वविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत:—

- (1) रामगडीया ऐजूकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेला सिंह पुत्र माया सिंह फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुष्पा वती पत्नी बांके विहारी पुत्न भगत राम वासी फगवाड़ा (ग्रन्तरिती)
- *(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- *(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 996, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 28 फर्बरी, 1975

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्प माई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं श्रमृतसर / पी एच जी/ ए पी -1627 /74-75--यतः मुझे, वी० ग्रार० सगर ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्सम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय , फगवाड़ा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई कारण है कि है और मुझे यह विश्वास करनेका ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भधिक है भौर यह कि अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त प्रधिनियम धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारः 269-घ की उपसारा (1) के प्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:--

 श्री रामगड़ीया एजूकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेला सिंह पुत्र माया सिंह प्रैजीडैन्ट, फगवाड़ा (श्रन्तरक)

- श्री राधारमण पुत्र बांके बिहारी पुत्र भगत राम जलनत वासी फगवाङा (ग्रन्तरिती)
- जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संखंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवित्यम, के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 997 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० स्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं अमृतसर /पी एच जी / ए पी /1628 /74-75---यतः मुझे वी० भ्रार० सगर भ्रायक्तर भ्रिधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल / 36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपायन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख जुलाई 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्शिका उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं (अया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथींत् :—

- श्रीमती करतार कौर पत्नी किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह श्राफ रेलवे रोड फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- 2. श्री कुलवीप सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी मौली तहसील फगवाड़ा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (बह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्घ है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं बी - एक्स एल 136 का 1/5 भाग जो रेलवे रोज फगवाड़ा में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 852 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

भ्रमृतसर / फग० / ए पी -1629/74-75---निदेश सं० यत: मुझे; बी० ग्रार० सगर, श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख ने ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है उचित बाजार ओर जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल /36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमाम प्रतिफल **ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह** विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. श्री किशन सिंह पुत्र जीवन सिंह वासी फगवाड़ा (अन्तरक)
- श्री परमजीत सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी मौली तहसील फगवाड़ा (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवीं का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी -एक्स एल का 1/5 भाग जो रेलवे रोड, फगवाड़ा में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 858, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० भ्रार० सगर स**क्षम अ**धिकारी सहायक श्रायकर ग्रायु**क्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीखः 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन• एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० श्रमृतसर फग०/ए० पी०-1630/74-75--यतः मझे, बी० ग्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० मकान नं० बी -एक्स एल / 36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1974 की पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य के दृश्यमान प्रतिफल केलिये की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्वोक्स सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देमे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा, 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री दर्शन सिंह पुत्र नगीना सिंह वासी फगवाडा (अन्तरक)
- 2. श्री सन्तोख सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी गांव मौली तहसील फगवाड़ा। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग जो रेलवे रोड फगवाड़ा में जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 855, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० श्रमृतसर फग०/एपी-1631 / 74-75~-यतः मुझे वी० श्रार० सगर अधिनियम. **प्रा**यकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 1/5 हिस्सा मकान नं० बी-एक्स एल /36 है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, तारीख का जुलाई, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार प्रतिफल मुख्य से के द्रश्यमान सिए कम की गई 8 और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रहप्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अज्ञीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भत: भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह मुख्तियारे श्राम श्राफ जगजीत सिंह उर्फ रिजन्द्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह वासी फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- 2. श्री जसपाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी गांव मौली तहसील फगवाड़ा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितवद्घ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1/5 हिस्सा मकान नं० बी-एक्स एल/ 36 रेलवे रोड फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 854 जुलाई 1974 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रंधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

प्रारूप म्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० भ्रमृतसर/ फग० /एपी-1632/74-75---यतः मुझे वी० ग्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड, फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध **अनुसूची में और पूर्ण** रूप से में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत श्रधिक है ग्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरणं लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रथीतः—

- (1) श्री किशन सिंह पुन्न जीवा सिंह मुख्तियार ग्राम ग्राफ श्रीमती तरसेम कौर पत्नी दरशन सिंह वासी रेलवे रोड़ फगवाडा (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह पुत्र गोकल सिंह वास मौली नजदीक मसुल चुंगी, फगवाड़ा (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पिख में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन किए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से, किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी श्रन्थ ब्यक्ति द्वारा श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रेलवे रोड़ फगवाड़ा पर मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 853 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० भ्रमृतसर/फग०/एपी—1633/74-75—यतः मुझे बी० श्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिस की सं० सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा वस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:— 4—26 GI/75

- (1) श्री गुरमेल सिंह पुत्र मैहगा सिंह चक बिलगा (अन्तरक)
- (2) श्री हंस राज शीश पाल पुताण श्री रुलिया राम वासी खान खना तहसील नयां शहर (श्रन्तरिती)
- (2) जैसा कि नं० 2 पर हैं (वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पक्ति में घचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास किकिस में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरक: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिचाधित ह, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 810 जुलाई 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० भ्रार० सगर सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

कायकर अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० ग्रमृतसर/फग०/एपी-1634/74-75—यत:
मुझे बी० ग्रार० सगर ग्रायकर ग्रिधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास्
उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के ग्रिधीन
सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्व 25,000/र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाधार मुस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार पृथ्य उसके वृश्यमान प्रतिक्षा थे, ऐसे पृश्यमान प्रतिकल के पन्तर प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) भीर अन्तरित (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्स बन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया नवा है—

- (क) अन्तरण से हुई पित्ती अन्न की बाबत उक्त अधिनियम, के अजीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने वा उत्तकों बचने में सुविद्या के लिए और/बा
- (अ) ऐसी किसी जान वा किसी वन वा अन्य आसित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अखिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा वा कि वा जाना चाहिए का, किनाने में सुविद्या के लिए;

प्रतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण, में मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ज की उपचारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों प्रयोत्:---

- (1) श्री रामगड़िया एजुकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेला सिंह, प्रैजीडैन्ट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मेजर सोहन सिंह पुत्र श्री मेहर मिह शासी बीरक नजदीक फगवाडा तहसील फिलौर (ग्रस्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकड़ है)

को यह पुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संस्थनध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 विभ के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी श्रम्ब व्यक्ति द्वारा, अजोइस्ताक्षरी के पात जिल्लिक में किए जा सकेंथे।

सब्बाजिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उन्त मधिनियम, के अध्यान 20-क में बनापरिभाषित हैं, नहीं अर्ब होगा, जो उस सब्याव में दिवा गवा है।

अनुसूची

बरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 821 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० झार० सगर सक्षम स्रक्षिकारी ज्ञहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

लारीख: 28 फरवरी 1975

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रश्रीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्हेश सं० ए० एस० आर०/ए०पी०-1635/74-75—मतः मुझे वी० घार० सगर धायकर ग्रधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव तुंग पाई तहसील श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत श्रिधक है भ्रौर भ्रन्तरिक (भ्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना त्राहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, उक्त मिंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- (1) नरैन सिंह पूज लाल सिंह तुंग तहसील पटी (अन्तरक)
- (2) श्री दलीप सिंह् पुत्न बन्ता सिंह संगारा सिंह प्यारा सिंह पुत्न दलीप सिंह् गांव तुंग पाई तहसील श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके कारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जांरी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क्त में परि-भाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1391 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटी में लिखा है।

> वी० आर० सगर सक्षम म्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्रकप पाई० टी० एन० एस०-

बारा 269-व (1) क अज्ञीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर / पटीं/ ए पी-1636 / 74-75 ---यतः मुझे, बी० ग्रार० सगर,

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है। की धारा प्राधिकारी 269 व के प्रधीम सदाम यह को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/रूपये से मधिक है उचित बाजार मृख्य म्नीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तुंग वाला, तहसील ममृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रमुखार प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है धौर यह कि प्रन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मत: भव, उक्त भिधिनियम, धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उक्त भिधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्थातु:—

- 1. श्री नरैन सिंह पुत्र लाल सिंह वासी तुंग तहसील पटी जिला श्रमृतसर (अन्तरक)
- जरनैल सिंह करनैल सिंह, अजीतसिंह, जोगिन्द्र सिंह उर्फ लालसिंह बलबीर सिंह पलविन्द्र पुताण लछमन सिंह पुन्न तोतासिंह वासी गाँव तुगबाला तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
- 3. जैसा नं 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्कारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1392 जुलाई , 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पटी में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **मर्जं**न रेंज, श्रमृतसर

तारीखा : 28 फरवरी, 1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28, फरवरी 1975

निदेश न० प्रमृतसर / एपी -1637/ 74-75—यतः मुझे बी० धार० सगर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिवत बाजार मृख्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी स० धरती है तथा जो रेस कोस रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1974

उचित पूर्वोक्त संपक्ति के बजार म्ल्य से लिए दुश्यमान प्रतिफल विश्वास करने अन्तरित की गई है और मुझे यह का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:---

- 1. श्रीमती सुरजीत कौर विधवा श्री उजागर सिंह सुल्तान विंड रोड , श्रमृतसर (श्रन्सरक)
- श्री वासदेव अन्तर , श्री गोवर्धन दास और रमन कुमार पुक्राण श्री देसराज 63 दया नन्द नगर, श्रम्तसर (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किती अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो धनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में पंरिचायित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1604 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० भार० सागर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, ममुससर

तारीख: 28 फरवरी 1975

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०---

भायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के श्रीवन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेन रेंज, ग्रमुससर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्षेष नं० ग्रमृतसर/पी एच जी / ए पी -1638 /74-75---नतः मझे, घी० ग्रार० सगर

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठका है श्रीर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है, (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इत्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और / या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः ग्रव उनत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींतु:---

- 1. श्री गुरमेल सिंह पुत्र मेहगा सिंह वासी चक बिलगा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तारा चन्द पुत्र रिलया राम तेज पाल, श्रशोक कुमार, राजकुमार पुताण भगत राम वासी धन खनान तह्सील नवांशहर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 850 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी , फगवाड़ा में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

सारीख : 28 फरवरी, 1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भ्रमृतसर

अमृतसर, तारीच 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्रमृतसर / ए पी-1639/74-75---यतः मुझे, बी॰ मार॰ सगर भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उम्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अब के प्रधीन सख्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रूपये से अधिक है ब्रौर जिसकी स० सम्पत्ति हैतया जो गली ब्राचार्य, ब्रमुतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय , ग्रमुतसर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक 🕶 ते कथित नहीं किया गया 🖁 :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम, की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिबिस व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. श्री जुगल किशोर पुत्र काहुन चन्द इनसाइड कुचा दरवाजा सीहल, ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नूटी राम पुल राम दास श्रीर संसारी लाल पुल कूटी राम नाजार टाहली साहन, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह ध्यक्ति, जिसके मिश्रिभोन में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घछोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां मुख करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई की आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना क्री तामील से 30 विम की अविध, जो भी अविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकरी के पास लिखिल में किए जा सकेंके।

स्थल्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20का में परिमाधित है, वही अर्थ होगा, की उस अध्याय में दिवा गया है।

धनुत्रुची

मकान गली भाषार्य जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विश्वेख नं 1530 जुलाई, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, भ्रमृतसर में लिखा है।

बी० म्रार० सगर सल्लम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ममृतसर

तारीख : 28 फरकरी, 1975

प्ररूप भाई-० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बीलय सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, प्रमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्वेश सं॰ अमृतसर / ए पी-1640 / 74-75—यतः मुझे बी॰ आर० सगर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961

- का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की घारा 260-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से प्रधिक है और जिसकी संज जायदाय कपर रोड अमतसर है तथा जो कपर
- और जिसकी संज आग्रदाय कपूर रोड श्रमुतसर हैं तथा जो कपूर रोड श्रमुतसर, में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय समृतसर में रजिट्रीस्करण भिवनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीम, तारीक जुलाई, 1974 को

पूर्विकतः सम्मिति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विश्वेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्रकृषित सम्मिल का जिन्त बाजार मूल्य, जसके वृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिकात से प्रविक्त है भीर यह कि मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहेश्य से जक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक हव से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रामित्यम, के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बक्ते में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भ्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तिकों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः ग्रव, धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा ('1) के ग्रधीन निम्मलिखित् व्यक्तियों, ग्रबत्ति:-

- श्री राजकुमार बेरी सपुक्ष श्री महेश दास कटडग भाई भाई सन्त सिंह गली गोसाईयां श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- श्री कैलाश नाथ श्रमर नाथ प्रवेश चन्द्र सपुत्राण श्री बाल-मुकन्द नया मिसरी बाजार श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- मैसर्ज बेरी एण्ड कम्पनी गुरदास राम शापकीपर, पप्पू यूल, मैसर्ज जेम वर्कशाप कपूर रोड अमृतसर
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हो कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद कपूर रोड श्रमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1536 महीना जुलाई , 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है ।

> वी० भ्रार० सगर सक्षम श्रिघकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

ता**रीख** : 28-फरवरी, 1975

मौहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर का कार्यालय

तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्रम्तसर / ए पी-1642 / 74-75- यतः मुझे बी० भ्रार० सगर म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कपूर रोड श्रम्तसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय , भ्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधि-नियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—— 5—26GI/75

- श्रीमती सन्तोष मेहरा पत्नी सुदर्शन मेहरा कटड़ा चढ़त सिंह गली जरगरा श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- श्री कैलाण नाथ, श्रमर नाथ, प्रवेश चन्द्र सपुत्राण बाल-मुकन्द, नया मिसरी बाजार श्रमृतसर (अन्तरिती)
- 3. मैंसर्ज बेरी एण्ड को० गुरदास राम शापकीपर , पप्पू वूल मैंसर्ज जेम वर्कशाप कपूर रोड ग्रमृतसर (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्चे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद कपूर रोड श्रमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1568 महीना जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रमृतसर में लिखा है ।

> वी० म्रार० सगर सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रॅंज, ममृतसर

तारीख: 28-2-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० भ्रमृतसर / पी एच जी / ए पी-1643/74-75— यतः मुझे वी० श्रार० सगर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 1 कनाल 17 मरले है तथा जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावज ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्टिनियम या धन-कर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :-

- 1. श्री रतन सिंह पुत्र प्रताप सिंह गांव कोट रानी तहसील फगवाड़ा जिला कपूर थला (श्रन्तरक)
- 2. श्री पारवर सिंह पुत्र लाभसिंह गांव भ्रथोली तहसील फगवाड़ा (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन का टुकड़ा फगवाड़ा गरबी में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 944 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फग-वाड़ा में है ।

> वी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 7-3-1975

निर्देश सं० बी जी म्रार् (डी एस आई) /6/74-75/—— म्रातः मुझे जी० पी० सिंह , सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है ग्रीर

जिसकी सं० प्लाट नं० 55, डी० अल० प्रफ० इन्डस्ट्रीयल इस्टेट न० 1 मथुरा रोड, फरीदाबाद है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (I) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात :---

- (1) (i) मैं० इम्पिरियल टैक्नीकल वर्कस, 6/3 रोहतक रोड (पंजाबी बाग), दिल्ली
 - (ii) श्री ग्रस० ग्रस० वेरी,
 - (iii) श्री एे० ग्रस० वेरी पार्टनर मैसर्स इम्पिरियल टेक्नीकल वर्कस 6/3 रोहतक रोड (पंजाबी बाग) दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) (i) श्रीग्रस० के० जैन,
 - (ii) श्रीमती कमला जैन,
 - (iii) श्रीमती पुष्पा जैन,

बी- 4/166, सफदरजंग, इन्कलेव , नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न मंप्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिनकी अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 55, डी० अल० अफ० इन्डस्ट्रल इस्टेट नं० 1 मयुरा रोड फरीदाबाद (क्षेत्रफल 3382.5 वर्गगज) (जसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 843, जुलाई 1974 में सब-रिजस्ट्रार दिल्ली के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीयढ़

तारीख 7-3-1975 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269~घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी तारीख 14-3-1975

निदेश सं० बी जी श्रार / (डी एल श्राई) /3/74-75— अन्तः मुर्झे जी० पी० सिह, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित बाजार** मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० जायदाद जिसका नं० भ्रौद्योगिक प्लाट नं० 10, सैक्टर 6, फरीदाबाद है जिसके साथ तारें, टयूवबैल पानी का नल इँटें भीर कच्ची इमारत भी है तथा जो फरीदाबाद जिला गुड़गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, क्षारीख जुलाई 1974 को को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :——

- (1) दी प्रिन्सीपल भाफिसर, सुपरटोन इलैक्ट्रीकलज प्राईवेट लिमिटेड बी 6, भ्रासिफ भ्रली रोड, नई दिल्ली (भ्रंतरक)
- (2) दी प्रिन्सीपल माफिसर हेन लैहमान (भारत) लिमिटेड 16, हेर स्ट्रीट कलकत्ता - 1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जायदाद जिसकी नं० भौद्योगिक प्लाट नं० 10 सैक्टर 6, फरीदाबाद है जिसके साथ, तारें, टयूबबैल, पानी का नल, इंटें भौर कच्ची इमारत भी है

उत्तर:-प्लाट नं० 11 भ्रोरीयन्ट जनरल इन्डस्ट्रीज, दक्षिण:-प्लाट नं० 9 ऐ ज्यौती इन्टरशट्ट्रीज पूर्व--प्लाट नं० 16 भ्रौर 17 पश्चम:-मेंन दिल्ली मथुरा रोड.

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 940, जुलाई 1974, में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के दक्तर में लिखा है ।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 14-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 14-3-1975

निदेश सं० बी जी श्रार/(डी एल श्राई)/5/74-75/—-अत: मुझे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर 1961 (1961 अधिनियम, का (जिस इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) 269घ के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं जायदाद जिसका प्लाट नं 17 है श्रीर जिस पर बिलिंडिंग बनी हुई है जो फरीदाबाद इन्डस्ट्रीयल कम हाउसिंग इस्टेट सैक्टर 4, फरीदाबाद जिला गुड़गाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती भागवंती भुटानी,

(भ्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री
 - (i) बी० के० कपूर,
 - (ii) रणवीर कपूर,
 - (iii) आर० के० कपूर,
 - (iv) भ्रम्ण कपूर

(ग्रन्तरिती)

नाबां लिग द्वारा श्री श्रस० पी० कपूर, पता -प्राकृतिक संरक्षक निवासी 10-डी, देव नगर, दिल्ली-5

(3) मैं० सिकनद प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड , 56, फरें-न्ड कलौनी, ईस्ट, नई दिल्ली, (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसूची

जायदाद जिसका प्लाट नं० 17 है श्रीर जिस पर बिल्डिंग बनी हुई है जो फरीदाबाद इन्डिस्ट्रीयल कम हाउसिंग इस्टेट सैक्टर 4, फरीदाबाद जिला गुड़गावा में स्थित है ।

जैसे कि रजिस्ट्री कृत के विलेख नं० 907, जूलाई 1974 में सब रजिस्ट्रार दिल्ली के दफ्तर में लिखा है।

जी०पी० सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख :14-3-1975

प्ररूप आई० टी० एम०एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस आर एस/ 23/74-75/—श्रतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज चण्डीगढ़, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से उचित बाजार मृल्य भौर जिसकी सं० 1/2 भाग दूकान नं० 127 है तथा जो नई मण्डी, सिरसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाव ब्र अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीतः—

- (1) (i) श्री चिमन लाल पुत्र श्री नथूराम, पुत्र श्री-गरु दित्ता.
 - (ii) श्रीमती शान्ती देवी विधवा पत्नी श्री नेकी राम माता ग्रौर नेचुरल गारिडयन पुत्र श्री पुरख चन्द नाबालिंग पुत्र श्री नेकी राम पुत्र श्री नथू राम, निवासी गाव, रानीय। तहसील सिरसा (अन्तरक)
- (2) (i) श्री सतनाम राम (ii) श्री जयमल राम पुत्रान चौधरी नथा सिह, पुत्र श्री मिलवाराम, निवासी सिरसा, जिलाहिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड्टों और पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1/2 भाग दूकान नं० 127 , जोकि नई मन्डी, सिरसा , जिला हिसार में स्थित है ।

उत्तर:–सड़क

पूर्व:-दूकान नं० 128 श्राफ श्री मुकन्द लाल. पश्चिम:-दूकान नं० 126 (ब्रांच श्राफ स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया सिरसा,

दक्षिण:--मण्डी चौंक, ग्रगला हिस्सा दक्षिण में मण्डी की तरफ है।

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

> भारत सरकार भारत सरकार वित्त मन्त्रालय कार्यालय :

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

156 सैक्टर 9-बी म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तिथि 4-2-1975

निर्देश सं० एस भ्रार एस/24/74-75--- यतः मुझे, जी० पी० सिष्ट सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-घ के ग्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान नं० 127 है तथा जो नई मण्डी सिरसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, जुलाई 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से विधत नही विदा गदा है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- (1) (i) श्री नन्द लाल पृत्र श्री नथू राम, पुत्र श्री गुरुँ दित्ता.
 - (ii) श्री बाबू राम पुत्र श्री नेकी राम पुत्र श्री नथू-राम, गांव रानीया, तहसील सिरसा, जिला हिसार (अन्तरक)
- (2) (i) श्री हरीचन्द (ii) श्री गोपी चन्द पुत्राण चौधरी नथा सिंह पुत्र श्री मिलावा राम, निवासी सिरसा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविध, जो [भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दूकान नं० 127, नई मण्डी , सिरसा , जिला हिसार में स्थित है ।

पूर्व:-दूकान नं० 128 श्री मुकन्द लाल, पश्चिम:-दूकान नं० 126, (श्रांच स्टेट बैंक झाफ इण्डिया, सिरसा)

उत्तर:--सड़क दक्षिण:-- मण्डी चौक अगला हिस्सा दक्षिण की तरफ है ।

> जी० पी० सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

सारी**ख** : 4-2-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, तिथि 1-2-1975

निदेश सं० लुधियाना |सी|347|74-75—श्रतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़, श्रायकर श्रिधिनयम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि, क्षेत्रफल 775 वर्गगज है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील ग्रौर जिला लुधियाना में स्थित, है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से अधिक है धीर पन्तरक (पन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त **ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया** है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री देविन्द्र सिंह गारचा, पुत्र श्री शमशंर सिंह, निवासी खण्डारी खुर्व, तहसील लिधयाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री सरवगीत सिह, पुत्न बरगेडियर सवनेसिह, निवासी होशियारपुर मार्फत श्री योगिन्द्र सिह रीटायर्ड पी० पी० रतन बिलडिंग, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, क्षेत्रफल 775 वर्गगज , जोकि तरफ कारा बारा, सहसील श्रीर जिला लिधयाना में स्थित है ।

खसरा नं० 73/7/2, स्त्रेयट नं० 1426, खतौनी नं० 1527, जमाबन्दी 1970-71।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ं नं० 3482, जुलाई, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 1-2-1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय का भ्रजीन रेज. चण्डीगढ

चण्डीगढ़, विनांक 27 जनवरी 1975

निदेश सं० लुधियाना / सी / 337 /74-75--- भ्रतः मझे

जी०पी० सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है
और जिसकी सं जमीन है तथा जो तरफ सदा, तहसील लुधियाना
में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
जलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 6—26GI/75

- (1) (i) श्री मोहन सिंह, पुत्रान श्री दरवारा सिंह,
 - (ii) श्री सुरजीत सिह,

(भ्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

(iii) श्री हरमिन्द्र सिंह, निवासी धर्मपुरा, लुधियाना

- (2) सर्वश्री
 - (i) चमनलाल, पुत्न धनी राम 25/100.
 - (ii) शक्ति कुमार पुत्न राम प्रकाश 15/100
 - (iii) श्रीमती सवित्री देवी पुत्नी जीवन मल 10/100
 - (iv) श्रीमती सुवेश कुमारी, पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, 1/8
 - (v) बिहारी लाल, पुत्र पोखरदास, 1/8
 - (vi) मुलख राज पुत्र चमन लाल 25/100. द्वारा गोसाई परापरटी डीलर्ज , चौक समराला रोड, लुधियाना .

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृघना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितका किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि 8 बिस्वा 19 बिस्वासी जो कि तरफ सैदा तहसील लुधियाना में स्थित है श्रौर जो कि समराला रोड चौक से दो फलींग की दूरी पर श्रौर बुचड़खाना श्रौर समराला रोड के बीच में है।

खसरा नं० 943, खाता नं० 39/53, **खसरा नं० 947,** खाता नं० 617/829, जमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3250, जुलाई 1974, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दपतर में लिखा है)

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 27 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , चण्डीगढ़

तारीख, 27 जनवरी 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी/338/74-75/ यतः, मुझे जी०पी०सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन हैतथा जोतरफसैंदा,तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्ष्य, लुधियाना में,रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकटनहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—~

- (1) सर्वेश्री
 - (i) प्रीतम सिंह । सपुक्ष श्री गुरबचन सिंह,
- (ii) हरबस सिह∫निवासी धर्मेपुरा , लुधियाना (2) सर्वश्री (अंतरक)
 - (i) चमन लाल, प्रवधनी राम 25/100
 - (ii) शक्ति कुमार , पुत्र रामप्रकाश 15/100
 - (iii) श्रीमती साविती देषी पुत्नी श्री जीवन मल 10/
 - (iv) श्रीमती सुदेश क्मारी, पत्नी श्री ग्रोमप्रकाश 1/8
 - (v) बिहारी लाल, पूज पोखर दास, 1/8
 - (vi) मुलख राज, पुत्र चमनलाल, 25/100 (ग्रंतरिती)

मार्फंस गोसाई, प्रापरटी डीलर्ज, वौक समराला रोड लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 बिस्वा , 19 बिसवांसी जो कि तरफ सँदा तहसील लुधियाना में स्थित हैं श्रौर जो कि समराला रोड चौक से दो फलींग की दूरी पर बूचड़खाना और समराला रोड़ के बीच में हैं । खसरा नं० 943, खाता नं० 39/53, खसरा नं० 947, खाता नं० 617,/829, जमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 325, 3251 जुलाई, 1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दपतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी 1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर, 9-बी

तिथि 27 जनवरी 1975

निदेश सं ० लुधियाना /सी/ 339/74-75 - प्रतः मुझे जी जी जी जिस्ह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदा, तहसील लुधि-याना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न सिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) सर्वश्री
 - (i) सुरजीत सिंह, सुपुत्र श्री भजन सिंह,
 - (ii) हाकिम सिंह, सुपुन्न श्री गोर सिंह, निवासी धर्मपुरा लुधियाना (ग्रन्सरक)
- (2) सर्वश्री
 - (i) चमन लाल, पुत्र धनी राम 25/100.
 - (ii) शक्ति कुमार, पुत्र राम प्रकाश 15/100.
 - (iii) श्रीमती सावित्री देवी, पुत्नी श्री जीवन मल 10/100
 - (iv) श्रीमती सुदेश कुमारी,परनी श्री श्रोम प्रकाश 1/8
 - (v) **बिहारी** लाल, पुक्षपोखरदास, 1/8
 - (vi) मुलख राज, पुत्र चमन लाल, 25/100. मार्फत गोसाई, परापर्टी जीलर्स, चौक समराला रोड, लुधियाना। (श्वन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:—६समें प्रयुक्त गब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि 8 बिस्वा, 19 गिस्वामी जो कि तरफ सैदा तहसील लुधियाना में स्थित है श्रीर जो कि समराला रोड घौक से दो फर्लांग की दरी पर बूचड़खाना और समराला, रोड़ के बीचमें है।

खसरा नं 943, खाता नं 39/53, खसरा नं 947, खाता नं 617/829, जमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं 0 3252, जुलाई 1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दपरार में लिखा है)

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख :27 जनवरी, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी 1975

निदेश स्० लुधियाना | 477 | 74-75— ग्रतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज, चण्डी-गढ़. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक हैं भौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव भोरा, तहसील श्रौर जिसला लुधियाना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 74,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकत विलेख के अनुसार धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है धौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर श्रव्धिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात:—-

- (1) श्री हरकृष्ण सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह गाव भोरा, तहसील ग्रौर जिला लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० धीर एण्ड कम्पनी, 55, भदौड़ हाउस, लुधियाना द्वारा श्री राम चन्द्र धीर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल गांव भोरा तहसील भ्रौ जिला लुधियाना में स्थित है। भ्रौर लुधियाना शहर से 2½ मील दूरी पर जालन्धर जाने वाली जी० टी० रोड के दाहनी श्रोर है।

किला नं: 14 खाता नं० 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 ग्रौर 28. (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी, लुधियाना के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3470, मास जुलाई, 1974 में दिखाया गया है ।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर, श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीखा : 27 जनवरी 1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, चन्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी 1975

निदेश स० सुधियाना/सी/350 / 74-75--श्रतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) , भ्रर्जन रेज, चण्डीगढ़। श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधि-नियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी स० जमीन 4 कनाल 1 मरला तथा जो गाँव भोरा तहसील ग्रौर जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध) श्रनुसुची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख, जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रथीत :---

- (1) श्री हरिकणन सिंह पुत्र श्री हरवन्स सिंह निवासी भोरा, तहसील ग्रौर जिला लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) मै० धीर एण्ड कम्पनी, 55, भरोड़ा हाउस, लुधियाना द्वारा श्री रानम चन्द्र धीर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन 4 कनाल 1 मरला जो कि गांव भोरा तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है श्रीर जो लुधियाना शहर से $2\frac{1}{2}$ मील की दूरी पर, जालन्धर में जाने वाली जी० टी० रोड, के दाहनी श्रोर है। जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3538, मास जुलाई, 1974 में दिखाया गया है।

किला नं ० 14 खाता नं ० 1 7/2, 2 2/1, 2 3/2, 2 4/1 **औ**र 2 8 ।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी , 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी, 1975

निदेश सं० करनाल/61/74-75/—ग्रत:, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 549 क्षेत्रफल 1.450 वर्गगज (या 26040 वर्गफुट है तथा जो माडल टाऊन, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए की गई है और भूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) (i) श्री सरदार सिंह पुत श्री सरदार करम सिंह,
 - (ii) श्री गुरजीत सिंह, पुत्र सरदारसिंह, 41, रणधीर लेंन, करनाल,

(अन्तरक)

- (2) (i) श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री गृरदित्त सिंह,
 - (ii) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी परमजीत सिंह
 - (iii) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा सरदार गुरदिक्त सिंह,
 - (iv) श्री प्रिथी पाल सिंह, पुत्र सरदार गुरदित्त सिंह, निवासी, 162, श्रेम नगर, करनाल.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पध्टीकरण:— इंसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 549, माडल टाऊन , करनाल

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

वंडीगढ़, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं व्यापाना/सी/373/74-75--श्रतः मुझे जीव पी० सिंह, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक ग्रीर जिसकी सं० 1/4 भाग कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपूर रोड, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपा--बद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1974 उचित पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम दास, 1231, गली नं० 5, राजिन्द्र नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन सिंह , पुत्र श्री दिलबारा सिंह, कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपुर रोड, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यन्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त-अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा-यरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपुर रोड, लुधियाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4095, जुलाई 1974 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारी**ख** : 31 जनवरी, 1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , चण्डीगढ़

तिथि, 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़ /166/74-75/—अत: मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आपका अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात' उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० से अधिक है और जिसकी सं०

665 इन्डस्ट्रियल एरीया, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है ग्रौर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरितों (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रयीत्:—

- (1) श्री स्रोम प्रकाश गुष्ता, मकान नं ० 1685-86, सँक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- (2) (2) श्रीमती जगदीश कौर पत्नी श्री बस्त्रशीश सिंह, द्वारा ग्रस० सी० श्राफिस नं० 8-9, सैक्टर 17-बी चण्डीगढ़. (अन्तरिति)
- 3 श्री कैलाश चन्द्र, मालिकमैं: नारर्दन इन्डिया कैमिकल इन्डस्ट्रीस, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चंडीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य ब्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक्षरण:-इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

श्राधा हिस्सा इन्डस्ट्रिल आधूरी बिल्डिंग नं 665, इन्डस्ट्रीयल, एरिया, चन्डीगढ़

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 492, में अगस्त, 1974 को सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है ।

> (जी० पी० सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-1-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़ /167/74-75/---ग्रत: मुझे जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेज चण्डीगढ़. प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 2.69~घ के श्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, **जिस**का उचित बाजार मृत्य 25000/-६० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० 665, इन्डस्ट्रयल ऐरिया है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, **भगस्त**, 1974.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्मरा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :→→ 7---26GI/75

- (1) श्री शाम कुमार गुप्ता, 1685-86 सैक्टर, 22-बी चण्डीगढ़. (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जगदीश कौर पुत्री, श्री बखशीश सिह, c/o सी० श्रस० श्रफ० नं० 8-9, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़. (अन्तरिती)
- (3) श्री कैलाश चन्द्र मालिक, मै० नारर्वन इण्डिया कैमीकल इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में समित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मैं दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग श्राधूरी इन्डस्ट्रियल बिल्डियग नं० 665, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, चण्डीगढ़.

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न ० 493 अगस्त 1974 में सब-रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 31 अनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाँक 28 जनवरी 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़ /237/74-75—म्झतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु के अधिक है औरजिसकी सं० प्लाट नं० 244, सैक्टर 19-ए, है तथा जो खण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 262ग के अनुसरण में, मैं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) श्री मुरारी लाल } चिरनजी लाल, () श्री राम कुमार बसंस, } पुत्रान श्री शो रूम नं० 24, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़, । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कौशिंत्या वेबी पत्नी श्री सीताराम, एस० सी० एफ० 34, सैक्टर 18-डी चण्डीगढ़. (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है

अनुसूची

प्लाट नं० 244, सेक्टर 19-ए चण्डीगढ़, क्षेत्रफल 618.75 वर्गगज्ञ.

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज , घण्डीगढ़

तारीख: 28, जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, जयपुर जयपुर, तारीख 7-2-75

निदंण सं० ए-4/74(14) 209/4——यतः मुझे, बी० पी० मित्तल

अधिनियम, आयकर (जिसे 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण सम्पत्ति, जिसका उचित स्थाधर मुल्य 25,000/-रु० से अधिक जिसकी सं० ए० एम० सी० मकान नं० 7/142 है, जो श्रजमेर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजमेर में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपघारा(1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- (1) श्री हासानंद पुत्र श्री विधीमल मृस्लिम मोची मोहल्ला श्रजमेर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्षमी बाई पत्नी श्री रामचन्द्र पुत्न श्री हरपाल-दास मुस्लिम मोची मोहल्ला श्रजमेर (श्रन्तरिती)
- (3) मैंसर्स ठाकुरमल नथरमल 2 मैंसर्स दयालवास नथरमल 3. मैंसर्स परमानंद किणनचन्द 4. मैंसर्स भागवमल मूलचन्द 5. मैंसर्स धाननमल कियालदास मकान नं० ए० एम० सी० 7/142 मोची मोहल्ला, प्राजमेर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध भें कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुस्लिम मोची मोहल्ला श्रजमेर जो कि श्रव सन्त नामदेव मोहल्ले के नाम से जाना जाता है में स्थित मकान ए० एम० सी० नं० 7/142 का श्राधा भाग ।

> बी० पी० मित्तक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

अहमदाबाध दिनांक 7 फरवरी 1975

निदेश सं ए० सी० क्यू 23-I 251 (137) /11-1/74-75 यत:, मुझे, जे० कथूरिया (1961 धायकर प्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिधिक है भ्रौर जिसकी नं० प्लाट नं० 142, 143 तथा 144, वार्ड नं० 1 है, तथा जो मजेवडी दरवाजा के बाहर , जूनागढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8-719 74 को के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः जब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- (1) श्री राजेश्री भ्राइल मिल मजेवडी दरवाजा के बाहर, जूनागढ़ (श्रन्तरक)
- (2) गणेश आइल मिल , मजेवडी दरवाजा के बाहर, जूना-गढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रवल सम्पत्ति जिसके साथ 2682-02 बर्गगज खुली जमीन है, श्रौर जिसमें श्रायल मिल के श्राफिस कमरें, गोदाम, स्टोर रुम, इत्यादि शामिल है, और जिसका प्लाट नं० 142, 143, तथा 144 है, और जो वार्ड नं० 1, श्रायल मिल एरिया (इन्डिस्ट्रियल एरिया), मजेवडी दरवाजा के बाहर जूनागढ़ में स्थित है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

and the one die die

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनांभ 30 जनवरी 1975

निदेश सं० 10-डी०/ग्रर्जन—ग्रत: मुझे, विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, ग्रौर जिसकी सं 16/39 है तथा जो हाथी गली बीबी हटिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम,की धारा 269-घ की उपधारा (1)के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

(1) श्री सोमारु राय व श्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीदसरथ सेठव ग्रन्य

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1021 वर्गफुट है, जो कि मोहल्ला -हाथी गली, बीबी हटिया, वाराणसी में स्थित है।

> विषयम्भरनाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-1-1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० 26-के०/प्रर्जन---प्रतः मुझे, विश्वम्भरनाथ **प्रायकर** प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अघिनियम' कहा गया हैं) 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से अधिक है उचित बाजार मुख्य ग्रौर जिसकी सं० 74/4 है तथा जो विजयनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मही यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर झिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिधिनियम या झन-कर झिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः, श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः - (1) श्री दीन दयाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केशर सिंह व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 3741 वर्गफुट है, जो कि विजय नगर लखनऊ में स्थित है।

> विश्वम्भरनाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 31-1-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-263 (136) / 1-1-/74-75-यत: मुझें, जें० कथूरिया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

जिसकी सं० सब प्लाट नं० 1-5 फायनल प्लाट नं० 102 है तथा जो मणीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससें उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-7-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री नटवरलाल वनमालीदास ठाक्कर, पुनीत स्राश्रम के सामने , मणीनगर, श्रहमदाश्राद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शारदावेन नटवरलाल ठाक्कर पुनीत श्राक्षम के सामने, मणीनगर, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजला मकान जो 317 वर्गगज भूमि पर स्थित है, है, श्रीर जिसका सब-लाट नं० 1-5, फायनल प्लाट नं० 102 है श्रीर जो पुनीत श्राक्षम के सामने मणीनगर टाउन प्लेंनिंग स्कीम, श्रहमदाबाद में स्थित है श्रीर जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं:-

पूर्व :- सब प्लाट नं० 4
पश्चिम :-चीमन लाल मंगलदास की सम्पत्ति
उत्तर :- 30 फुट का रास्ता
दक्षिण:- सब प्लाट नं० 6

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-2-1975

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12-2-1975

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 107/74-75-यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 3-6-145/4/ए हिमायत नगर है, जो हैदरा-बाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-4-1974 को को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूख्य दृश्यमान प्रतिफल लिए से कम के के धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः जब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्रीमती हुसेनी बेगम, 3-6-145/4/ए, हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी॰ महीपाल रेडी , 3-6-573, हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसक अधिभोग में सपित है)
- (4) डाक्टर प्रकाश देशपाडें, 3-6-145/4/ए हिमायत नगर हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का जी उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:-दुमंजला ईमारत नं० 3-6-145 /4/ए, हिमायत नगर,हैदराबाद क्षेत्रफल 114वर्ग मीटर्स।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-75

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज - II, श्रहमवाबाद

तारीख 4-2-1975

निदेश सं ० 183 /ए० सी० नयु ० 23-343 / 19-8/74-75-- मतः, मुझेपी एन० मित्तल ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य, 25,000/-रुपये से मधिक है जिसकी सं० नौंध नं 348, म्यू० वार्ड न० 13, प्लाट नं० 26 है, जो घठना, ता०, चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 2-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार भ्रम्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत मधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए ; भौर/या

नास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

(का) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया वा या 'किया जाना चाहिए वा, छिपानेमें सुविधा के लिए ।

मतः जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में; में, उक्त मिमियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, प्रयात् :---8--26 GI/75

- (1) श्री हरखबन्द मगनलाल पाह गाले मण्डी, गोल शेरी, सूरत (श्रन्तरक)
- (2) भगवान दास गजन मल वरीयान गोपी पुरा, काजी मैदान कंकू मेस्शन, सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नौंध नं० 348 पैकी म्यू० षार्ड नं० 13 (रे० सं० नं० 30-2 पैकी) प्लाट नं० 26 (टी० पी० एस० नं० 5, एफ० पी० नं० 576) जिसका कुस माप 938 बगंगज है श्रीर जो अठवा ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, सूरत के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2540, जुलाई 1974 में प्रदर्शित है.

पी० ए० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

सारी**ख**: 4-2-1975

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज -Il धहमवाबाद

अहमदाबाद, तारीख 5-2-1975

निदेश सं 184 / ए० सी० क्यू० 23-268 /7-4/74-75 म्रतः मुझे, पी० ए० मिल्लल, श्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है प्रचिप्त बाजार भौर जिसकी सं० रे० स० नं० 619-1,620, सी० एस० नं० 4-5, टीका नं० 21 पैकी म्यु० हा० नं० 389 एफ० वार्ड नं० 9, प्लाट नं 19 है तथा जो पूर्णा सोसायटी , स्टेशन रोड, नवसारी जि॰ बलसाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ह्यधिकारी के कार्याक्षय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-7-74 की पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखिस उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया या या ्किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री हरिवदन भाई मनीलाल ठाकोर जेमनी फ्लेंटस, डफनाला शाहीबाग घहमदाबाद.
- (2) श्री रामभाई नथुभाई पटेल उह्याभाई मथुभाई पटेल की ग्रोर से उसके बहीवर कर्ता रामभाई एन० पटेल 19, पूर्णासोसायटी, स्टेशन रोड, नवसारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सिंहत भ्रमल सम्पत्ति रे० स० नं० 619-1620 सी० एस० नं० 4-5, टीका नं० 21 पैकी म्यु० हा०नं० 389 एफ० म्यु० वार्ड नं० 3 प्लाट नं० 19, जो पूर्णी सोसायटी, स्टेशन रोड नसवसारी में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 5250 वर्ग फुट है जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवसारी द्वारा जुलाई 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 835 में प्रवेशित है ।

> पी०ए० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज -II भहमदाबाद

सारीख : 5 2-1975

सोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

षायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43)की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज -II , म्रहमवाबाद

तारीख 7-2-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संग्ने नोंध नं० 2396 म्यु० वार्ड नं० 4, है तथा जो मोमनावाड, सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-7-75

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:----

- (1) श्री वल्लभभाई छगन लाल पटेल महीवरपुरा लीम्ब् भोरी, सूरत (धन्तरक)
- (2) श्री ग्रज्वास हुसेन मोहमवभाई भौरानिया गलाम हुसेन ,, ,, ग्रबदुल रहीम ,, ,, पीरमोहमव ,, ,, अब्दुल कावर ,, ,, इस्माईल भाई सलाबत पुरा, मोमनावाड, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सिंहत भ्रचल सम्पत्तिनों घ नं० 2396, म्यु० वार्ड नं० 4, जिसका कुल माप 198 वर्गगज है भीर जो मोमनावाड सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत के जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2808 में प्रवर्शित है ।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज -II, ग्रहमवाबाव

दिनांक: 7-2-1975

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०--

भावकर सिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, तारीख 7-2-1975

निदेश नं० 186/ए०-सी०-क्यु०/23-265/19-7/74-75 भतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिमन' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/इ० से अधिक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 228 पैकी है तथा जो रान्वेर, सा० चेरासी, जि० सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 6-7-1974

(1908 की 16) के अधान ताराख 6-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, अस उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अभु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंत व्यक्तियों अर्थातः :---

- 1. मैं ० स्काय लाईन लैंड कार्पोरेशन की मोर से उसके सहियारी ठाकोर भाई जेरामभाइ मिस्त्री, सुरत (ग्रन्तरक)
- 2. शिल्पी को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सूरत की घोर से उसके चेयरमेन : खाजी भाई रणछोड़ भाई चावडा सेकेटरी : हरीभाई शामजीभाई परमार सूरत (भ्रन्सरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पदा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 228 पैकी जिसका माप कुल 8792 वर्ग गज है और जो रान्वेर ता० कोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2587 में प्रविश्वित है ।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

क्षारीख: 7-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, तारीख 10-2-75

निवेश नं ० 187/ए० सी ० क्यु ० - 23 - 218/7-4/74-75-अत: मझे, पी० एन० मित्तल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 304/1 भौर 305/1 पैकी हैंम्य० नं 623-ए है, जो मानेक लाल रोड, नवसारी जि बलसाड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 16-7-74 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-य की उपघारा (1) के बधीन निम्मलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मे॰ हिन्दुस्तान बाबिन एण्ड स्पूलस मेन्युफैक्चरिंग कं॰ बड़ोदा की भीर से उसके सहियारी: भानुभाई छोटा भाई पटेल, निम्नलिखितों के कुलमुख्तार:---

लित चन्द्र मगनभाई पटेल, भूपेन्द्र मगनभाई पटेल, शम्भू माई छोटाभाई पटेल, रमेशभाई छोटाभाई पटेल, चितरंचन अंबालाल पटेल, नटुभाइ पुरुषोत्तमदास पटेल, चिमनभाई पुरुशोत्तमदास पटेल, हारु पुरुषोत्तमदास पटेल, हारु भाई पुरुषोत्तमदास पटेल, हारु भाई पुरुषोत्तमदास पटेल, कान्ती भाई सी० पटेल, महेन्द्रभाई सी० पटेल (ग्रन्सरक)

- 2. नवरोजी सोराबजी तम्बोली श्रीमती नाजू नवरोजी, तम्बोली, तेहमूरूप सोसबजी पम्तीली, श्रीमती पेरिन तेहमूरूप तम्बोली। (भ्रन्तरिती)
- 3 प्रिन्सीपल भ्राफिसर, भ्रहमवाबाद एडवान्स मिल्स कं० लि०, नवसारी ।

(वह व्यक्ति जिसके अभिग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिमाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन व मकान सिंहत श्रवल सम्पत्ति सर्वे नं० 304 हिस्सा-1 पैकी धौर सर्वे नं० 305 हिस्सा-1 पैकी म्यु० नं० नं० 623/ए जिसका कुल माप 19224 वर्ग फुट (1785-97.37 वर्ग मीटर (जुड़ी हुई है वस्तुग्रो व पेड़ों सिंहत) जो मानेकलाल रोड, नवसारी, जि० बलसाड में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नवसारी के जूलाई 1974 के रजिस्ट्रीकर्त विलेख में प्रविधित है ।

पी० एन० मिलल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-II श्रष्ठमवाबाद ।

तारीख: 10-2-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

द्यायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,अहमदाबाद
अहमदाबाद, तारीख 11-2-1975

75--- प्रत. मुझे, पी० एन० मित्तल, भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/--- ह० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० नोंध नं० 2939-ए-1-ए-2-ए हैं तथा जो महात्मा वाडी, शीदी शेरी के पास सलावतपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण **रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय**; सुरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, , (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-7-74 उचित बाजार मृल्य से कम सम्पत्ति के को पूर्वीक्त के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यष्ट विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितिकों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के सकत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्तु प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:---

- 1. श्री धन मुखलाल फारस राम खतरी सलाबसपुरा, सिधी शेरी, सूरत । (श्रन्सरक)
- 2. श्री रमेश चन्त्र भ्रम्याला मोदी, ईश्यर लाल ठाकोरदास कापिंडिया जयन्तीलाल ठाकोरदास चन्द्रकान्त जगमोहनदास छितया वाला सूरत । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सिंहत प्रचल सम्पत्ति नोंध मं० 2939-ए-1-ए-2-ए जिसका कुल माप 185 वर्ग गज है जो सिंधी शेरी महात्मा बाडी, सलाबतपुरा सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सूरत के जुलाई 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2609 में प्रदक्षित है।

> पी० एन० मिसल, समम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-II, श्रहमदाबाद

तारोख: 4-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

घडमदाबाद, तारीख 11-2-1975

भायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, क्षष्ठा गया है), की घारा 269-ख के अधीन स**क्ष**म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है म्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 361-1-ए, टी० पी० एस० नं० नं० 203, म्यु० वार्ड है, तथा जो वराछा रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रक्तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप सेकथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिमियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री गमन लाल विजुमाई सरैया भवानीवाड, सूरल (भन्तरक)

 [2. श्रीमती | भीमाक्षीबन जयन्तीलाल गांधी नवापुरा, गांधी शिरी, सूरत विज्ञाल बीठ शाह, खाँड बाजार, नयागाम, सूरत । (ग्रन्तरिती)
 - 4. भन्फर्रामण पार्टी:

 1. नरेन्द्रभाइ झाह्याभाइ पटेल । 2. जगदीश चन्द्र
 मनसुखलाल चोभसी । 3. बाबुभाइ मूलचन्द दास मोदी ।
 बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पति म हतबद्ध है)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के लिए

कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---
- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका जूना सर्वे नं० 361-ए-1- म्यु० वार्ड नं० 15, टी० पी० एस० नं० 4, प्लाट नं० 203 है जिसका कुल माप 847 वर्ग गज है घौर जो कतर गाम, वेराछा रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी सूरत के जूलाई 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2824 में प्रदक्षित है ।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-II, भ्रहमदाबाद।

तारीख: 11-2-1975

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की -धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 14-2-1975

निवेश नं ए सी 116/ब्रार - 5/कल · 74-75-के० बालसुज्जमनियन ग्रतः मझे एल० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 年7 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रु० से प्रधिक मुख्य ग्रीर जिसकी सं० पी० 126, 127, 128 है तथा जो वेनारस रोड, हावड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में वास्तविक रूप से कथित उन्त भन्तरण नहीं कियागया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों; को जिन्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरि शिशा प्रकट नहीं किया गया द्वंथा या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए;

सतः शव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में; मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-व की वपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- मेसर्स कुमार इन्जिनियरिंग वर्कस प्रा० लि० (ग्रन्सरक)
- श्रीमती मोहिमी देवी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति; द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीधा 10 कठ्ठा, 0 छटांक, 5 स्को॰ फुट जमीन जो पि126, 127, 128 वेनारस रोड, शावड़ा पर घव स्थित जो रिजिस्ट्रार घाफ एसुरेंसेंस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं॰ 4250/1974 के अनुसार हैं।

> एल० के० बालसुबामनियन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, कलकत्ता-16 ।

तारीच : 14-2-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-II

एरणाकुलम दिनांक 4-2-1975

निदेश सं० एल० सी० 25/74-75—-श्रतः मुझे टी० बी० स्थामीनाथन,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ० से अधिक है और जिसकी सं० श्रार० एस० 48/7, 48/1 डी, 48/8,48/10, है तथा जो कोधिकोड तालुका के नेल्लिकोड भ्रंशं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चेवायर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की चपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिं अर्थात:—

- 1. श्रीमती मेरी मात्यू, "पालमन्जम", चेवायूर कालीकट-17 (ग्रम्तरक)
- 2. सोसाइटी श्राफ् दी प्रेसन्टेशन सिस्टेर्स, चेवायूर, कालीकट । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया, गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि थो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्मिन्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में स्वापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

अनुसूची

कालिकट जिला, कोषिकोडु तालुका में नेल्लिकोड़ मंगं देशं के ग्रार० एस० सं० 48/7, 48/1, 48/8, 48/1 के ग्रन्तर्गत 6 एकड़ ग्रौर 48 सैन्टस भूमि तथा मकान।

> टी० बी० स्वामिनाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 4-2-75

मोहर :

9-26GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनिध्नम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद 4-2-75

निदेश नं ए० सी० क्यु० 23-1-267 (133)/11-2/74-75—श्रतः मुझे जे० कथुरिया,

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 36 प्लाट नं० 5, 6, तथा 7 है तथा जो जूनागढ़ वेरावल रोड, नूर मंजिल के निकट, केशोद जिला जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, केशोद में भारतीय रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करा या उसमे बचने में सुविधा के िए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- (1) श्री वकील जयानंद वखतचंद दोशी, (2) श्री वकील शशि कान्त मोहनलाल छाया, मांगरोल (श्रन्तरक)
- (2) श्री विनोबराय धीरजलाल, मैसर्ज जयको टेक्सटाइल **डाइंग एण्ड** प्रिटिंग वर्कस जेतपुर के एडमिनिस्ट्रेटर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5733 वर्ग गज है, श्रौर जिसका सर्वे नं० 36 प्लाट नं० 5, 6 तथा 7 है श्रौर जो जूनागढ़ वेरावल रोड, नूर मंजिल के निकट केशोद, जिला जूनागढ़ में स्थित है, श्रौर जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व : सरकारी जमीन पश्चिम: प्लाट मं० 8 उत्तर : 15 फुट का रास्ता दक्षिण : नूर मंजिल की जगह

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद।

दिनांक: **4-**2-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15-2-75

निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-432 (141)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया, श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधनियम' कहा गया है) की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

की सं० फायनल प्लाट नं० 100, टी० पी० स्कीम नं० 3, है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंग पुरा), अहमदाबाद मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-74

का 16) के अधीन तारीख 20-7-74
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीक्ट्रत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से प्रन्तरण लिखित में वास्तिकक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 27) का के प्रयोजनार्थं अन्तरिती प्रकट द्वारा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्: -

1. विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उसकी घोर से भागीदार ए-1 लक्ष्मीलाल नाथालाल सोमाणी, ग्रपने लिय तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुक्तियार के रूप में: (2) हसमुखलाल चूनीलाल मेहता; (3) मनुभाई जीनदास मेहता; (4) प्रबोध चन्द्र नाथालाल; (5) पद्माबेन रितलाल; (6) कलावती भोगीलाल मेहता; (7) ग्रासुतोष

विमलशंकर शास्त्री; (8) जनक भाई घेलाभाई शाह; (9) सुधीर कुमार शान्तिलाल मेहता, (10) बाबुभाई भोगीलाल; (11) दिलीपकुमार चंदुलाल पटेल; (12) पद्मा कुंदनलाल शाह; छोटालाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, महमदाबाद ।

बी०-I. भ्रशोक कुमार शान्तिलाल मेहता श्रपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्तियार के रूप में:

- (2) हसमुखलाल चूनीलाल मेहता; (3) मनुभाई जीनदास मेहता; (4) प्रबोध चन्द्र नाथालाल ; (5) कलावती भोगीलाल मेहता; (6) श्रासुतोष विमलशंकर शास्त्री; (7) जनक भाई घेलाभाई शाह; (8) सुधीर कुमार शान्तिलाल मेहता ; (9) बाबुभाई भोगीलाल; (10) दिलीप कुमार चन्दुलाल पटेल, (11) पद्मा कुदनलाल शाह । ज्ञान दीप सोसायटी, धूमके मार्ग, एलिसन्निज पालड़ी, भ्रहमदाबाद । (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती लीला बेन विष्णु प्रणाद पटेल (2) श्रीमती कोकिलाबेन महेन्द्र कुमार 596, मोटावास, नवा वांड्रज, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)
 - (3) मैसर्ज नीरुमा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के एतदृक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रव्ध के बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो अजन्ता कमर्शल सैन्टर के आऊंडफ्लोर पर सामने की तरफ स्थित हैं। और जिसका फायनल प्लाट नं० 100, टी० पी० स्क्रीम० नं० 3 है, और जो शेखपुर-खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, अहमदाता द

विनांक: 15 फरवरी 1975।

प्रकप आई• टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन-रेज-!, प्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1975

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु० से भ्रिक्ष है भ्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः जब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

भन्तरक :---विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उसकी ग्रोर से भागीदार :---

A-I लक्ष्मीलाल नाथालाल सोमाणी, भ्रपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्तियार के रूप में :---

- (2) हसमुखलाल चूनीलाल मेहता;
- (3) मनुभाई जीनदास मेहता;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल;
- (5) पद्माबेन रति लाल;
- (6) कलावती भोगी लाल मेहता;
- (7) भ्रासुतोष विमल शंकर शास्त्री;
- (8) जनक भाई छेला भाई शाह;

- (१) सुधीर बुमार शान्ति लाल मेहता;
- (10) बाबु भाई भोगी लाल;
- (11) दिलीप कुमार चन्दुलाल पटेल;
- (12) पद्मा कुन्दन लाल शाह । छोटालाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।
 - B-I अशोक कुमार शान्ति लाल मेहता श्रपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्तियार के रूप में :--
 - (2) हसमुख लाल चूनी लाल मेहता;
 - (3) मनुभाई जीव दास मेहता;
 - (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल;
 - (5) कलावती भोगी लाल मेहता;
 - (6) भ्रासुतोष विमल शंकर शास्त्री;
 - (7) जनक भाई घेला भाई शाह;
 - (8) सुधीर कुमार शांति लाल मेहता;
 - (9) बाबुभाई भागी लाल;
- (10) दिलीप कुमार चन्दु लाल;
- (11) पद्मा कुन्दन लाल शाह ।

ज्ञानदीप सोसाइटी, धूमकेतु मार्ग, एलिस ब्रिज, पालड़ी, श्रहमदाबाद।

- (2) रमेणचन्द्र नटवरलाल पटेल 596, मोटावास, नवावाङ्ज स्रहमदाबाद-13। (श्रन्तरिती)
- (3) मैंसर्ज तीरुमां (वह व्यक्ति; जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 57, जो भ्रजन्ता कमर्णल सैंटर के भ्राऊंड फ्लोर पर पीछे की तरफ स्थित हैं, भ्रौर जिस का फायनल प्लाट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है, घ्रौर जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) श्रहमदाबाद में स्थित है भ्रौर जिसका पूर्ण विवरण, बिकी दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी ग्रहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिाय गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदबाद।

दिनांक: 15-2-**7**5

प्रारूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अल्लमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1975

निदेश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-434(143)/1-1/74-75—यत: मुझे, जे० कथूरिया श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

मौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) म्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण म्रधिनायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्तीय र्राजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक से है ग्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः जब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिर्थात:---

- ए-I:---विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उस की भ्रोर से भागीदार:---
- (1) लक्ष्मी लाल नाथा लाल सोमाणी, ग्रपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्तियार के रूप मे .--
- (2) हसमुख लाल चुनी लाल मेहता;
- (3) मनुभाई जीनदास मेहता ;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल ;
- (5) पद्माबेन रति लाल ;
- (6) कलावती भोगी लाल मेहता;
- (7) ग्रामुतोष विमल शंकर शास्त्री ;
- (8) जनके भाई घेला भाई शाह;
- (9) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता;

- (10) बाबु भाई भोगी लाल ;
- (11) दिलीप कुमार चन्द्र लाल पटेल ;
- (12) पद्मा कुन्दन लाल शाह ; छोटा लाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।
- बी-1 श्रशोक कुमार शान्ति लाल मेहता श्रपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्तियार के रूप में:---
- (2) हसमुख लाल चुनी लाल महता ;
- (3) मनुभाई जीन दास मेहता ;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल ;
- (ें 5) कन्नवती भोगी लाल मेहता ;
- (6) श्रासुतोष विमल शंकर शास्त्री ;
- (7) जनक भाई घेला भाई शाह;
- (8) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता;
- (9) बाब भाई भागी लाल;
- (10) दिलीप कुमार चन्दु लाल पटेल ;

(11) पद्मा कुन्देन लाल शाह;

ज्ञान दीप सोसायटी, धूमकेतु मार्ग, एलिसब्रिज, पालड़ी, न्नहमदाबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती मणीबेन छग्गन लाल पटेल, पत्नि श्री श्रम्बा लाल गोरधन दास, नवा वाङ्ज, अहमदाबाद-13

(ग्रन्तरिती

(3) मैसर्ज शारदा

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुह करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ब्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्खीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 6, श्रजन्ता कमर्गल सैन्टर के ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित है, भौर जिस की फायनल प्लाट नं 100, टी॰पी॰ स्कीम नं 3 है भौर जो शेखपुर खानपुर (नयरंगपुरा) श्रहमदाबाद में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण विकी दस्ता-वेज जो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I ग्रहमदाबाद

विनांक: 15 फरवरी 1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 5, बम्बई

दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्राई**०** 5/117/2/74-75---अतः मुझे जे० एम० मेहरा, द्यायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 25,000/- ४० से म्रधिक उचित बाजार मृस्य है, जो चेंबूर में स्थित श्रौर सं० जिसकी (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुबई में भारतीय रजिस्दीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और

का कारण हा के यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजरि मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ्या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- 1. श्री श्रवतार किशन गुरुदास रामगुप्ता (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरिचन्द्र दिवानचन्द ग्रगरवाल (अन्तरिती)
- 3 (1) केवल केशन गुरुदास रामगुप्ता
 - (2) हरिश्चन्द दिवानचन्द स्रगरवाल
 - (3) सतिसपाल दिवानचन्द ग्रगरवाल
 - (4) विपनचन्द दिवानचन्द ग्रगरवाल(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के शिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गढ़ों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थहोगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का यह तमाम टुकड़ा जो भाप में 939 वर्गगज समकक्ष करीबन 785.0979 वर्ग मीटर या श्रासपास जिसका प्लाट नं० 164 उपनगर योजना नं० 3 चेम्बूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग श्रीर जो4 था रास्ता, चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका म्युनिसिपल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्ट्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर श्रीर श्रभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है श्रीर इस प्रकार घिरा है श्रथित पूर्व की श्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 207 हारा, पश्चिम की श्रोर से उक्त 4 था रास्ता हारा दक्षिण की श्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 165 हारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक: 20-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-5, बम्बई

वम्बई, तारीख 20-2-75

निर्देश सं० म्राई-5/116/74-75--- म्रतः मुझे जे० एम० मेहरा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ए० से अधिक है उचित बाजार मूल्य श्रौर जिसका प्लाटनं० 164 है, जो चेम्बुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-7-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1) क अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री प्रवीणकुमार गुरुदास राम गुप्ता (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विपिनचंदर दिवानचंद श्रागरवाल (श्रन्तरिती)
- 3. (1) केवलकृष्ण गुरुदास रामगुप्ता ।
 - (2) हरिच्छद्र दिवानचंद ग्रागरवाल ।
 - (3) सतीसपाल दिवानचंद ग्रागरवाल ।
 - (4) विपनचंदर दिवानचंद श्रागरवाल ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का बह तमाम टुकड़ा जो माप में 939 वर्गगज समकक्ष करीबन 785. 0979 वर्गमीटर या श्रासपास जिसका प्लाट नं० 164 उपनगर योजना नं० 3, चेम्बूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग श्रीर जो 4था रास्ता, चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका म्यूनिसिपल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप जिला बांद्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर श्रीर श्रभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है श्रीर इस प्रकार घरा है श्रथित पूर्व की श्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 207 द्वारा, पिचम की श्रोर से उक्त 4था रास्ता द्वारा दक्षिण की श्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 163 द्वारा श्रीर उत्तर की श्रोर से योजना के प्लाट नं० 165 द्वारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई ।

तारी**ख**ं 20-2-75 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 अम्बर्द

तारीख 20 फरवरी 1975

निर्देश स० ग्राई० 5/118/3/74-75—श्रतः, मुझे जे० एम० मेहरा

ग्रधिनियम, ग्रायकर 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्त प्रधिनियम कहा गया रहै), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी सं० हे है (श्रौर जो चेंबर में स्थित इससे ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मुंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को
लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत श्रिष्ठिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी-धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म भे, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथित्:——

- 1. श्री बलदेविक भन गुरुदास रामगुप्ता (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सतिसपाल दिवानचंद ग्रगरवाल (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) केवलकिशन गुरुदास रामगुप्ता ।
 - (2) हरिश्चंद्र दिवानचंद भ्रगरवाल ।
 - (3) सतिसपाल दिवानचंद अगरवाल ।
 - (4) विपनचंदर दिवानचंद श्रगरवाल ।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्ते सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 939 वर्ग गज समकक्ष करीबन 785.0979 वर्गमीटर या भ्रासपास जिस का प्लाट नं० 164, उपनगर योजना नं० 3, चेंबूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग भ्रौर जो 4 था रास्ता, चेंबूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है, श्रौर जिसका म्युनिसिपिल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर भ्रौर भ्रभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है भ्रौर इस प्रकार घरा है भ्रथीत पूर्व की भ्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 207 द्वारा, पिश्चिम की भ्रोर से उक्त 4 था रास्ता, द्वारा दक्षिण की भ्रोर से उक्त योजना के प्लाट नं० 163 द्वारा भ्रौर उत्तर की भ्रोर से योजना के प्लाट नं० 165 द्वारा।

जे० एम० मेहर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक: 20-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-घ (1)के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1975

निर्वेश सं० ग्राई०-1/876/जूलै०, 74—ग्रतः मुझे, ग्रार० जी० नेरुरकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है और जिसकी सं० सी०एस०एन० 615 कलाबा डिब्ही बैगबे रिक्लेमेशन स्कीम है, जो प्लाट नं० 104, ब्लाक नं० 5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

10-26 GI/75

1. मैसर्स बझीपदार बिल्डर्स प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

- जय कफ परेड कोभ्रापरेटिव हाउसींग सोसायटी लि॰ (श्रन्तरिती)
- 3. किराण्दार (वह ध्यक्ति जिसके **ग्रधिभोग** में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्हताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 2000 वर्गमीटर या श्रासपास है, महाराष्ट्र सरकार के बैकड़े रिक्लेमेशन योजना के ब्लाक नं० 5 में जिसका प्लाट नं० 104 (पहले प्लाट नं० 157 के नाम से ज्ञात), रजिस्ट्रेशन जिला श्रीर उप जिला बम्बई में, जिसका कैंडेस्ट्रेल सर्वेक्षण नं० 615, कोलाबा डिब्ही साथ में वहां पर निर्मित "पार्मा स्प्रंग्स" के नाम से बिल्डिंग श्रीर इमला जिसका म्युनिसिपिल 'ए०' वार्ड नं० 225 (43) स्ट्रीट नं० 157, कैंफे परेड है श्रीर इस प्रकार घरा हुग्रा है श्रर्थात् पूर्व की श्रोर से 220 फीट चौड़े मुख्य मार्ग द्वारा, पश्चिम की श्रोर से उस स्कीम के प्लाट नं० 117 द्वारा, उसर की श्रोर से 20 फीट चौड़ी गली द्वारा श्रीर दक्षण की श्रोर से उक्त स्कीम के प्लाट नं० 103 द्वारा।

श्रार० जी० नेघरकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनांक 18-2-75

प्रारूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1 बम्बई

विनांक 18 फरवरी 1975

निर्देश सं भ्राई०-I/876/जुलै०, 74—श्रतः मुझे प्रार० जी० नेररकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पमचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं०

सी०एस० नं० 615 कुलाबा डिब्ही बैंकवे रेक्लेमेंशन स्कीम है, जो प्लाट नं० 104, ब्लाक नं० 5 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार बम्बई, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के स्रधीन दिनांक 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्स (अन्तर्सों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्नविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधितियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथींत्.—

- कुमारी मैसर्स ब्रझीफ्दार बिल्डर्स प्रा० लि० (श्रन्तरक)
- जय कफ परेड कोग्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरिती)
- 3. कीराएदार। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभाग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उंक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में मधापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 2000 वर्ग मीटर था श्रासपास है, महाराष्ट्र सरकार की बैंकबे रिक्लेमेशन योजना के ब्लाक नं० 5 में जिसका प्लाट नं० 104 (पहले प्लाट नं० 157 के नाम से ज्ञात), रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में, जिसका कैंडेस्ट्रेल सर्वेक्षण नं०' 615, कोलाबा डिब्ही, साथ में वहां पर निर्मित "पामस्प्रिग" के नाम से बिल्डिंग श्रौर इमला जिसका म्युनिसिपल 'ए०' वार्ड नं० 225 (43) स्ट्रीट नं० 157, कैंफे परेड हैं श्रौर इस प्रकार घरा हुश्रा है श्रर्थात् पूर्व की श्रोर से 220 फीट चौड़े मुख्य मार्ग द्वारा, पिश्चम की श्रोर से उस स्कीम के प्लाट नं० 117 द्वारा, उत्तर की श्रोर से 20 फीट चौड़ी गली द्वारा श्रौर दक्षिण की श्रोर से उक्त स्कीम के प्लाट नं० 103 द्वारा।

ग्नार० जी० नेरुरकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 18-2-75 प्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. J. No. (252)/KR/74-75/Acq. File No. 153.— यत: मुझे, K. Subbarao प्रायकर अधिनियम, (1961 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० No. 9-65-43 Sykamvari St. है, जो , Vijayawada में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के षुश्यमान प्रतिफल के भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही फिया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीम कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत:, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) Srl Prippala Kanakaiah S/o Chandrayya, Kothapeta, Sykam Vari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shri Kopuri Sangadhararao, S/o Nageswararao, Kothapeta, Vijayawada-1.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishan District Vijayawada Sub-Registration Vijayawada Munddipalit Vijayawada Town Kothapeta Sykam Vari Street, Revenue Ward No. 10 New Ward No. 10 Block No. 4 NTS 216, Asstt. No. 5773, Door No. 9-65-43, 190 Sq. Yds. Site with building.

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजीन रेंज, Kakinada.

तारीख 13-2-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. J. Nos. I(88, 90 & 91) /Acq. File No. 152/74-75.— यत: मुझे, Whereas, I K. Subbarao (1961 新 43) अधिनियम, 1961 भायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० No. 27-19-6 & 27-19-14 Market area **है जो V**iyag में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ुत विलेख के मुझे यह विश्वास की गई है और अनुसार अन्तरित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अत: अब, धारा 269-घ of the said Act के अनुसरण में, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) Shri P. V. Rangarao, Land Lord, Panganamalavari Street, Visakhapatnam. (Transferor) (2) Shri Konathala Thata Apparao, Partner, Sri Satyanarayana & Co., Anakapally. (Transferee) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां ग्रुक करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Municipality, Visakhapatnam Town, Market ward, Block No. V—T.S. No. 137, Asst. No. 10/25, Door Nos. 27-19-6 & 27 -19-14, Site with building.

BOUNDARIES

East—Compound wall of Navarang Hall and part of the building of this property.

South—Open site with trees etc.

West—Site.

North-Road site 30 ft.

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख: 18-2-1975

मोहर:

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैद्राबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी, 1975

सं० ए०सी०न्यू० 23-1-421 (144)/1-1/74-75--यतः मुझे जे० कथूरिया ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी ,यह **भौ**र जिसकी संपा फायनल प्लाट नं० 490, टी० पी० स्कीम नं० 3 है, तथा चो चंगीसपूर (मिठा कली), ग्रहमदा-बाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, म्रहमवाबाव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मुरुय से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त का उरित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त आधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः जब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों ग्रिथीट्:—

- (1) (1) श्री नौशीर सोहराव मेडोरा
- (2) श्री फिरोज सोहराब मेडोरा
- (3) श्री रशीव सोहराब मेडोरा
- (4) श्री रूसी उर्फ रुस्तम सोहराब मेडोरा, ग्रपने ग्रपने मुख्तियार श्री रणीद सोहराब मेडोरा, द्वारा। "जेम्सी बिल्ला", ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदीबाद।
- 2. नेप्चून टावर शापिंग सेन्टर श्रोनर्ज एशोशिएसन, कल्याण सोसायटी, एलिस ब्रिज श्रहमदाबाद।-6

जन्त सम्पत्ति के **भर्ज**न में सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्ति जो जेम्सीविल्ला" के नाम से ज्ञात है श्रौर जिसके ऊपर बंगला, श्राऊट हाउस, नराज, श्रादि बने हुए हैं, श्रौर जिसके साथ कुल भूमि 1 एकड़, 25 गुंठा, 14 श्रानी तथा 8 प्रत्यानी (श्रर्थात् 7974 वर्ग गज) है। श्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 490, टी० पी० स्कीम नं० 3 है श्रौर जो चंगींसपुर (मिठाकली) श्रहमदाबाद में स्थित है श्रौर जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:---

पूर्वः रास्ता पश्चिमः रास्ता

उत्तर: फायनल प्लाट नं० 489

दक्षिण: फायनल प्लाट नं० 491 तथा 492

(जे० कथूरिया) सक्षम प्राधिकारी

दिनांक: 20-2-1975 सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

मोहर: श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री वाल गोविन्द दास ग्रौर ग्रन्य (अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर, ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975 संख्या 17-जी/म्रर्जन--- मृतः मृत्ते विशम्भर नाथ भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा राया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 2 5, 0 0 0/- रुपये बाजार मृल्य से धीर जिसकी सं० के०-31/52 है तथा जो गली गनेश चौरिया मुत्तासिक भौरोनाथ काल कूप दंड पड़ी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क**धित** महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उक्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- 2. श्री गनेश प्रसाद भौर श्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किता माकान जो कि 1406 वर्ग फिट में है यह मुहल्ला गली गनेश चौरिया मुत्तासिक भौरो नाथ काल कूप दंडापड़ी वाराणसी में स्थित है।

> विधम्बर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, लखनऊ

तारीख: 13-2-1974

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० --

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 फरवरी 1975

सं० 11-वी०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या 17 है तथा जो गोखले मार्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27--7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री उदय जीत प्रकाश

(अन्तरक)

2. श्री विद्या प्रकाश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अधें होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता भवन जिसका नं० 17 तथा क्षेत्रफल 35000 वर्गफुट है, जोकि गोखले मार्ग, लखनऊ मे स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-2-1975

मोहरः

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 151/J. No. I(87)/VSJ/74-75.----- यत:, मुझे, K. Subba Rao श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 朝 43) इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम कहा गया की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारण है कि स्**थावर** सम्पत्ति. उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक जिसकी सं Muppidi Colony, Visakhapatnam है जो Visakhapatnam में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31-7-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-ग of the said Act केअनुसरण में मैं, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) Smt. P. Bangaramma,

(Transferor) (स्रन्तरक)

(2) Sri K. P. Kumar, S/o Late Sri K. V. Sastry, Chartered Accountant, "Soudamani", Visakhapatnam-3.

> (Transferec) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality Visakhapatnam Town—Opposite to St. Ioseph's Nursing Home T.S. No. 138, Plot No. 5, Maharanipeta ward—site No. 5, Block No. 4 Door No. 14-38-2.

Boundries

North—Municipal Road. East—Site No. 6. West—Site No. 4. South—Site No. 13 and 14.

> K. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, स्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक: 1**7-2-19**75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 6-श्राई/श्रर्जन---श्रतः मुझे विण्यम्भरनाथ श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिध-नियम कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो मुहल्ला खलीलगंबी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 2-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरकं (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिये

श्रतः जब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:——
'1—26GI/75

- 1. श्रीमती कमला देवी टन्डन व अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री इन्द्रजीत सिंह व ग्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम
 जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता श्राराजी मय मकान जो कि मुहल्ला-खलील गवी, जिला शाहजहांपुर में स्थित है।

> विश्वम्भरनाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-लखनऊ

तारीख: 13-2-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 50-एस/प्रर्जन--श्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ

श्रायकर श्रिविषम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम नहा गया है)
की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रपये से श्रधिक है

शौर जिसकी संख्या एम. बी० 22 है तथा जो कीरतपूर में स्थित
है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद में राजिस्ट्रीकरण
श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किवत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री नैस सिंह

(अन्तरक)

2. सत्य प्रकाश व धन्य

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीत'र उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त गम्दों और पदों को जो आयकर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किसा मकान जिसका क्षेत्रफल 16000 वर्गफुट है जो कि कस्बा-कीरसपुर जिला-बिजनीर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंस रेंज, लखनऊ

सारी**च**:13-2-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975 सं० 43-एम०/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ **मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अर्घान प्राधिकारी सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, **जिसका** उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० डी०-44/187 है तथा जो रामापुरा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह

का पूर्वाक्त सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीम कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिता व्यक्तिमों, अर्थात्:— 1. श्री राधाकृष्ण टन्डन व ग्रन्य

(अन्तरक)

2. श्री मूल नारायन मलहोत्रा व ग्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जेन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उश्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि रामापुर, वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 13-2-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० 34--ए०/ग्रर्जन/----श्रतः मुझे विषयम्भरनाथ श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० डी-43/1 तथा डी-43/2 है तथा जो सदानन्द बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर रूप रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रग्योरेन्स कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-7-1974 को

पूर्वोतत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उका अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक रे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:--- 1. श्री जोशित कुमार मुखर्जी व प्रन्य (ग्रन्तरक)

2. श्री अब्दुल वहीद व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन वी अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं शर्ये होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दो किता मकान, जोकि सदानन्द बाजार में वाराणसी में स्थित है।

> विध्वम्भरनाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक: 17-2-1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

1 श्रीमती रुपमनी बाई

(अन्तरक)

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ (1) के अधीन सू**चना

2 श्रीसइरिक

(अस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेजि-लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 13-सी०/म्रर्जन---म्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० है तथा जो भोजविरि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची भे और पूर्ण रूप रो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय वाराणसी म रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 19-7-19 7 4 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर हो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रोर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या आयण अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1955 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् — को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की द्यामाल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रुयवत अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, व अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक किता प्लाट जो ति 7.28 विस्वा हे और इसमे लोहे का दरवाजा भी है यह भोजविरि जिला वाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजैन रेज, ल**ख**नऊ

दिनांक 13-2-1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एम० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेस रेंज, लखमऊ

लखनऊ, दिांनक 13 फरवरी 1975

सं ० 13-सी ०/प्रजंन--प्रतः मुझे विश्वमभरनाथ **प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है। श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो भोजविरि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ₹---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था शिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की भ्रारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की भ्रारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :--- 1. श्रीमती रुक्मनी बाई

(भ्रन्तरक)

2. श्री सईरिक

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जो 11.72 बिस्वा है झौर जिसमें एक पक्का कुझाँ झौर एक टंकी है। यह मुहल्ला भोजविरि वाराणसी मंस्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

विनांक: 13-2-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आवकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 13 फरवरी 1975

सं० 13-सी०/ग्रर्जन--- प्रतः मुझे विश्वम्भर नाथ म्रिधिनियम, 1961 (1961 斬 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-2/215 है तथा जो भोजविरि में स्थित है (मौर इससे उपाबक प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-च की अपबारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती रुक्मनी बाई

(भ्रन्सरक)

2. भी साईरिक

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान नं० 5-2/215 है जो कि विस्वा परवना है भीर जिसका एक बढ़ा भाग खाली 5.21 जसीन है जो कि मुह्ल्ला भोजीविरि बाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाष, सक्षम प्रतिकारी सहामक भ्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

सारीच : 13-2-1975

प्रस्प शाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

32-बी'०/ऋर्जन--श्रतः मुझे विश्वम्भर **धायकर ध्रधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है ग्रीर है तथा जो बढ़नी बाजार में स्थित है धौर जिसकी सं० (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नौगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य प्रतिफल के लिए दश्यम।न की गई है और ग्रन्सरिस विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान उचित प्रतिफल प्रतिफल ऐसे दुश्यमाम से पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण के हुई किसी श्राय की बाबत भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:—

1. श्री चौ० चन्द्र प्रताप व ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री वासदेव व ग्रन्य

(अन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अक्ष्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 16000 वर्गफुट है, जोकि बढ़नी बाजार जिला-बस्ती में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975 सं० 44-एम०/ग्रर्जन--श्रतः मझे धिश्वम्भर नाथ भ्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० बी-5/51 है तथा जो अवध गर्वी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराशासी में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई के दश्यमान है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयक्तर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी अ(य या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भ्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-च उप (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :

1. श्री बच्चन लाल (भन्तरक) 2. श्रीमती मलीना राय

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो श्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, सही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि मोहल्ला अवधगर्वी, वाराणासी में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, महायक प्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 13-2-1975

मोहर

12-26GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 24--पी०/ग्रर्जन-ग्रतः मझे विष्यम्भर नाथ आयकर (1961 1961 का 43) अधिनियम' इसके पश्चात 'उभत गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपए से अधिक है तथा जो खंजनपुखा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरदोई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1809 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-7-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः, अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:—- 1. श्री मूलचन्द्र खत्नी

(अन्तरक)

2. श्रोप्रेम नरायन त्रिबंदी व अन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्तं स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल (105'x35') है, जो कि मोहल्ला, खंजनपुखा, जिला हरदोई में स्थित है।

> विष्वम्भर नाथ, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, लखनऊ

सारी**ख**: 13-2-1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975 सं० 7-एन०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विश्वम्भर नाथ ग्रायक्षर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या है तथा जो केराकत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय केराकत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेक के अनुसार अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के सिये सुकर बनाना।

म्रतः अव उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में मैं, उक्त म्रधिनियम, धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों म्रथीत्:— 1. श्री रामचन्द्र

(भ्रन्तरक)

2. श्री नन्हकू सेठ व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ मुस्करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल $(10' \times 26 \frac{3}{4}')$ है जो कि कस्बा-केराकत, जिला-जौनपुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

प्ररूप आई० दी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 9-एल०/ग्रर्जन/--ग्रातः मुझे विश्वस्थर नाथ ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो देवीपुरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-7-1974 को पूक्वींत सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स् प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:- 1. श्री हरस्वरूप

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मन स्वरूप गर्ग व ग्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, जो कि मुहल्ला देवीपुरा, जिला-बुलन्दशहर में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, सक्षम घ्रधिकारी, सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 13-2-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

25/पी०/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे म्रधिनियम, 1961 (1961 43) प्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु०से अधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० 311/28, 27/77 तथा 36/39 वर्गेरह है तथा जो जि॰ जौनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौनपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-7-1974 को पुवोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- 1. श्री राधेश्याम सिंह श्रौर श्रन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूलरानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अवधि जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों, का जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान मय कृषिक भूमि के जो 7 एकड़ 13 डि॰ है और यह जि॰ जौनपुर में स्थित है।

> विश्वम्भर ना**थ,** सक्षम श्रधिका**री,**

दिनांक 13-2-1975 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर : श्रर्जन रेंज, लखनऊ प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री जफर जहीर धौर धन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

2. श्री ब्रह्मदेव मिश्रा ग्रीर ग्रन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 फरवरी, 1975

सं० 33-बी०//मर्जन--म्रतः मुझे विश्वमभर नाथ आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है मौर जिसकी सं० 129/8 है तथा जो वालाकदर रोड़, लखनऊ में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तोक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान जो कि मासुमा ग्रली मंजिल के नाम से जानी जाती है भौर इसका नं 129/8 है। यह वालाकदर रोड़ लर्खनऊ में स्थित है इसमें जमीन भौर नौकर के कमरे भी है।

विश्वम्भर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, दिनाक 15/2/75 सहाक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मोह्र : श्रर्जन रेंज, लखनऊ

PART III-SEC. 11

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जनवरी, 1975

15-जी०/भ्रर्जन--भ्रतः मुझे नाध सं० अधिनियम, 1961 (1961 43) आयकर (जिसे इसमें ईसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 126 है तथा जो सिकली में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय तिलहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर[ा] अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था यां किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व उपधारा (1)के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

ा. श्री गजराज सिंह व श्रन्य

(अन्तरकः)

2. श्री गुरुमीत सिंह य ग्रन्थ (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किता कृषिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 25,35 एकड़ है जो कि ग्राम-सिकली–जिला-शाहजहांपुर में स्थित है।

मोहर :

विश्वम्भर नाथ, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), दिनांक 18-1-1975 ग्रर्जन, रेंज लखनऊ

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी, 1975

सं० ग्रे० पी० 202/ग्राइ० ए० सी० ए० ग्रार० 4/74-75-ग्रतः मुझे ग० सो० राव आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रौर जिसकी प्लाट नं० 142/2/ए है, जो श्राम्बीबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित सबेक्षण नं० 142 है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-7-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मुल्य के दुश्यमान प्रतिफल लिए **बन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है** कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी, भ्राय की बाबत उक्त मधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, ग्राथीत:—

- 1. जिम रुसदिन प्रा० लि० 16, ग्रत्टा माऊँ ट रोड़, बम्बई-26 (अन्तरक)
- मेसर्स सुपर बिलंडरस, 223, श्रम्ण चैम्बरस, तारदेव, बम्बई-34। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव श्रम्बीवैली में रिजस्ट्रेशन उप-जिला श्रीर जिला बम्बई नगर श्रीर उपनगर में स्थित है माप में 4013 वर्गमीटर जिसका प्लाट नं० 142/2/ए श्रीर सर्वेक्षण नं० 142 है।

> ग० सी० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–चार, बम्बई

दिनांक 19-2-75 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्र<mark>धीन सूच</mark>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 19 फरवरी, 1975

सं० ओ० पी०-201/म्राई० ए० सी० ओ० म्रार०-4/74-75--श्रतः मुझे ग० सो० राव घायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भ्रधिक श्रोर जिसकी प्लाट नं० 142/2/बी० है, जो श्राम्बीवली में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित सर्वेक्षण नं० 142 है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई म रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2/7/1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के **उचित** बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार धन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तथ पाथा गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

धत: घ्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— 31—26 GI/75 जिम रुसविन प्रा लि०, 16 श्रलटामाऊंट रोड़, बम्बई-26।

(अन्तरक)

 भेसर्स सुपर बिलंडरस, 223, श्ररुण चेम्बर्स तारदेव, बम्बई-34।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही श्रर्थ होगा, जो श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव भ्रम्बीवली में रिजिस्ट्रेशन उप जिला भौर जिला बम्बई नगरं और उपनगर में स्थित है जिसका सर्वेक्षण नं ० 142 प्लाट नं ० 142/2|बी०, माप में 4353 वर्गमीटर है।

ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक 19-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), मोहर : श्रर्जन रेंज-4, बम्बई प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ 156, सैक्टर, 9बी चण्डीगढ, दिनांक 25 फरवरी 1975

सं० सी०एच०डी०/143/74-75--श्रतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम,' कहागया है) की धारा 269-ध के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- ह० से **प्रधिक** जिसकी सं० श्रस०सी ब्र्यो०, 57-58-59 सैक्टर 17-सी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (म्नौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय द्यायकर द्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः मन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-- व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :---

- (i) श्री रणजीत सिंह, पुत्र श्री गजन सिंह
 - (ii) श्रीमती पुष्पिन्दर कौर पत्नी रणजीत सिंह
 - (iii) श्री प्रविनाश सिंह | पुत्रान रणजीत सिंह,
 - (iv) श्री हरिइन्द्र सिंह∫ निवासी मकान नं 102, सैक्टर9-बी, चण्डीगढ । (अन्सरक) सर्वश्री

2.

- (i) ग्रोम प्रकाण गुप्ता । पुत्रान स्वर्गीय श्री राम
- (ii) शाम कुमार गुप्ता ∫जीवन दास
- (iii) श्रीमती गीता देवी पत्नी श्रोम प्रकाश गुप्ता
- (iv) श्रोमती सरला देवी पत्नी शाम लाल के० श्राफ दुकान नं० ३२, सेक्टर २२–डी, चण्डीगढ ।
- (v) प्रेम सागर श्रग्रकास ्रेपुत्रान श्री राम भज (vi) ज्ञान प्रकाश श्रग्रवाल र्
- (vii) बाल क्रुष्ण ग्रग्रवाल

- (viii) उषा भ्रयवाल पत्नी श्री प्रेम सागर
- (ix) सरोज कुमारी श्रग्रवाल, पत्नी ज्ञान प्रकाश प्रग्रवाल
- (x) दर्शानी देवी पत्नी बाल कृष्ण श्रग्नवाल के० म्राफ बूथ नं० 32, 22-डी, चण्डीगढ़।

(xi) सोहन सिंह,

- (xii) मोहन सिंह पुत्रान श्री गेर विहसह
- (xiii) गुरमेल सिंह पूत्र नरैंब सिंह,
- (ix) मलकीयत सिंह पुत्र सोहन सिंह,
- (x) ज्ञान कीर पत्नी मोहन सिंह
- (xi) बचन कौर पत्नी सोहन सिंह,
- (xii) सुखदेव सिंह पुत्र मोहन सिंह, निवासी ग्रस० सी०ग्रो०नं० 1001-1003, सैक्टर 2 2-बी, चण्डीगढ । (अन्तरिती)
- 3. 1. नैशनल टेलर्स प्रो० लाभ सिंह
 - न्यु कुलदीप टेलर्स
 - 3. हरेबन्स सिंह श्रीर सन्ज
 - वेदी साढ़ी सेंटर 5. संगम प्रिट
 - 6 मकसूद ग्रीर हेम राज 7 माडरन टेलर्जं
 - 8. कशमीर प्रोडेक्टस्
 - 9. फुट हाउस प्रो० मनी प्रकाश
 - 10. फैलन इम्पोरियम, प्रो० हरभजन सिंह
 - 11. फैसी चप्पल हाउस प्रो० भगवान दास सेठी
 - 12. ध्रमरसन्ज टेलर्स प्रो० मगव राम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- सर्वश्री
 - (i) परमिन्द्र सिंह (vi) भ्रजमेर कौर
 - (ii) ऊत्तम कौर
- (vii) जसमेर सिंह
- (iii) हरभजन सिंह
- (viii) सरजीत कौर
- (iv) जातिन्द्र कौर
- (ix) कुलदीप सिंह
- (v) डा० कुलवन्त सिंह
- (x) गुरवचन कौर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) सब मार्फत स० परमिन्द्र सिंह, 1001-1003 सैक्टर 22-बी,

चण्डीगढ । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

- उक्त सम्पति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप, :---(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
- 4.5 दिन की श्रवधि,या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया है।

अनुसुची

एँस० सी० श्रो० 57, 58, 59, सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक : 25-2-1975 सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर: म्प्रजेन रेंज, चण्डीगढ प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज चंडीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 14 फरवरी, 1975

सं० सी एच डी0/176/74-75-4तः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'कहा गया है)की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी प्लाट सं०, 6' सैक्टर 9-वी श्रार० पी० 286, क्षेत्रफल 3415 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ध्रगस्त, 1974 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उम्त अधिनियम अधिनियम, धन-कर 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती का 27) प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. (1) श्रीमती राज रानी कपूर, विधवा पत्नी लैफ्टीनेन्ट कर्नल जे० सी० कपूर।
- (2) श्री विजय कपूर पुत्न स्वर्गीय लेफ्टिनेन्ट कर्नल जे० सी० कपूर।
 - (3) श्रीमती रजनी राना पत्नी श्री नेतरा राना,
- (4) श्रजय कपूर पुत्न स्वर्गीय लेफ्टिनेन्ट फर्नल जे०सी० कपूर खुद श्रौर बाकी सभी का मुख्तियार, निवासी जी-9 महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 डाक्टर नागिन्द्र सिंह ढिलों पुत्र श्री केहर सिंह ढिलों, द्वारा श्री देविन्द्र सिंह ग्रेवाल, ग्रेवाल लोज, गिल रोड, लुधियाना । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त माब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, सैक्टर 9—बी, श्रार० पी० नं० 286, क्षेत्रफल 3415 वर्ग गज, चण्डीगढ।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 14-2-1975 महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर : ग्रर्जन रेंज ,घण्डीगढ़ प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी, 1975

सं० 2233/74-75-यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन्त बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक **है** ग्रौर जो हाई फारस्ट एस्टेट, प्रास्पेक्ट एस्टेट ग्रादि में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जै० एस० भ्रार० भ्रो० 1; कोयम्बतूर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और . मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य**णापूर्वोक्**त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य . में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- ती एस्टेट्स श्रीर एजेन्सी कम्पनी लिमिटेड, कूनूर। (अन्तरक)
- ती नान सच टी एस्टेट्स लिमिटड, कूनूर 1 (म्रन्सरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसची

ती हाई फारस्ट एस्टेट; प्रास्पेक्ट एस्टेट;स्टान्ल एस्टेट;पैकारा फाल्स एस्टट; घ्रीण्वे एस्टेट; ध्रासिटन एस्टेट; रिवर साईट एस्टेट; लिड्डल्सडल एस्टेट; बेल्लवू एस्टेट; सीफोर्त एस्टेट; येल्लमल्ले एस्टेट; सम्बार एस्टेट; पान्तर एस्टेट; ध्रौर लोयर एस्टेट में 6838.98 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राघ सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 25-2-1975 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर : ग्रर्जन रेंज, मद्रास प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, तारीख 25 फरवरी, 1975

निदेश सं ० 1274/75-75---यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र आयकर अधिनियम 1961 (1961 राव का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमे का कारण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी डोर सं० 4, मासिलामिन मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-17 (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तियागराय नगर, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1974

सम्पत्ति पर्वोक्त के उचित दृश्यमान प्रतिफल के शिए रिजस्ट्रीकृत मुल्य से कमके विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त के भ्रधीन कर देने ध्रधिनियम, के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 उक्त भ्रधिनियम, (1922 明 11) या या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्रीमती एम० सुब्बरायम्मा; श्री बी० सुब्बैया: श्री जी० रंगा राव भौर श्री बी० रंगैया; मद्रास । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० एस० एम० बल्किस बीवी, कुतानल्लुर तंजाउर जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त घछि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही मर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है ।

अमुसुची

मद्रास तियागरायनगर, मुदलि स्ट्रीट, डोर सं० 4 में तीन ग्राउन्ड ग्रौर 1935 स्कुयर फीट की भृमि (मकान के साथ) जिसकी सर्वे सं० 114/8।

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) तारीख 25-2-1975 म्रर्जन रेंज-II, मद्रास मोहर :

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, तारीख 28-2-1975

निर्देश सं० 2251/74-75— यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एम० सं० 8/1363-1364 है तथा जो रामिलंग रामदास ले ग्राउट कोयम्बत् में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि- क्षारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० ग्रो०-III, कोयम्बत् में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है श्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री ग्रार० लक्षमणन, कोयम्बतूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० मुतलघप्प चेट्टियार, कोयम्बतूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, रामिंलग रामदास ले ग्राउट में छ सेन्ट ग्रौर 224- 1/2 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) जिसकी टी॰ एस॰ सं॰ 8/1363-1364।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 25-2-1975 । मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरंडवणा, पूना-411004,

एरंडवणा, पूना-411004, तारीख 20-2-75

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-1 /जुल' 74/175/74-75 --- यत: मुझ , एच ० एस० भ्रौलख अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-**रु**पये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० फायनल प्राप्त 17-ए, सबप्लाट नं 4, टी० पी० एम० -1 है तथा जो कर्वे रोड पूना, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-के कार्यालय, हवेली,-1, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तरित की गई है दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री विनायक रामचन्द्र ढरे 45, शिवाजी हाउसिंग सोसायटी, पूना -16 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल शामदास नांरग बिल्डिंग नं० 47, प्लाट नं० 100-बी , 1 सिन्धू बाग, टीलक रोड , घाटककोपर, बंबई -77 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल प्लाट नं० 17-ए, सब प्लाट नं० 4, कर्वे रोड, पूना-4 क्षेत्रखल -7329 वर्ग फीट का 1/4 हिस्सा

> (एच० एस० भ्रोलख) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-2-75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 22-2-1975

सं० भार० ए० सी० 110/74-75-- यतः मुझ के० एस० वेंकट रामन

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख की ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्रधिक है और जिसकी सं० 1-8-94 चिक्कड पल्ली है, जो हैदराबाद में में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से विश्व है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 29-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्री कृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह की ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

- (1) श्रीमती खम्बम्पाटी सुतवालक्ष्मी पत्नी के० वी० सुब्बाराव , चित्रकड पल्ली, हैदराबाद (श्रसरक)
- (2) श्री मोहम्मद ग्रली ग्रासींवाल पुत्र श्रक्तबर ग्रली ग्रारसी-धाला, पिता श्रौर पालक श्री श्रक्तबर, ग्रली श्री ग्रारसी वाला द्वारा 1-1-530 मुणीराबाद हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनियम, के शध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुमजला इमारत नं० 1-8-94 , चिक्कडपल्ली, हैदराबाद क्षेत्रफल 200 वर्गगज

पूरब--सड़का। पश्चिम--पड़ोस के सम्पत्ति। उत्तर:-- सड़का। दक्षिण--पड़ोस के सम्पत्ति।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 22-2-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज V. कलकत्ता 16

कलकत्ता, तारीख 20-2-1975

निदेश सं० ए० सी० 118/एक्० रे० 5/ 74-75/137-138-श्रतः मुझे , एल० के० बाला सुब्रमनियन म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है,) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी संख्या 67 है तथा जो देश प्राण शासमल रोड भलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख 6-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या

मियत नहीं फिया गया है---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना:

श्रतः श्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :----14---26GI/75

- (1) श्री सन्तोष कुमार मित्र 34/1 एलगिन रोड, कलकसा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला चौरासिया 81/बि० शयामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

करीब 4 कहा 15 छटाक 20 स्को: फुट जमीन जो पौर सं० 67 , देश प्रात शसमल रोड, थाना, टालीगज कलकता पर श्रब स्थित श्रीर जो रिजस्ट्रार रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्-सेस, कलकता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलिल सं० 1/4014/1974 का श्रनुसार है ।

> एल० के० बालासुग्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीब: 20-2-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एडरंबना कर्वे रोड पूना 411004 पूना तारीख 20-2-1975

निर्देश सं० सी० ए० /एस० / हवेली / II/जुलै/74/177/ 74-75--- यतः मुझे एच० एस० श्रीलख ग्रधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० फाइनल प्लाट 17ए - सब प्लाट नः 2 टी पी० एस० I है तथा जो कर्वेरोड पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौरपूर्णं रूप से वर्णित है) रजिष्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, हवेली II (पूना) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे युष्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ग्रौर/या

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तिश्री को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों शर्मात:----

- (1) श्री कृष्णानी रामचन्द्र कोष्टी 16 केना रोड पूना-1 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल शामदासनारंग बिल्डिंग क० 47 प्लांट नं० 100 सिधु बाग तिलक रोड, घाटकोपर बंबई -77 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितेबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास सिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो, का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड प्लांट नं 17 ए सब प्लाट नं० -2 टी ० पी० एम० ग्राम क्वें रोड एरंडवना पुना-4 क्षेत्रफल -7329 वर्ग फीट का 1/4 हिस्सा ।

एच० एस० श्रौलख सक्षम अधिकारी, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेज, पूना

तारीख: 20-2-75

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 60/61 एरडवणा, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/ हवेली-1/जुलै 74/174/74-75—यत: मुझे, एच० एस० श्रौलख श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्ग 25,000/- ६० से श्रिधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 17 श्र० सब प्लांट नं०-3 टी० पी०-एस०-1, है तथा जो कर्वे रोड पुना-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्कं अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हवेली-I, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख 12-7-1974 को

पर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण ों, उन्त् ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:—

- (1) श्री विनामक रामचन्द्र ढेरे 45 शिवाजी हाउसिंग सोसा-यटी, पूना-16. (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल शामदास नांरग बिल्डिंग नं० 47, प्लांट नं० 100-बी०, सिधू बाग, तिलक रोड, घाटकोपर,बंबई-77। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जांरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल प्लाट नं० 17 ए, सब प्लाट नं० 3 टी० पी० एस०-**ा,** कर्वे रोड, पूना -4 क्षेत्रफल 7329 वर्ग फीट का 1/4 हिस्सा ।

> एच० एस० भ्रौलख सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-2-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस •-

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 भग 43) की धारा 269-च (1)के आधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० भार० ए० सी० 113/74-75---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को. विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मुख्य 25,000 रूपये से श्रविक है भीर जिसकी सं० 6-2-913/914 है, जो करताबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, 18-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार पन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ध्रिप्तियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत : श्रव, उक्त श्रिधिनियम, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिथांत :---

- 1. श्री ए० रंगया उर्फ ए० रंगारेडी नं० 5-1-885-पुतली बीली, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री पी० वी० सुल्बाराउ वकील कममम (2) श्री बी रादो श्रीभना वलील खममम (3) श्री फी० कृष्णामूर्ति वकील खममम (4) मालीसेटी वरदय्या सुपुता लक्ष्णयमा खममम में रहते हैं देरेकटी सिविल सपलेय हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम वे ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-2-75

PART [II-Sec. 1]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 24 फरवरी 1975 निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 111/74-75-- यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन म्रायकर म्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **भौ**र जिसकी सं० 15-1-472, 631, 632 भौर 633 है, जो फीलखाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन, 10-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (स्रा) ऐसी किसी आय या किसी घनया अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम (1957 अधिनियम, 1957 के प्रयोजनार्घ अन्तरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री एस० स्थानचन्द जैन ग्रलियास रामलाल सुपूत्र स्व० सूरजमल, 15-1-472, फीलखाना , हैदाराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उगमाबाई पत्नी जोधराज , 5-5-670/7 मालकुंटा , हैदराबाद (भ्रन्तरिती)
- (3) किरायादार सुन्द्रबाई पत्नी बन्सी लाल 15-1 -632 फीलखाना , हैदराबाद (वह व्यक्ति , जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 15-1-472 , 15-1-631 , 15-1-632, 15-1-633, फीलखाना , हैदराबाद पुरब–छोटा कच्छा रास्ता पश्चिम-टार रोड़ा। दक्षिण–पैदल चलने का रास्ता । उत्तर-गन पेंटय्या के मकान

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-2-75

मोहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 24 फरवरी 1975 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 112/74-75---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 6-2-913 श्रौर 914 खैरलाबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 29-6-1974 को के उचित बाजार मृत्य से कम के पूर्वोक्स सम्पत्ति बृध्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विश्वेख के धनुसार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वन्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भौर/या

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण. में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयक्ति:-

- 1. (1) श्री ए० रगय्या श्रिलयास ए० रंगारेडी, पुत्र ए० चन्द्रथ्या, 5-1-574 पुतली बाबली हैदराबाद (2) चन्द्र सेखर पुत्र एस० बागय्या हैदराबाद (श्रन्तरेक)
- 2. (1) श्री के० वी० सुब्बाराव पुत्र वीरय्या, वकील, खमम्
- (2) श्री एस० राधाकृष्णा पुत्र नरसिम्हा वकील खमम्
- (3) श्री पेन्डयाला कृष्णामूर्ति पुत्र शेशाब्री राव वकील खमम्
- (4) माली सेट्टी वरदय्या पुत्र लक्ष्मय्या, बेपारी वकील खमम् (ग्रन्तरिती)
- डायरेक्टर श्राफ सिविल सप्लायज्, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पावर मन्जिल" दुर्माजिला इमारत नं० 6-2-913, 914 जिसका ग्राधा भाग, खैरताबाद, हैदराबाद खुली जमीन क्षेत्रफल 3222 वर्ग गज ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी०/114/74-75---यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961) का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 4-5-506 श्री 507 है, जो सुलतान बाजार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5 जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबात व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. (1) एनडपलली नरस्या सुपुक्ष गनगयया।
 - (2) श्रीमती ई० कौशिल्या बाई।
 - (3) श्री ई० ग्रशोक सुपुत्र नरस्या
 - (4) श्री ई० प्रदीप कुमार ।
 - (5) श्री ई० वेंकटेशवरलु।
 - (6) श्री ई० ग्रानन्द सुपुत्र नरस्या।

तमाम लोग एक घर में नं० 4-5-606 सुलतान बाजार, हैंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पारसी बुच्या सुपुत्नी सँमबया नं० 4-2-473 श्रौर 474, सुलतान बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-2-75

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० यत:, मुझे एच० एस० भ्रौलख भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी संख्या फायनल प्लाट न'० 17-ए०, सबप्लाट नं० 5, टी० पी० एस--1 है तथा जो कर्वे रोड़, पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरणकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हवेली-2, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धारा: ग्रंब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:— 1. विनायक रामचन्द्र हेरे 45 शिवाजी हाउसिंग सोसायटी, पूना-16।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहनलाल शामदास नारंग बिलिंडम नं० 47, प्लाट नं० 100-वी०, सिंधू बागतीलक रोड़, घाटकोपर, बंबई-77।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल नं० 17-ए०, सबप्लाट न० 5, टी० पी० एस० नं० 1, कर्वे रोड़, पूना-4 क्षेत्रफल-766 वर्ग मीटर्स का 1/4 हिस्सा।

एच० एस० श्रौलख सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-2-75

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मदास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1975

निर्देश सं $J_{X}/3/61/74-75--$ यतः, मुझे के० वी० राजन श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-य के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से अधिक 🎙 श्रीर जिसकी संख्या 32 सी०, सोलैयप्पन स्ट्रीट, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जून 1974 पृष्ठीक्त संपत्ति के उचित बजार वुष्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (ग्रन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के आप श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिमियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निखित न्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती भ्रनप्तलकष्मी भौर भ्रार० एस० रामिकच्ष्णन,
 सी०, सोलैयप्पन स्ट्रीट, मद्रास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुनुसामी चट्टी, 24, बसावीयन स्ट्रीट, मद्रास-21 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मद्रास-21, सोलैयप्पन स्ट्रीट, डोर सं० 32 सी० में एक ग्रॉण्ड श्रौर 100 सुकेयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (ग्रार० एस० सं० 3721/1)।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 7-2-1975

मोहरः

15-26GI/75

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० IX/3/72/74-75 :---यत:, मुझे के० बी० राजन ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से ग्रधिफ है उचित बाजार मृल्य भौर जिसकी सं० 318, तम्बु चट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है जो (ग्राँर इससे उपाबक्ष मे ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी केकार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिकारी, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रधीन कर देन के ग्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

ग्रतः ग्रबं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- श्री एम० के० मुत्तु कुमार सामि श्रौर श्रादी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० ग्रब्दुल वाहीद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्धो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, तम्बु चट्टी स्ट्रीट डोर सं० 318 में 2135, स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 1, मद्रास

तारीख: 14-2-1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

मद्रास दिनांक 15 फरवरी 1975

निर्देश सं० XXI/15/8/74-75 यतः, मुझे के० वी० राजन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है जिसकी सं० 186 ग्रीर 187, चुन्नाम्बुक्कार स्ट्रीट, वेलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, वेलूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 16) के 16 जुलाई 1974 के ग्रधीन 16 जुलाई 1974

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह
प्रतिशत से श्रधिक है भीर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती
(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रत: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---- श्री वी० एस० षप्मुग मुदलियार श्रौर श्रादि, 187, चुश्राम्बक्कार स्ट्रीट वलूर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० परमेश्वरी श्रम्माल 14, ग्रर्मितलिगसिम मडम स्ट्रीट, बेलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेलूर चुन्नाम्बुक्कार स्ट्रीट डोर सं० 186 श्रौर 187 में 4796 स्कृषर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के० बी० राजन स**क्षम अधि**कारी सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 15-2-1975

प्ररूप आई० टी० एम• एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 60/61 एंडवरना रोड पुना 411004

प्ना, तारीख 3-3-1975

निर्देश सं० सी भ्रं/ जुलै/74 सोलापर 179-74-75: यत: मुझे, एच०एस०भ्रौलख बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की भ्रारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० सी० टी० एस० क० 8286 / 5 है तथा जो रेलवे लाईन्स सोलापुर में स्थित है (भ्रौर इसके उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोला पुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 4-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित
नहीं किया गया है:—

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्री भ्रबदुल वारिस भ्रबदुल भ्रजीज शेख रेलवे लाईन्स सोलापुर (अन्तरक)
- (2) श्री जैनीउद्यन कबीर मुल्ला दुगांव जिला सोलापुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० टी० एस० ऋ० 8286/5 सोलापुर में की होल्ड पुरानी बिल्डिंग दुकाने और मकान सहित रेलवे लाईन्स सोलापुर क्षे झ 2787 वर्ग मीटर्स

> एच० एस० भ्रौलख, सक्षम अधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई.

बम्बई तारीख 21 फरवरी 1975

निर्देश सं०ग्ने०पी० 203/ग्राई०ए०सी०/ए०ग्रार० 4/74-75—ग्रत: मुझे श्री ग० सो० राव० ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रू० से अधिक है ग्रौरजिसकी सं० प्लाट नं० 142/7/बी०सर्वे नं० 142 है, जो ग्राम्बोवली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई. में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-7-1974 को

सम्पत्ति को पूर्वोक्त के उचित बाजार के कम के दुश्यमान प्रक्षिफल लिए की गई और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:---

- (1) जिम रुसदिन प्रा० लि० 16 अलटा माऊट रोड, बम्बई -26 (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स एवर साईन बिलडर्स 223, श्ररुण चेम्बर्स तारदेव, बम्बई-34 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सूरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव ग्रंबीवली पूर्वत: उपजिला बान्द्रा में, साउथ सालसेट तालुका बम्बई उपनगर भ्रभी रजिस्टेशन उपजिला, बम्बई नगर श्रौर उपनगर में स्थित है जिसका नं० सी० टी० एस० बम्बई श्रधिकार के श्रभिलेख दि० 29 नवम्बर, 1969 में सर्वेक्षण ग्रौर भू-ग्रभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा किये गये क्षेत्र मापने के अनुसार उसके नं० एम० ग्रार० 2692 (2) के भ्रंन्तर्गत लिखित है माप में 4306 वर्गगज यानि कि 3600 वर्गमीटर या श्रासपास जिसका प्लाट नं० 142/7 बी सर्वे-क्षण नं 142 अम्बीवली है और जिसके ईमले इसके साथ संग्लन प्लान के अनुसार इस प्रकार धिरे हुए हैं अपर्थात पूर्व की स्रोर से श्रंणतः प्लाट नं० 147/7/बी, एस नं० 143 श्रम्बीवली द्वारा श्रंगतः, 30 फीट चौड़े, निकास रास्ता ब्रारा श्रौर श्रंशतः सब स्टे-शन प्लाट द्वारा , उत्तर की भ्रोर से प्लांट नं० 142/7/ ए, सर्वेक्षण नं० 142 भ्रम्बीवली द्वारा पश्चिम की स्रोर से प्लांट नं० 142/8 बी, सर्वेक्षण नं० 142 अम्बीवली द्वारा भौर दक्षिण की छोर से वरसोवा गांव की सीमा द्वारा ।

> (ग० सी॰ राव) सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चार बम्बई।

तारीख 21-2-1975 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई-4

तारीख 21-2-1975

निर्देश सं० ग्रे॰ पी॰ 2041 श्राइ॰ ए० सी॰ /श्रार॰ 4174-75 म्रतः मुझे, श्री ग० सो० राव

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/--- ह० से श्रधिक है

जिसकी सं० प्लाट नं० 143/7/बी सर्वेक्षण नं० 143 है , जो श्राम्बीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2-7-197**5**

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, के श्रधीन वेने धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का या उक्त ग्रधिनियम, 11) धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

्अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुकरण में, प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, भ्रर्थान:---

- (1) जिमरुसदिन प्रा०लि० 16 प्रल्टा माऊन्ट रोड, बम्बई (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स एवर साईन बिल्डिंग्स, 223, श्ररुण चैम्बर्स तारदेव, बम्बई-34 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम उपस अध्याय परिभाषित ₹, अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांध भ्रांबीयली पूर्वत: उपजिला बान्द्रा में साउथ सालसेंट तालुका बम्बई उपनगर जिला, ग्रभी रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई नगर ग्रीर उपनगर में स्थित है जिसका नं सी० पी० एस० नं ० प्रधिकार के प्रभिलेख दिनांक 29 नवम्बर 1969 में सर्वेक्षण ग्रौर भूँ ग्रभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा किये गये क्षेत्र माप के श्रनुसार उसके नं० एस० श्रार० 2692 (2) के श्रंतर्गत लिखित है माप में 3533 वर्गगज यानि की 2954 वर्गमीटर या श्रासपास जिसका प्लांट नं ० 143/7/ बी सर्वेक्षण नं 143,, प्राम्बीवली है और जिसके इमले इसके साथ संलग्न प्लान के अनुसार इस प्रकार घिरे हुए हैं अर्थात् पूर्व की स्रोर से प्लाट नं० 143/6/बी, एस० नं० 143 ग्रांबीवली द्वारा, उत्तर की ग्रोर से प्लाट नं० 143/7/ ए, एस० नं० 143 श्रांबीवली द्वारा पश्चिम की भ्रोर से प्लाट नं ० 142/7/बी, एस० नं ० 142 भोबीवली द्वारा श्रीर दक्षिण की श्रीर से 30" के निकास रास्ता द्वारा ।

> ग० सो० राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-4,बम्बई ।

तारीख: 21-2-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बम्बई बम्बई तारीख 26-2-75

निर्देश सं० ग्रं० ई० 5/120/5/74-75.—-ग्रत: मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 5 बम्बई. श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईलामे इसके पश्चात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया

- हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं क्यें नं क 104/ए/1 है), जो ग्रानिक चेम्ब्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 9-7-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति
- के उषित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1 साराभाई केमिकल्स प्रा० लि०
- (भ्रन्तरक
- (2) श्रहकापुरी इन्वेस्टमेन्टस प्रा० लि०

(श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 9317 वर्गगज या श्रासपास मिली हुई समतल जमीन माप में 4217 वर्गगज श्रौर पहाड़ी जमीन माप में 5100 वर्गगज श्रौर गांव श्रनिक, कुरला तालुका बम्बई, उपनगर जिला, रिजस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा बम्बई में स्थित है श्रौर जिसका सर्वेक्षण नं० 104/ए/ श्रंश है श्रौर इस प्रकार विरा हुआ है उत्तर की श्रोर से स्रहमधाबाद मन्यु, एंड कैलिको शि।टग कं० लि० की जायदाध द्वारा, दक्षिण की श्रोर से जमीन की पट्टी द्वारा, पूर्व की श्रोर से सुहरीद जेजी ट्रेडिंग कं० श्रा० लि० के सर्वेक्षण नं० 104(श्रंश) की दूसरी जमीन द्वारा श्रौर पिषचम की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 107 (श्रंश) की जमीन श्रौर श्रहमदाबाद मैंन्यु एंड कैलिको श्रिटिंग कं० लि० की जायदाद के एक भाग श्रौर जिस जमीन का टुकड़ा इसके साथ संग्लन प्लान में लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है।

(जे० एम० मेहरा) सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 5बम्बई

तारीख 26-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 5. बम्बर्ष बम्बर्ह, तारीख 26-2-75

निर्देश सं० श्रं० ई० 5/6/121/74-75—श्रत: मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात्, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 7,8,9,85 है, जो बारेला व बदबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के क र्यालय, बम्बई म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया हूँ या या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की बपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

(1) श्री हेमराज लालजी मैंशरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदानंद मनजम्प सुरेनजी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा साथ वहां पर बने निवासगृह वाटिका या निवास घर जो चेम्बूर में गांव वदावली और बोश्ला रिजस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है। माप में 678 . 12 वर्ग गज समकक्ष 566. 99 वर्गमीटर या श्रासपास जिसका प्लोट नं० 26 श्रभी यूनियन पार्क के नाम से ज्ञात श्रीर जो निम्नलिखित नंबरों की जमीन का एक भाग है:

 वादवली	सर्वेक्षण नं०	 हिस्सा नं ०
	7	3
	8	2
	9	ए
एन० ए०	9	ब
एन० ए० बोरला	8.5	शून्य

श्रीर इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की श्रीर से यूनियन के प्लाट नं० 27 श्रीर जमीन श्रीर बिल्डिंग सोसायटी लि०, हाउसिंग, स्कीम द्वारा, दक्षिण की श्रीर से यूनियन के प्लाट नं० 25 श्रीर लैंड श्रीर बिल्डिंग हाउसिंग सोसायटी लि०, हाउसिंग स्कीम द्वारा, पूर्व की श्रीर जागृति स्टूडियों द्वारा श्रीर पश्चिम की श्रीर से यूनियन के रोड श्रीर लैंड श्रीर बिल्डिंग सोसायटी लि० हाउसिंग स्कीम द्वारा

जे० एम मेहरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई ।

तारीख : 26-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

- (1) मिनक्हीं डिलर्स प्रा० लि०
- (म्रन्तरक)
- (2) निता शिबकुमार दालमिया
- (ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 5, बम्बई

बम्बई, तारीख 28-2-75

मिर्देश सं० ग्र**० ई० 5/123/8/74-75----ग्रतः,** मुझे, जे० एम० मेहरा, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई. म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पण्चात्, 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन उचित पूर्वीक्त सम्पत्ति के वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है म्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मं,मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, मिम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के वे तमाम टुकड़ें जो प्लाट नं० 53,54, 59 मौर 66 का एक भाग है, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित में साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 2162 वर्गफीट समकक्ष 200.86 वर्गमीटर या आस-पास है और इसके साथ संग्लन प्लान में काले भौर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा दिखाया गया है, जमीन के वे टुकड़ें पैतृक रूप से प्राप्त है और जगहें रिजस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घरी हुआ है अर्थात् उत्तर की और में उक्त इमला के एक भाग जो माप में 21-37 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से उत्तर इमला के एक भाग जो माप में 2162 वर्गफीट है द्वारा, पिचम की भ्रोर से भ्रनिमित्त जमीन की एक भाग बनाती है द्वारा और पूर्व की भ्रोर से भ्रनिणित जमीन की एक पट्टी जो प्लाट नं० 53,54,59, भौर 66 की जमीन का एक भाग बनाती है, द्वारा

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई ।

तारीख: 28-2-75

मोहर:

16-26GI/75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ध्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज 5 बम्बई

तारीख 28-2-75

निर्देश सं० ग्र० ई० /5/126/11 /74-75--- ग्रत: मुझे, जे० एम० महरा सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 5 बम्बई. भायकर भ्रधिनियम, (1961) (1961 का 43) (जिसे इलामे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) ।

की घारा 2.69-खाके ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र॰ से अधिक है

जिसकी सं० प्लाट नं० 53, 54, 59 फ्रौर 66 है, जो नाहर ब्हिलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय , बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण , मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिन तारीख 2-7-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रष्ठ प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत** उक्त भ्रिधिनियम, के मधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 軒 11) या उन्त श्रीधिनियम्, धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधार। (।) के प्रधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, धर्मात:----

(1) मिअव्ह डिअलर्स प्रा० लिब

(झन्तरक)

(2) श्री प्रताप परामजी हरीभनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी **अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिचित** में किए जासकेंगे।

स्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो उक्त घिष्टिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित 🐉 वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया

अनुसूची

जमीन का वह टुकड़ा जो प्लाट नं० 53,54,59 मौर 66 की जमीन का एक भाग बनाते है , गांव नाहुर , मुलुण्ड के पास बृह-त्तर बम्बई में स्थित है साथ में उस निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट है समकक्ष 100.084 वर्गमीटर या ग्रासपास है ग्रौर इसके साथ संग्लन प्लान में काले ग्रौर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन के टुकड़े पैतक रुप से प्राप्त है। स्रोर जगहे रजिस्ट्रेशन उपजिला स्रोर जिला बम्बई उपनगर में स्थित हैं ग्रौर इस प्रकार घिरा हुन्ना है । ग्रथति पूर्व की फ्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गमीटर है। द्वारा पश्चिम की श्रोर से श्रनिर्मित जमीन की पट्टी जो इसके सबक संलग्न प्लान में ब्राउन रंग में दर्शाया गया है और प्लाट नं० 53,54, 59 स्रोर 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, द्वारा, उत्तर की श्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की स्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट है, द्वारा

> जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर, भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बम्बई ।

तारीख 28-2-75

प्रस्तप भाई० टी० ए**न० ए**स०-

भायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, 5 बम्बई.

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० प्र० ई० 5/ 129/14/ 74-75— प्रतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

जिसकी सं० नं० 92, प्लाट नं० 53,54, 59, 66 है, जो नाहुर व्हिलेज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधिन तारीख 20-7-74

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है :——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धिनियम, के धिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर धिधनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्य धन्सरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त प्रधिनियम धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारः 269-घ की उपश्वारा (1) के ध्रधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--

(1) मिनव्ही डिग्नलर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरक)

(2) हिमासू वरजलाल पारेख

म्रम्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षप :—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उक्त प्रविमियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा, ओ उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के बह तमाम दुकड़े जो प्लाट नं 53, 54, 59, श्रौर 66 में स्थित है साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 2105. 8 वर्गफीट समकक्ष 195. 65 वर्गमीटर या श्रासपास है श्रौर इसके साथ सलग्न प्लान में काले श्रौर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा थिरा दिखाया गया है। जमीन के वे टुकड़ पैतृक रूप से प्राप्त है। श्रौर उसके रिजस्ट्रशम उपिजला श्रौर जिला बम्बई नगर श्रौर बम्बई उपनगर में स्थित है श्रौर इस प्रकार घरा हुआ है श्रयांत उत्तर की श्रोर से श्रनिर्मित जमीन की एक पट्टी जिसका प्लाट नं 53,54,59 श्रौर 66 है द्वारा, दिलाण की श्रोर से इसी प्रकार की श्रीनिर्मित जमीन की एक पट्टी द्वारा पिष्टम की श्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052. 8 वर्गफीट है द्वारा, पूर्व की श्रोर से उत्तर इसले के एक भाग जो माप में 2105. 8 वर्गफीट ख्वारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज 5, बम्बई ।

बारीख :26-2-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्रा० ई० /136/21/74-75—ग्रत: मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात (1961 新 43) भ्रष्ठिनियम कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य स्थावर 25,000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 130/ अग्रंश, 4 ग्रंग, 131/1 (ग्रंग), 4 (अंग), 111 (ग्रंग). है, जो नाहुर गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण **म्रधिनियम , 19**08 (1908 का 16) के म्रधीन 23-7-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति **के उचित** बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत ग्रधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर **भन्तरिती** (भ्रन्तरितियों) के बीच श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन था श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्री रेब फ० बेलेरियन गोडीनही । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राज सोनी लेख सोनी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्प्रवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा ओ नाहुर, मुलुण्ड (पिश्चम), कुर्ला तालुका, बम्बई उपनगर जिला, रिजस्ट्रेशन उपजिला बम्बई उपनगर के स्थित है, माप में 224 वर्गगज या 137.3 वर्गमीटर है जिसका सिटी सर्वेक्षण नं० 550 (श्रंश) है श्रौर इस प्रकार घरा हुआ है: उत्तर की ओर से श्रंशन: उपविभाजित प्लाट नं० 8 श्रौर श्रंशत: उपविभाजित प्लाट नं० 8 श्रौर श्रंशत: उपविभाजित प्लाट नं० 8 सी द्वारा, दिक्षण की श्रोर से 444 चौड़े विकास योजना रोड द्वारा, पिश्चम की श्रोर से उपप्लाट नं० 8 ए द्वारा श्रौर पूर्व की श्रोर से उप प्लाट नं० 8 डी द्वारा.

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक: 26-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस♦~

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 75

निर्देश सं० श्र० ई० 5/140/25/74-75--श्रतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रजंन रेंज 5, बम्बई श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे श्रिधिनियम इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लाट नं० 5 है, जो कांजूर व्हिलेज में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वींजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, के कार्यान्त्य, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन तारीख 24-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री रतनसी करसनदास (ग्रन्सरक)
- (2) श्री सरदार प्रताप सिंह लक्ष्मीदास इस्टेट **ग्रौ**र इण्डस्ट्रिज प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104(नया) श्रंण जो गांव कांजूर, भाड़ूप श्रभी बृहत्तर बम्बई उपनगर और श्रभी रिजस्ट्रेणन उपजिला और जिला बम्बई नगर
में है और माप सं2 2608 . 72 वर्गमीटर या ग्रासपास श्रथीत्
3120 वर्गणज जो बम्बई म्युनिसिपल काफोरेणन द्वारा मूंजर
प्राइवेट लेग्नाउट स्कीम के प्लाट नं० 5 है और पूर्व की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 180 हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पिण्यम की ग्रोर
से 44 फीट चौड़ा निजी मार्ग श्रौर उसके बाद उक्त स्कीम के प्लाट
नं० 11 श्रौर 12 द्वारा दक्षिण की और से उक्त स्कीम के प्लाट
नं० 6 द्वारा श्रौर उत्तर की श्रोर से उक्त स्कीम के प्लाट नं० 4
द्वारा घिरा है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई ।

तारीख: 26-2-75.

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-थ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश संब्राव ईव 5/141/26/74-75---- **ग**तः मुझे, जेव एम० मेहरा सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). भ्रर्जन रेंज 5 बम्बई. म्रायकर मधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है। की धारा 269-खा के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि जिसका सम्पति, उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लाट नं० 6 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख 24-7-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया [ः]गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था, छिपामे में नुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रथीत:— (1) श्री रतनसी करसनदास श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार प्रतापसिंह लक्ष्मीदास इस्टेट ग्रीर इंड-स्ट्रीज प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए एतब् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचमा के राजपत्र में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबढ़ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम दुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) की जमीन का भाग, गांव कांजूर, भाड़प (अभी नृहतर बम्बई) पहले रिजस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर और धभी रिजस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर और माप में 2586.5 वर्ग भीटर या आसपास जो बम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा मुजूर प्राइवेट लेगाउट स्कीम के प्लाट नं० 6 (छः) है और पूर्व में सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पिचम की घोर से 44 फीट चौड़े नीजी मार्ग और उसके बाव उक्त स्कीम के प्लाट नं 12 और 13 द्वारा और विक्षण में उक्त स्कीम के प्लाट नं 7 द्वारा और उत्तर में उक्त स्कीम प्लाट नं 5 द्वारा विरा हुमा है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम भिक्षकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 5, बस्बई

तारीख: 26-2-75

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई.

बम्बई, तारीख 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्र० ई० 5/144/34/74-75—श्रतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधिनयम कहा गया है।

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 64, 63, 66, 72, 73 है, जो नाहर गांव में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 25-7-74

का 16) के ध्रधिन 25-7-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करके का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य काक्सियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रणीत्:---

- (1) ऋत्सीबाई उमेदमल ग्रीर श्रन्य
- (2) वेस्टर्न मेकानिकल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जभीन का यह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहर , तालुका कुर्ला, वस्वई उपनगर जिला, रिजस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है जिसका प्रधिकारों के प्रभिलेख के घनुसार निम्न विवरण है

सर्वेका	ग मं०	क्षेत्र
64	मंश	
65	मं श	
66	अंश ं	
72	भंग	
73	अंभ	3357.78
		वर्गमीटर
		4016 वर्गगज

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख: 26-2-75

प्ररूप माई० टी० एन० एस० -

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के श्रिधीन सूचमा

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 5, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी, 1975

निर्देश सं० श्र०ई० 5/139/24/74-75—श्रतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लाट नं० 4 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (श्रेंर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-7-74 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरघ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनना; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- (1) श्री रतनसी करसनदास भ्रीर भ्रन्य (ग्रन्सरक)
- (2) मैंसर्स सरदार प्रतापसिंह लक्षमीदाम इस्टेट ग्रौर इंडस्ट्री प्रा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) गांव क्षांज्र , भांड़प की जमीन का एक भाग है, अभी बृहत्तर वस्बई पहिले रजिस्ट्रेंगन उप-जिला बान्द्रा, जिला बस्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेंगन उप-जिला और जिला बस्बई नगर और बस्बई उपनगर और माप में 2508.39 वर्ग-मीटर या श्रासपास धर्यात 3000 वर्गगज है जो बस्बई स्युनिसिपल कारपोरेगन द्वारा मंजूर , प्राइवेट लेग्नाउट स्कीम का प्लाट नं० 4 है, और पूर्व में सर्वेक्षण नं 180, हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पिष्चम में 44 फीट चौड़े प्राइवेट रोड और उसके बाद उक्स स्कीम के प्लाट नं० 10 और 11 द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त स्कीम द्वारा उत्तर की में उक्त स्कीम के प्लाट नं० 3 वारा िरा है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई ।

तारीख 26-2-1975 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीगाड़ा

Kinada, the 22nd February 1975

सं अार ० ए० सी ० - - यतः मुझे, K. Subbarao अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० New Survey Nos. 100(1) 99(8); 103(2); 100(3) है, जो Gajularega, Vizianagaram Taluk में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 25-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के ग्रन्तरित की गई है <mark>श्रौर मुझे</mark> यह विष्वास करने कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, (अन्तरितियों) निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अत:, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं said Act की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: -17—26GI/75

- The President

 1. State Bank of India Staff Co-operative Building.
 Society Ltd. Vizianagaram. (अस्तरफ)
- 2. 1. Palakuti Suryanarayana, 2. P. Kalidas, Iron Merchaut, Kothaagraharam, Vizianagaram. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Vacant land situated in the village Gajularega, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District to the extent of A 5-03 cents out of Ac. 6-18 cents bearing New Survey Nos. 100(1) 99(8) 103(2) and 100(3).

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज, KAKINADA

तारीख 22-2-1975 मोहर: प्रका आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंग 5, ब+बई

बम्बई दिनॉक 26-2-75

निर्देश सं० भ्राई०-5/138/23/74-75—अत: मुझे जे० एम० मेहरा सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) भ्रजीन रेंज 5 बम्बई,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- ह० से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लाट नं० 3 है, जो कांजुर व्हिलेज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-7-74

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि पथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्नरितों (अन्तरित्यों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफन, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

श्रतः अव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थीत्

- (1) रतनभी करसनदास भ्रन्य (भ्रन्तरक)
- (2) मैससे सरदार प्रतापसिंह लक्ष्मीदास इस्टेट श्रीर इंडस्ट्रीज प्रा० नि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, मो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण तं० 104 (नया) का ग्रंश, गांव कांजूर, भांड़प, ग्रंभी बृहतर बम्बई पहिले रिजस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रां, जिला बम्बई नगर ग्रीर ग्रंभी रिजस्ट्रेशन उपजिला ग्रीर बम्बई उपनगर ग्रीर माप में 2508 39 वर्गमीटर या ग्रास्पास (ग्रंथीत 3000 वर्गगज) जो बम्बई म्यु-निसिपल कारपोरेशन द्वारा मंजूर, प्रायवेट लेश्राउट स्कीम का प्लाट नं० 3 है ग्रीर पूर्व की ग्रोर सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5 (ग्रंश) की जमीन ग्रीर सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5 (ग्रंश) की जमीन ग्रार, पश्चिम की ग्रोर से उक्त स्कीम के प्लाट नं० 2 ग्रीर 44 फीट बौड़े निजी मार्ग ग्रीर उसके बाद उक्स स्कीम के प्लाट नं० 10 ग्रारा, दिक्षण की ग्रोर से उक्त प्लाट नं० 4 ग्रारा ग्रीर उत्तर की ग्रोर से सबक्षण नं० 104 (निया) (ग्रंश) की जमीन के एका भाग द्वारा विरा हुगा है।

जे० एम० मेहरा (सञ्जम प्राधिकार) सहायक श्रायक रश्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रेंज 5 बस्बई

ऋवच: तारीख 26-2-75 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ग्राई० 5/137/22/74-75—यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजंन रेंज-5 बम्बई आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 26 १ ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 92/2 प्लाट नं० 53, 54, 59 ग्रीर 66 है, जो नाहूर-मुलुण्ड मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुवी में ग्रीर पूर्ण ६५ में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 23-7व1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ को उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. मिनर्ह्वा डिग्नलर्स प्रा० लि०
- (अन्तरक)
- 2. हिमांसु वरजलाल पारेख
- (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजान्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथामिरमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लाट नं० 53, 54, 59 ग्रीर 66 की जमीन का एक भाग बनाता है गाव नाहूर, मुलुण्ड के पास, बृहस्तर बम्बई में स्थित है जिसकी साथ में वहा पर निर्मित इमला का भाग जो माप में 1052.9 वर्ग फीट समकक्ष 97.83 वर्गमीटर या श्रासपास है श्रीर सलग्न प्लान में काले श्रीर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन का टुकड़ा पैतृक रूप से प्राप्त है श्रीर जगहें रिजस्ट्रेशन उपजिला श्रीर जिला बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपगनर में स्थित है श्रीर इस प्रकार घरा हुमा है अर्थात् उत्तर की श्रीर में अनिर्मित जमीन पट्टी जो कि प्लाट नं० 53, 54, 59 श्रीर 66 की जमीन का एक भाग बनती है द्वारा, दक्षिण की श्रीर से उसी प्रकार की श्रीनिर्मित जमीन पट्टी द्वारा, पिचम की श्रीर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 2105.8 वर्ग फीट है द्वारा श्रीर पूर्व, की श्रीर से उक्त इमला के भाग जो माप में 1020, 2166, 2166 श्रीर 2166 वर्ग फीट कमानुसार है, द्वारा ।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुवत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-5, बम्बर्ध।

तारीख : 28-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० श्राई० 5/132/7/74-75—यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5 बम्बई श्रायकर श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5 बम्बई श्रायकर श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5 बम्बई श्रायकर श्रयक्त प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 श्र, सर्वे नं० 130/3 (पार्ट), 4 (श्रंश), 131/1 (श्रंश), 4(श्रंश), 5(श्रंश), 111 (श्रंश) है, जो नाहूर-मुलुण्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. रेव० फ० वेलेरिश्चन गोदीनहो
- (ग्रन्तरक)
- 2. शर्मा कंस्ट्रक्शन कम्पनी
- (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अयं होगा तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रकृषि प्लाट नं० 8 की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 3774 वर्गगज समकक्ष 3155 वर्ग मीटर या श्रासपास है जिसका उप विभाजित प्लाट नं० 8 जो कि बम्बई महानगर पालिका द्वारा नं० सी० ई०/78/बी० एस० ई०/एल० श्रो० टी० दिनांक 2-4-1970 के अन्तर्गत स्वीकृत है, गांव नाहूर मुलुण्ड (प०) कुरला तालुका, बम्बई उपनगर जिला टी०-वार्ड, रजिस्ट्रेशन उपजिला जिला बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर में स्थित है श्रीर सर्वेक्षण नं० 130 हिस्सा नं० 3 (श्रंश), 4 (श्रंश) सर्वेक्षण नं० 131 हिस्सा नं० 3 (श्रंश), 4 (श्रंश) श्रीर सर्वेक्षण नं० 131 हिस्सा नं० 1 (श्रंश) 4 (श्रंश) उत्तर का घराव इस प्रकार है : पूब की ग्रोर से प्लाट नं० 9 द्वारा, पश्चिम की श्रोर से ग्रंशत: प्लाट नं० 5 द्वारा, दिक्षण की श्रोर से 44 फीट चौड़े विकास योजना मार्ग द्वारा ग्रीर उत्तर की ग्रोर से प्लाट नं० 7 द्वारा ।

जे० एस० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख 26-2-1975 मोहर : प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-

ग्नायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1975

मं० अ० ई० 5/127/12/74-75—श्रय: मुझे, जि० एम० मेहरा सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 भ्रापकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- ४० से भ्रधिक ग्रौर जिसकी संब्प्लाट नंब 53, 54, 59, 66 है, जो नाहर ह्विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे भारतीय रजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन तारीख 2-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रातेफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी १ !य या किसी धन या ग्रन्य भास्तिशे को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने के लिए मुनिधा के लिए।

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मिनह्या डिलर्ज प्रा० लि०
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कुनम प्रताप हरिश्रनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकडा जो प्लाट नं० 53, 54, 59 ग्रीर 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, गांव नाहर, म्लुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित है, जिसके साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट समकक्ष 100.084 वर्गमीटर या ग्रासपास है भ्रौर इसके साथ संलग्न प्लान में काले ग्रीर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन के टुकड़े पैतृक रूप से प्राप्त है घौर जगहें रजिस्ट्रेशन उप जिला श्रीर जिला बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर में स्थित है भ्रौर इस प्रकार घिराहुमा है भ्रर्थात पूर्वकी म्रोर में उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट है द्वारा, पश्चिम की ग्रोर से ग्रर्निमित जमीन की पट्टी जो इस के साथ संलग्न प्लान में ब्राउन रंग से दर्शाया गया है ग्रीर प्लाट न० 53, 54, 59 श्रौर 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, द्वारा उत्तर की श्रोर से उक्त इमला के विभाग जो माप मे 1077 वर्ग फीट है द्वारा ग्रौर दक्षिण की ग्रोर से उक्त इमला इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है द्वारा ।

> जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज 5, बम्बई

तारीख 28-2-1975 मोहर : प्रइप आई० टा॰ एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० भ्र० ई० 5/131/16/74-75---यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 डसिटी सर्वे नं० 550 (पार्ट) है, जो नाहर-मुलुण्ड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन 23-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

िक्या गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- 1. श्री खे० फे० वेलेरिज जोडीनहो

(ग्रन्तरकः)

2. श्री सुधीर केशवजी सोमस्या

(भ्रन्तिरती)

को **यह सूचना जा**री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतप्**द्वारा** कार्यवाहियां गुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से '30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्योक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यनुभूची

संयुक्त सर्वेक्षण के अकृषि प्लाट नं० 8 की जभीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 3774 वर्गगज समकक्ष 3155 वर्ग-मीटर या आस पास जिसका महानगर पालिका द्वारा स्वीकृत सीं० ई०/78/बी० एस० आई०/एल० श्रो० टी० दिनांक 2-4-1970 के अन्तर्गत उप-विभाजित प्लाट न० 8, गांव नाष्ट्रर मुलुण्ड (प) टी. वार्ड, रिजस्ट्रेशन, उप जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिला में स्थित है उक्त प्लाट इस प्रकार चिरा हुआ है:——

पूर्व की श्रोर उसी नक्शे के प्लाट नं० 9 ए, 9 बी, 9 सी

पश्चिम की स्रोर नक्शों के प्लाट नं० 4, 5 दक्षिण की स्रोर 44-8" चौंड़े डेबलपभेट प्लाट रोड स्रौर उसी नक्शों के प्लाट नं० 3 स्रौर 7

> जे० एम० मेहराा, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, 5, बम्बई

तारीख 26-2-1975 मोहर : PART III—SEC. 1]

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०

भ्रायक्र भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-II, घहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं०पी० ग्रार० 191/ए० सी० क्यू० 23-293/19-1/74-75--पतः, मुझे, पी० एन० मित्तल श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिसकी संव वर्तमान सर्वे नंव 231 पैकी, 254 पैकी ग्रौर नं० 256 पैकी है, तथा जो बारडोली, जिला सूरत में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बारडोली में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27-7-1974, 20-9-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित के बाजार दुश्यमान प्रतिफल कें के लिए भ्रन्तरिप्त की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है स्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) स्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था जकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 195**7** (1957 年7 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधाके लिए।

म्रतः जब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात:---

1. श्री खुणाल भाई मोरारजी पटेल, इन्दु कुमार रामजी भाई पटेल स्वत: ग्रौर हि० ग्र० कू०, दिलीप कुमार इन्दु कुमार पटेल स्वतः ग्रौर हि० ग्र० क्०, बचुभाई उर्फ स्वराज्यः कुमार खुशाल भाई पटेल स्वतः ग्रौर हि० ग्र० कु०, शान्ताबेन बचुभाई उर्फ स्वराज्य कुमार, (ग्रवयस्क) रेखाबेन बचुभाई, सुनिताबेन बचुभाई, जयकुमार बचुभाई (पालक) शास्न्ताबेन ब नयनाबेन बचुभाई पटेल, कुसुमबेन इन्द्र कुमार पटेल (ग्रवयस्क) महेश कुमार इन्द्र कुमार ग्रौर राधिकाबेन इन्द्र कुमार (पालक) कुसुमबेन ई०, शोभनाबेन इन्द्रकुमार पटेल

 रामबाग कोम्रोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० बारडोली की ग्रीर से--

प्रेसिडेंट--मणिभाई गलालभाई पटेल सेकेटरी--मगनभाई नाथुभाई पटेल, बारडोली

(ग्रन्तरिती)

के अर्जन को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में विसी ध्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमे प्रयमत शब्दों और पक्षे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दियागया है।

अनुसूची

रामवाडी (ग्रास्तान रेलवे कोस के नजदीक) बारडोली, जिला सुरत में स्थित खुली जमीन जिसका वर्तमान सं नं० 231 पैकी, 254 पैकी स्रोर नं० 256 पैकी जिसका कुल माप 15972 वर्ग गज (132 गु०) है। जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2802 से 2806 जुलै 1974 ग्रीर नं० 3558 से 3559 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी बारडोली में लिखा है।

> पी० एन० मिसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

सारीख: 4-3-1975

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

म्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के म्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक, 26 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए

क्रम क दृश्यमान प्रातकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भ्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में यास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थान:--- 1. श्री शिवाभाई पेठाभाई पोकर

(ग्रन्तरक)

2. श्री झवेरचंद लिलाधर महा

(ग्रन्तरिती)

3. मैसर्स पोकर ब्रदर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यधाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 1321.04 वर्गमीटर समकक्ष 1580 वर्गगज, सर्वेक्षण नं० 83 हिस्सा नं० 7 ग्रंण, जो गांव बोटला शीव ट्रांबे रोड, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है ग्रौर इस प्रकार घरा हुन्ना है: उत्तर की भ्रोर से हिस्सा नं० 4 ग्रौर "मोती बाग" बिल्डिंग द्वारा, दक्षिण की ग्रोर से पोलिस्टील फंब्रिकेशन के भ्रधिकार में हिस्सा नं० 8 द्वारा पूर्व की ग्रोर से मनवर हुसेन, भंगार (रद्दी) वाला के अधिकार में लीजकाट्स का जमीन द्वारा।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख: 26-2-75

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, अर्जन रेंज 5, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० श्रई/5/124/9/74-75--श्रत: मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बम्बई अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 53, 54, 59 ग्रीर 66 है, जो नाहर व्हिलेज म स्थित है (ग्रौर इससे उपाब*द्ध ग्र*नुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान -प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—18—26G1/75

- 1 मिनव्ही डिग्रलर्स प्रा० लि०
- (ग्रन्तरक)
- 2 श्री शैलेश शिवकुमार डालमिया (ग्रन्तरिती)
- 3 श्री गैलष शिवकुमार डालिमया ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, इबाके के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में में किसी अपक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के वे तमाम दुकड़े जो प्लाट नं० 53, 54, 59 और 66 का एक भाग है, गांव नाहर, मुलुण्ड के पास बृहतर बम्बई में स्थित है, साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 2105.8 वर्ग फीट समकक्ष 196.65 वर्ग भीटर या श्रासपास है और इसके साथ संलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ दिखाया गया है जमीन के वे दुकड़े पैतृक रूप में प्राप्त है। श्रीर बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है । श्रर्थात् उत्तर की श्रोर हे श्रीर वस्त प्रविधित जमीन की एक पट्टी जो प्लाट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाती है, द्वारा दक्षिण की श्रोर से उसी प्रकार की श्रनिर्मित जमीन की पट्टी द्वारा, पश्चिम की श्रोर से उसत इमला के एक भाग जो माप म 2105.8 वर्ग भीट है द्वारा, श्रीर पूर्व की श्रोर से उक्त इमला में 1052 8 वर्ग मीटर है द्वारा ।

जे०एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-5 बम्बई

तारीख : 28 फरवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीन(ड्रा, दिनांक: 1 मार्च 1975 Ref. J. Nos. I(88, 90 & 91) /Acq. File No. 152/74-75.— यतः मुझे, K. SUBBARAO भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिमियम कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० T. S. No. 983, Plot No. 45 Kirlampudi Town Planning Trust Lay out, Waltair Ward में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam म भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में श्रास्तविक रूप से कथित

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

नहीं किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्ष्य अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. Shri Ojili Natasareddy, Allur, Nellore Dt. (知可不可)
2. 1. Smt. Gita Krishna Mukari, W/o Sri S. M.Krishna Kumar.

- 2. D. M. Deva Kumar Reddy,
- 3. M. Vinod Kumar Reddy, (अन्तरिती)
- 3. Shri M. R. Reddy, General Manager,
 - F. F. Railway, Gauhati-11, (Assam). वह व्यक्ति जिसके अधिनाग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

Visakhapatnam Dist—Visakhapatnam Sub-Registrar—Kirlampudi Lay out—Town Planning Trust, Sanjivayyanagar, T. S. No. 983—Plot No. 45—Waltair ward—Unfinished residential building with completed construction up to the ground floor plinth level with a total plinth area of 2350 sq. ft. (218-32 sq. mtrs.) including the basement portion of an area of 870 Sq. ft. (80-83) sq. mtrs consisting of three main rooms with 2 attached bath rooms and a kitchen and stores together with a site of 1683 sq. yds. with elec. and water connections.

BOUNDRIES

East: Plot No. 44 House of Sri M. R. Reddy

South: Plot No. 30.

West: Plot Nos. 46A and 46B,

North: Municipal Road.

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, KAKINADA

तारीख: 1-3-1975

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैयराबाद तारोख 5-3-74

निर्देश स० श्रार० ए० सी० 120/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

बायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 1-10-87 बाग है जो श्रशोक नगर म स्थित है (भ्रौर इससे उपाबबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रिम्नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों अर्घात्:—

- श्री श्रार० सोम सुन्दरराव पिता श्रार० सीम्य्या नं०
 1-10-87 श्रगोक नगर, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्तारानी पति नन्दन सिनग नं० 21-3-266 चारमहल च्हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पुर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर गम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमे प्रमुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति घर का बाग नं० 1-10-87 श्राशोक नगर, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रिष्ठिकारी सहयाक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 5~3-75 मोहर: प्रारूप आई०टी०एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-II मद्रास ।

मद्रास, तारीख 3-3-75

निर्देश सं० 3164/74-75—स्तः मुझे ए० रागवेन्द्र राव म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार ग्रौर जिसकी स० वडुघनातन टाकीस, ग्रनैकारन चत्रम गांव, कोलरून म स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सीरकालि में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जूलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री बी० डी० सुर्खेया चेट्टियार, (म्रन्तरक)

2. श्री एन० यी० सुबरमनियम पिलै। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

गोपालसमृत्यम, कोलरून, श्रनैकारनचन्नम गांव में श्रार० एस० सं० 70/1 में 42-8 सेन्ट का जभूमि (सिनेमा तियेटर के साथ)।

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज मद्रास।

सारीख: 3-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II मद्रास ।

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० 3169/74-75→—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1468, 1469 वार्ड सं० तीन मायूरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मायूरम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 24-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मृत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रानुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथित्:— 1. श्री रबीयतिन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० गुरुनातन चेट्टियार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मायूरम, वार्ड सं० 3,टी० एस० सं० 1468 श्रीर 1469 मे 70 सेन्ट का भूमि (सिनेमा तियेडर के साथ)

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II मद्रास।

तारीख: 3-3-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निक्षेण सं० 2247/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 529/3 ए है जो पेरुमचै गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घोबिचेट्टिपालयम में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ण के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) डाक्टर के० एस० शन्मुखम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० शन्मुखाम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतक्कारा कार्यवाहियाँ मुख्य करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पेरुमुचै गांव में 7 एकड़ की भूमि जिसकी एस० एफ० सं० 529/3 ए।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मब्रास

तारीखा : 6-3-1975

PART III--SEC. 1]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-IJ, मद्रोस

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं 2247/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव

अधि नियम 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, श्रीर जिसकी सं० पेरुमुघै गांव में एस० एफ० 529/3 ए० में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, घोबिचेट्टिपालयम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1)के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) डाक्टर के० एस० शन्मुखम
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० के० शन्मुखम
- (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुमुचै गांव में 6-20 एकर का भूमि जिसका एस० एफ० सं० 529/3ए०।

> ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक्ष ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० 1360/74-75—यत: मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 75, है जो लाल मोहमद स्ट्रीट, चेपाक, मद्रास-5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती नारायन दास ग्रौर श्री नारायन दास

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० हाजा मोहैदीन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिपिलिकेन, लाल मोहमद स्ट्रीट डोर सं० 75 में 1919 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका नया सर्वे सं० 2924/8 श्रीर 2924/19।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 6-3-1975

किया गया है:---

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II महास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० 1421/74-75-यतः मझे, ए० रागवेन्द्र राव ध्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुरुय 25,000/- ४० से अधिक **है** भौर जिसकी सं० 41, है जो कामराज भ्रवन्यु भ्रडयार, मद्रास-20 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सैदापेट, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 11-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित महीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, यक धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 19—26GI-75

- (।) श्रीमती हेमा सी० कुमार मद्रास-18।
- (भ्रन्तरक)
- (2) डाक्टर के० कृष्णामूर्ती मद्रास-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, श्रडयार, कामराज ग्रवन्यु डोर सं० -41 में 1 1/2 ग्राउन्ड का भूमि (मकान के साथ) ।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-3-1975

(ग्रन्तरक)

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1975

निर्देश सं० ग्र० ई० 5/130/15/74-75—यतः मुझे, जै० एम० मेहरा, श्रायकर ग्राधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी पुराना सं० नं० 73, नया सं० नं० 210, हि० नं० 1 है, जो भांडुप में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्न्रह
प्रतिणत ऋधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, याधनकर श्रधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मैसर्स स्टीलस् एंड मैटल्स प्रा० लि०
- 2. मैसर्स विशाल कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, का जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुमूची

कुषि भूमि का बह तमाम टुकड़ा जो भांडुप, बृहस्तर बम्बई, पाट टाकड़ी बान्द्रा तालुका बान्द्रा, तालुका साउथ सालसेट, जिला बम्बई उपनगर, जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० 73 ग्रौर नया सर्वेक्षण नं० 210, हिस्सा नं० 1 जो माप में 8314 वर्गगज समकक्ष 6950.61 वर्गमीटर है ग्रौर इस प्रकार घरा हुन्ना है— उत्तर; सर्वेक्षण नं० 212 की जमीन, दक्षिण: नाला ग्रौर सरकारी पश्चिम जमीन, पूर्व: कार-ट्रेक्ट ग्रौर सर्वेक्षण नं० 211 की जमीन, पश्चिम: नाला ग्रौर गोवन।

जें० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 5, बम्बई ।

तारीख: 3 मा**र्च,** 1975

मोहह:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० ग्रई-1/880-10/जुलै/74-श्रतः मुझे, श्रार० जी० नरुरकर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-घ के ग्रधीन सक्षम की धारा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8, सी० एस० नं० 8/-738 मलबार भंबाला हिल डिक्ही० है, जो भूलाभाई देसाई रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रन्सुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23-7-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमाम प्रतिफल भन्तरित की गई है भौर मुझे यह वि**ख्वास करने** का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों)के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए भीर/था;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 उक्त धिधिनियम, (1922 का 11) या श्रधिनियम, धनकर 1957 (1957 प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः घव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत :---

- 1. श्री नवौरोजी जहांगीर धमिष्या ।
- (भ्रन्तरक)
- 2. कैंडबरी फाय (इंडिया) प्राईवेटलि॰ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेन्शन भ्रौर टैक्स टेन्योर (पट्टा) जमीन के वे तमाम टुकड़े जिसका प्लाट नं० 8 गमांडिया इस्टेट भाप में 2439.81 वर्गमीटर या श्रासपास समकक्ष 2918 वर्गगज या श्रासपास जो भूलाभाई देसाई रोड (पहले का वार्डन रोड) टापू भौर नगर बम्बई में श्रीर रिजस्टेशन जिला श्रीर उपजिला बम्बई नगर भीर बम्बई उपनगर में स्थित है जो कि एक बड़े जमीन के टुकड़े का भाग है लैंड रेवेन्यू के कलेक्टर द्वारा नए नं० 3158, 86, 247, 930, 2426, 1652, 1653, 2967, 1864, 2115; 2157 श्रीर 2273 (श्रंश), प्लॉट का नया सर्वेक्षण नं० 7076 (ग्रंग) ग्रीर सी० एस० नं० 738 (ग्रंग) मलबार ग्रीर कम्बाला हिल्स डिवीजन जिसपर साथ में वहां पर खड़ी इमारत तथा इमले जो जगदें म्युनिसिपल भावों एवं करों के श्रसेसर धौर कलेक्टर म्युनिसिपल कारपोरेशन, बृहत्तर बम्बई द्वारा डी० वार्ड नं० 3538 (2) (5) स्ट्रीट नं 2ए०, बी०, जी० देशमख मार्ग (भ्रंश) के ग्रन्तर्गत निर्धारित है श्रीर इस प्रकार घिरा हुश्रा है श्रर्थात उत्तर की भ्रोर से उक्त गमाडिया इस्टेट के प्लाट नं 9 जिसका कैंड्रेस्ट्रेल सर्वेक्षण नं० 7/738, मलबार श्रीर कम्बाला हिल डिव्ही द्वारा, पूर्व की भ्रोर से उक्त गमाडिया इस्टेट के एक श्रंश (भाग) बनाने वाले 40 फीट चौड़े मार्ग द्वारा, दक्षिण की श्रोर से उक्त गमाडिया इस्टेट के प्लाट नं० 7 द्वारा श्रीर पश्चिम की श्रोर से भूलाभाई देसाई रोडद्वारा।

> श्रार० जी० नरूरकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 4 मार्च, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के स्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी, 1974

निदेश सं० ए० सी० 123/रे V/74-75/कलकत्ता—ग्रतः मुक्को, एन० बालासुक्रमिनयम,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर प्रौर जिसकी सं० प्लाट 2 आट तल्ला पर है तथा जो 110 डा० मेघनाथ साहासरनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-7-1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुख्य से फम **युश्यमा**न प्रतिफल के के लिए म्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिकन रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सामित्री तेबी सन्यालिया, 110, डा० मैघनाथ साहासरनी, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

 बादामी देवी सन्थालिया, 8 बि०, लिटल रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रधं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट 2 म्राट तस्का पर साथ नकर घर भौर गाड़ी का स्थान जो 110, डा० मेमनाथ साहा सरनी, कलकत्ता पर भ्रव स्थित 'साउदार्म कोर्ट' मकान का अन्तर्गत है भौर जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलले सं० I 8000/1974 का भनुसार है।

एल० के० बालासुक्रामनियम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 5, 54, रफी अहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

तारीख: 27-2-75

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

कलकत्ता-15, दिनांक 27 फरवरी, 1975

निर्देश सं० एसी 122/रे 5/74-75/कलकत्ता---श्रतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2.5,000√- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट 1 दो तल्का पर है तथा जो 110 डा॰ मेघनाथ साहासरनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यांलय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक

लिखित उद्देश्य

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती सामिति दें बि सन्थालिया 110, डा० मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती भिजय देबि बरभेचा। (श्रन्तरिती)
- श्री श्रशोक बेद।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 दो तल्ल पर साथ नकर घर श्रीर गाड़ी का स्थान जो 110, डा० मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता पर श्रव स्थित 'साउदार्न कोर्ट' मकान का श्रन्तर्गत है श्रीर जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 14337/1974 के श्रनुसार है।

एल के० बालसुब्रमितयन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 5, 54, रफी अहमद किंदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 27-2-75

प्ररूप ग्राई॰ डी॰ एन॰ एस॰-

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 60/61 एरंडवणा, कर्वे रोड, पूना-411004।

पूना, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० /5/जुलै '74/सोढापुर/180/74-75 ---यतः, मुझे, एच० एस० **भी**लख भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) **की धारा , 269**घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है प्रौर जिसकी संख्या गट क० 47 भ्रीर 48 सं० कं० 19-1, 19/2 व है तथा जो करंबा जिला सोलापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य कुम् के के प्रसिफल दुश्यमान स्रिए गर्घ है की और यष्ट् विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दुश्यमान प्रतिफल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

(क) प्रन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से

कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए। अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः—

- श्री किसन बाबुराव पाटिल
- 2. केदारजी किसन पाटिल
- 3. भगवान किसनराव पाटिल
- 4. तात्यासाहेब किसन पाटिल
- 5. श्रीमती कोंडाबाई किसन पाटिल
- 6. श्रीमती प्रयागबाई भगवान पाटिल
- श्री छगन केदारजी पाटिल
- श्रीमती श्रोमा तात्यासाहेब पाटिल सबका पता : करंबा, जिला सोलापुर । (श्रन्तरक)

श्री इस्माईल हुसेनसाहेब निचलकर
 353 बेगम पेठ, सोलापुर (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल खेती की जमीन मौजे करंबे, जिला सोलापुर गट क० सर्वे०क० क्षेत्र

> 47 19/1 5-31 48 19/2बी 5-37

> > एच० एस० श्रौलख सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 4-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धा**रा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, धारवाड़

हुबली, दिनांक 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० 71/74-75/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे, ग्रार० पार्थ-सारथी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी ए० श्रार० नं० 3251 श्रीर खाना नं० 129/2 है, जो सुभास चौक, हासन शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हासन में डाक्युमेंट नं० 3050 के श्रन्तर्गत 29-7-74 के दिन ी

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधि-नियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) (i) श्री एच० श्रार० शंकरनारायण, सन् श्राफ स्वर्गीय एच० वी० रंगस्वामी, सुभासचौक, हासन ।
- (2) (ii) कुमार एच० एस० श्रीकान्त, ग्रल्पवयी संरक्षणदार श्रीर पिता श्री एच० श्रार० शंकरनारायण, सुभास चौक, हासन।

 श्री भ्रार० भ्रली, सन् आफ अब्दुल रझाक, होटेल मालिक, गरीफ कालोनी, होलेनरसीपुर रोड, हासन।

(भ्रन्तरिती)

अी एम० व्यासराय बल्लाक, प्रोप्नाइटर: कृष्ण भवन, सुभास चौक, हासनशहर। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है, भौर वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित ब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट, खुल्ला जागा, भौट होस भौर भ्रन्य सुविधाभ्रों से सुसज्जित दो मंभिलों का मकान जिसका ए० भ्रार० नं० 3251 भौर खाता नं० 129/2 है भौर जो हासन गहर के, सुभास चौक में, मुनिसिपल रोड पर है भौर जिसकी सीमाएं:——

पूरव में : म्युनिसपल माफीस;

पश्चिम में: एक बीबार, जो मुरूघन बुड वर्क्स नामक प्रन्त-रक का हक वर्कशाप ग्रौर श्री एम० ब्यासराय बल्लाट को गोडौन के लिए किराये पर दिया हुग्रा एक घर के बीच में है ग्रौर प्रभाकर सैकल मार्ट नामक एक दुकान का ग्रौड फ्लोर, जो श्रीमती लक्ष्मी देवस्मा के हिस्से में ग्रायी है।

दक्षिण में : सुभास चौक श्रौर उत्तर में : किट्टनकेरे वटाइ।

> ग्रार० पार्थसारथी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हुंबली।

तारीख: 28 फरवरी, 1975

मोहरः

(म्रन्तरक)

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-5, बम्बई। बम्बई दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० श्रार० 5/135/20/74-75—श्रत: मुझे जे०एम० मेहरा, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के भ्रिक्षीन सक्षम पदाधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से भ्रिक्षक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 23/9है, जो मुलुण्ड (पश्चिम) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय

बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 25-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) फ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिषातृ:—

- 1. कुमारी दक्षा घरमनी हिरजी और ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री माधवजी हिरजी और ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

 किराएदारो की सूची संलग्न (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती दमयन्ती धरवशी

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पैतृक-कालीन जमीन का वह तमाम टुकड़ा श्रीर जगहें साथ में वहां पर निर्मित निवासवाटिका, मकात या निवासस्थान जो रामरतन तिबंदी रोड, मुलुण्ड (प०) बम्बई, रिजस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा, भी रिजस्ट्रेशन उपजिला श्रीर जिला बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर में स्थित है माप में 1000 वर्गगज समकक्ष 673.2 वर्गमीटर या श्रासपास जिसका सी० टी० एस० नं० 1158 श्रीर क्लाट नं० 23ए० है भीर इस प्रकार घिरा हुआ है श्रयांत पूर्व की श्रोर से बैलजी जेटाभाई तथा श्रन्थ की जायदाद द्वारा पश्चिम की श्रोर से कानजी जायवाद द्वारा श्रीर दक्षिण की श्रोर से रामरतन विवेदी रोड द्वारा।

जायदाद पर भ्रधिकार रखने वाले व्यक्ति

- 1. बाबुलाल रायशी।
- 2. दामजी बेलजी।
- 3. के० सरसामा।
- 4. केशबजी राघवजी।
- 5. शान्तीलाल प्रेमजी।
- 6. मुलुण्ड केरल समाजम्।
- 7. गंगाबाई धरमसी।
- कुलभूषण साबले।
- 9. जमनादास लालजी।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख: 4-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज <mark>हैदराबा</mark>द

हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

सं० म्रार० ए० सी० 129/74-75---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख़ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-9-250 से 257 है, जो श्राविन्द रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यासय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोक्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 27) का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट द्वारा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में मुत्रिक्षा के लिए सुकर बनाना;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्: — 20—26 GI/75

- (1) मैंसर्स हिन्दुस्तान हार्यासग कम्पनी लिमिटेड 51, महात्मा गान्धी रोड, बम्बई, जनरल पावर भ्राफ भ्राटर-नी एजेन्ट द्वारा श्री बिरदीचन्द चौधरी हैदराबाद के निवासी (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डरस भामीबार श्री बनारसीलाल गुप्ता द्वारा पुत्र मुरारीलाल गुप्ता बन्नीर बाग, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त गध्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, श्रद्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--नं० 5-9-250 से 257, दुः मंजला ईमारत क्षेत्रफल 2600वर्गगज, एविडरोड, हैदराबाद।

> के० एस० वैन्कटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर **प्रायुक्**त (निरीक्षण), ग्र**र्जन** रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-3-75

भोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज हैदराबाद ।

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्वेश सं० भार० ए० सी० 122/74-75; --यत: के० एस० वेंकटरामन अधिनियम. आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 पहला मंजला, चिरामली गल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (घीर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्द्रीकरण ब्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-1974 सम्पत्ति उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कैं लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स एंड रियल इस्टेंट एजेन्टस, मार्फत तोताराम सागर-लाल एंड सन्स, एविड रोड, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- डा० मिसेस ए० लक्ष्मी पत्नी डा० ए० सिवाजी राव, 1-10-123/1, श्रशोक नगर, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, केअध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--प्लाट नं० 1, पहला मंजला, नं० 5-8-512 से 517ए०, चिरागली लेन, हैदराबाद।

> के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख: 6-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निवश सं श्रार ० ए० सी ० 127/74-75—यत: मुझे के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से श्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जाम बाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 31-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः जब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातः—

- श्री मनोहरराव गंगा खडेकर
 पुत्र नारायन राव गंग खडेकर,
 5-1-483 जामबाग, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हिन्द किशोर पुत्न बलराम सिग पर धूलपेट, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम, के अध्याय 20-क में यथापरि भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—-नं० 5-1-482 से 484, का भाग, जामबाग, हैदराबाद ।

> के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख: 6-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० 121/74-75— यतः मुझी के०एस० वेंकटरामन

म्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, पहला मंजला, है, जो चिरामली लेन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

द्यतः श्रव उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के द्यनुसरण में म, उम्रत श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत :--

मैसर्स एसोसियेटेड बिरुडर्स झौर रियेल
एस्टेट एजेन्टस, मार्फत श्री तोताराम
सागरलाल एंड सन्स एबिड रोड,
हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

डा० श्रीमती ए० लक्ष्मी
पत्नी डा० ए०
सिवाजी राव, 1-10-123/1,
अशोक नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :---नं० 2 पहला मजला, पूरी जमीन नं० 5-8-512 से 517-ए, क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज, चिरागली गल्ली, हैदराबाद

के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख: 6-3-75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० --

द्यायकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०118/74-75---यत: मझे के० एस० वेंकटरामन, म्रधिनियम, श्रायकर 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् उक्त (जिसे अधिनियम गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका - बाजार मृल्य 25,000/- रुप**ए से अधिक है** ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 बशीरबाग है, जो हैदराबाद मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति 30-7-1974 को मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति था उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल भा पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- श्री टोकरशीलाल जी कापाडिया कपामिली ट्रस्ट ट्रस्टी श्री टोकरशी लाल जी कापाडिया द्वारा 6-3-660 मोमाजीगूडा, हैदराबाद।

श्रीमती उशाबेन कन्नुभाई पटेल,
 14-2-332/8 ग्यान बाग कालोनी,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 14, वशरबाग प्यालेश क्षेत्र में है बशीरबाग, हैदराबाद क्षेत्र 816.57 वर्गगज

पूरब: प्लाट नं० 13 का पड़ोसन के मकान

पश्चिम: गल्ली

उत्तर: ईंट की दीवार भ्रीर खुली जगह। दक्षिण: प्लाट नं० 15 के पड़ीस के मकान।

> कें० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 5-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुग्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 128/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 4-1-663 तुरूप बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उक्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री मीर रहमत प्रली पुत्र नवाब मीर नुसरत ग्रली साब ग्रौर प्रन्य व्यक्ति कोमटीवाडी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 डाक्टर जी० विठलराव, पुत्र वीरका तूष्प काजार हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतबृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति:---4-1-663, तुरूप बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

सारीख: 6-3-75

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 117/74-75—यत: मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,090/ रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 5-5-201/1 रानी गंज है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर टेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपचार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— . 1. श्री समुद्राला गनेश सुपुत्र एस० राजय्या नं० 7957, रानीगंज, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती उशाकिरन ढंडा पत्नी श्रार० सी० श्रार० सी० ढंडा 136/17, पेंडर घांस्ट रोड, सिकन्दराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिः — नं० 5-5-201/1 पूरी मकान, रानीगंज सिकन्द्राबाव जिसका चौहट्टी ।

पूर्व: इमारतनं० 7828

पश्चिम: नगरपालिका की खुली जमीन।

उत्तर: खुली जमीन।

दक्षिण: बी० शंकरय्या श्रीर एस० गनेश के ग्राम दीवार

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

सारीख: 5-3-75

प्ररूप श्राई०टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालधंर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 719-74--यतः मुझे रविन्दर कुमार अधिनियम, 1961 (1961 (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) 269स्त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 629 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो डेहरी बाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दुश्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी के बीच ऐसे अन्तरण तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित अयिक्तयों, अर्थातः---

- 1. (1) श्री नरिन्दर सिंह पुत्र बूटा सिंह व
 - (2) श्रीमती जगदीण कौर पत्नी बूटा सिंह वासी डेहरी बाला।

2. (1) श्रीमनजीत सिंह पुत्र किश्नसिंह

(2) श्री संतोख सिंह पुत्र जगजीत सिंह

(3) श्री गुरपाल सिंह पुत्र गुरचरन सिंह बासी झजीपिन्ड

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में दिया है।

(वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्ग्रारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

गांव डेहरीबाला में 31 कनाल 1 मरला भूमि जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई, 1975 के बसी का नं० 629 में दर्ज है।

> रविन्दर कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जालन्धर

ता**रीखः** 17-3-75

मोहर:

(ग्रन्तरक) मं

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 126/74-75---यतः मुझे वेंकटरामन आयकर अधिनियम, इसमें (जिसे 1961 (1961 কা 43) इसके परचात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रु० से अधिक भीर जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जामबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) 31-7-1974 को प**र्वोभ**त उचित याजार मुख्य से कर्म के बश्य मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कापन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिये;

अतः, अब, उन्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—- 21—26GI/75

- 1. श्री श्याम सुन्दर राव घौर लक्ष्मन राव (श्रन्तरक) गंगा खेड़कर ग्रौर ग्रन्थ तीन व्यक्ति 1-8-519/11 चिकड़ पत्ली, हैदराबाद।
- 2. श्री बंशी प्रसाद श्रीवास्तव पुत्न किशन (अन्तरिती) प्रसाद श्रीवास्तव, लोवर घूलपेट, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध भें कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--- 5-1-482 से 484, जामबाग, हैदराबाद ।

एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-3-75

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० 124/74-75——यतः मुझे के० एस० वेकटरामन

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० 4-1-665 तुरुप बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए ;

ग्रतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के भ्रधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !-

- श्री मीर रहमान ग्रली ग्रन्य व्यक्ति,
 22-2-133 कोमटी वाडी, हैवराबाद (ग्रन्तरक)
- डाक्टर जी० विठलराव
 5-1-556, तुरूप बाजार, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :--- 4-1-665, तुरूप बाजार, हैदराबाद

एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-3-75

मोहरः

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

1. श्रीमती सरला बाई जे० गाबड़े

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० प्र० ई० 5/134-19/74-75--- अत: मुझे जे० एम० मेहरा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) **की घारा 269-ख** के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 4, हिस्सा नं० 4 है, जो मोजे, मुलुण्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-7-74 सम्पक्ति के उचित बाजार पूर्वोक्त से कम के व् श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित और मुझे यह विश्वास करने गई है कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 2. रमणीय को० श्रापरैटिंव हा० सो० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी 1/2 भाग श्रिष्ठकार शिर्षक श्रौर रिच जो सर्वेक्षण नं०
4 हिस्सा नं० 4 जिसका श्रभी सर्वेक्षण नं० 725 की जमीन के टुकड़े जो क्षेत्र कीबन 18752 वर्गगज श्रयति 1565.77 वर्गमीटर या श्रासपास है मौजे, मुलुण्ड रिजट्रेस्शन उपजिला, बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में स्थित है श्रौर इस प्रकार घरा हुन्ना है: श्रयति उत्तर की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा, दक्षिण की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा, पर्वे की श्रोर से न्त्रन प्रभात को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की जायबाद द्वारा श्रौर पश्चिम की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा पूर्व की श्रोर से नूतन प्रभात को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की जायबाद द्वारा श्रौर पश्चिम की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 3 द्वारा श्रौर इसके संलग्न प्लान में लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा वर्शाया गया है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-5, बम्बई

तारीख: 4 मार्च 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बम्बई

धम्बई, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्वेश सं० प्र० ई० 5/133/18/74-75---- प्रतः मुझे जे ० एम ० मेहरा आयकर अधिनियम, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० नं० 4, हि० नं० 4 है, जो है (ग्रौर मुलुण्ड में स्थित इससे में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्टीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण म्र**धि**नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचिप्त बाजार मृल्य कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि का ययापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: जब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों ग्रियात् :--- 1. श्री धत्तात्रय गणेश गायङ

(श्रन्तरक)

2. रमणीय को० भ्राप० हाऊ० सो० लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी 1/2 भाग श्रिधकार गीर्षक ग्रीर रुचि जो सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 4 की जमीन के दुकड़ जो क्षेत्र करीबन 1875 र्रे वर्ग गज श्रथित 1578.11 वर्ग मीटर या श्रासपास है मौजे, मुलुण्ड रिजस्ट्रेशन उप-जिला, बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में स्थित है भौर इस प्रकार घरा हुग्रा है: धर्यात उत्तर की ग्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा, दक्षिण की ग्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 4 हिस्सा नं० 1 ग्रीर ग्रंशत: सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 1 ग्रीर ग्रंशत: सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 1 ग्रीर ग्रंशत: सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 1 ग्रीर ग्रंशत: कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की जायदाद द्वारा ग्रीर पश्चिम की ग्रोर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 3 द्वारा ग्रीर इसके संलग्न प्लान में लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख: 4 मार्च, 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 123/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी संख्या 22-7-268/भ्र, दिवान देवड़ी है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उखित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ज की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती स्तीफ न्निसा बेगम पत्नी स्व० सय्यद हसन पाशा, 6-2-6, लकड़ीका पुल, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 (1) श्री बहादुर मल पुत्र जदयालजी,
 21-6-740, चेलपूरा, हैदराबाद।
 (2) श्रीमती पुग्पाबाई पत्नी बाल-मुकुन्द 21-6-739, चेलापूरा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुक्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति: --- नं० 22-7-268 ए का पूरा सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 1740 वर्गगज है जो दीवान देवड़ी, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैवराबाद

तारीख: 6-3-75

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

निर्वेश सं० धार० ए० सी० 125/74-75—यत: मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर धिक्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जामबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए।

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री लक्ष्मनराव गंगा खेडकर पुत्र नारायनराव गंगा खेडकर, तुरूप बाजार, हैवराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृपासिंग पुत्न बलराम सिंग ग्रधर धूल पेट, हैवराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :--- 5-1-482 से 484 का भाग जामबाग, हैदराबाद

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-3-75

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 5 मार्च 1975

निर्देश सं आर ०ए० सी० 119/74-75-यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन भायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 2.69-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1-10-87 (बाग) है, जो भ्रशोकनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का ब्रधीन दिनांक 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री ग्रार० सीमसुन्दरराव पिता श्रार० साम्बय्या म० 1-10-87 ग्रशोकनगर, (श्रन्तरक) हैदराबाद।
- यानद सिनरा पिता बाबु सीन्ग नं०
 जी० 21-3-266 पन्जीबुराक पोलीसघर
 के सामने मूसाबीली, हैदराबाद।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाद्विया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति घरका बाग-उत्तर बागा नं० 1-10-87 श्राशोक नगर, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1975

प्रारूप आई० टी• एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० X/3/4/74-75—-यतः मुझ के०वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सर्वे सं० 1482/1, बोडी गांव है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोडी में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्ः— (1) श्री ए० एस० नटराजन बोडी पी० ग्रो०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० एस० मोहम्मद सलालुद्दीन ग्रीर भ्रादी कम्बम पी० ग्रो०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बोडी गांव में 11 एकर श्रौर 3 सेन्ट खेती का भूमि जिसका एस \circ सं \circ 1482/1

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-1, मब्रास ।

तारीख: 26-2-75

मोहरः

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 710-74---यतः मुझे राविन्दर कुमार, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रुपये से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2865, जून, 1974 को लिखा है तथा जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्त मधिक है भीर यह कि मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्मिसिखत व्यक्तियों, प्रचीत् :---22--26GI/75 श्री सुरेन्द्र कुमार बेरी पुत्र धर्मपाल, 185-ग्रजीतपुरा, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

शुक्ला रानी पत्नी राम पाल,
 बी-2, चानन नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 वह व्यक्ति जो सम्पक्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के जून, 1974 में दिया है।

> रिधन्दर कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

द्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० 711-74---यतः मुझे राविन्दर कुमार, **बायकर ब**िंघनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम कहा गया है,) की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिति बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट जिसका रूप विलेख नं० 2414, जून, 1974 को लिखा है तथा जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 मा 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए ।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री गिरधारी लाल चोपड़ा, पुत्र श्री टूली राम ई-के-90, शिवराज गढ़, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जगदीश कुमार पुत्र हरिचंद, चरनजीतपुरा, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई श्रीर व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रुयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्रीत सिंह नगर, जालन्धर में प्लाट जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के जून, 1974 के वसीका नं 0 2414 में दर्ज है।

> राविन्दर कुमार, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

प्रारूप माई० टी० एन० एस०———-मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोषीन-11

एरणाकुलम विनांक 3 मार्च 1975

निदेश सं० एल० सी० 29/74-75----यतः मुझे एम० एम० कुरुप, श्रायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

भौर जिसकी सं० स० 1763/1 है तथा जो ज्यूस स्ट्रीट, एरणा-कुलम, में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय एरणाकुलभ में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है ि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात प्रधिक से है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः जब उक्त श्रिविनयम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं उक्त ग्रीविनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेणीत्:——

- (1) श्री हमीद,श्री ए० के० मम्मू के पुत्र, म्रलुन्कापरंबिल, एरणाकुलम।
 - (2) श्री मुहम्मद मलि, श्री ए० के० सम्मू के पुत, मलुक्कापरंजिल, एरणाकुलम।
 - (3) भी मोहम्मद उस्मान, भीए० के० मम्मू, केपुन्न, अलुम्कापरंबिल, एरणाकुलम।

(मन्तरक)

 (1) श्रीमती टी० एम० कदीजा कुट्टी, श्री मुहम्मद के पुत्री, कोविलवट्टम एरणाकुलम ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जम के लिए कार्यवाहियां गुरु करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तःसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला के एरणाकुलम विस्लेख के ज्यूस स्ट्रीट में सर्वेक्षण सं० 1763/1 में मकान से युक्त 2 सेन्टस भिम ।

> एम० एम० कुरूप, सक्षम प्राविकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम

सारीख: 3-3-1975

प्रारूप पाई० टी० एन० एस०--

1. श्रीमती प्रक्षिभा लाहिड़ी

(भ्रन्तरक)

भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रिधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 1-3-1975

निदेश सं० ए० सि० 204/ग्रार-IV/कल०/74-75-ग्रतः मुझे एस० वदाचार्या,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-४०से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 716-बंगुर एमेन्यू है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रिजस्ट्रीर श्राफ एसियोरेन्सेस, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15 जुलाई, 1974 पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूरूप से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषिस नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी श्राय या धन श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था था किया जाना चाहिए थांद्व छिपाने के लिए सुविधा

श्रतः ग्रब धारा 269-ग श्रनुसरण में, में उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:— 2. श्रीमती स्मृतिकणादे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के प्रति झाक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रंशत दो मंजिला, श्रंशतः तीन मंजिला मकान साथ 5 कट्टा 2 छटांक 37 स्वयोयर, फिट जमीन प्लाट सं० 98, ब्लाक डि० बंगुर एमेन्यू, कलकत्ता ।

> एस० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , कलकत्ता

तारीख: 1-3-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकसा

कलकत्ता विनांक 18 मार्च 1975

सं०-205 आर-IV/कल/74-75/—-मृतः मुझे एस० भट्टाचार्या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 26/4 राजा ब्रजेन स्ट्रीट है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वित्त है,) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 25-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:---- 1. श्री मोभा चन्द अगरवाल

(अन्तरक)

- 2. (i) श्री सुशील कुमार बनिक
- (अन्तरिती)
- (ii) नित्यानंद बनिक
- (iii) प्रेम चन्द्र बनिक
- (iv) सुबोध चन्द्र वनिक

को यह सूचना आरी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यवापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

श्रंशत दो, तीन भीर चार मंजिला मकान, साथ 3 कट्टा 7 छटांक 28 स्क्वायर फिट जमीन 26/4 राजा अजेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता कारपोरेशन में ।

> एस० भट्टा चार्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-IV कलकत्ता

दिनांक 26 फरवरी, 1975

निर्देश सं० ए० सी०-203/ग्रार०-IV/कल०/74-75---यतः मुझे एस० भट्टाचार्या वायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की बारा 269- व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रिष्ठिक है भीर जिसकी सं० 80, जमुनालाल बजाजस्ट्री है, तथा जो कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एन्स्योरेंस कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के प्रधीन 31 जुलाई, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीफ़ुत विलेख के अनुसार धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का बन्तह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किंग्रिस नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए बनाना;

अतः अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थातः--- 1. श्री विश्व रंजन वैशाका ।

(भन्तरक)

 मोहम्मद युसुफ मोल्ला, मोम्मात जन्तत बेगम, मुखतार धाहमद, मोल्ला, इफतेयार मोहम्मद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को जो आयकर अफ़्रिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पुराना किरायादार मकान साथ 2 कट्ठा 33 स्कोयार फिट, जमीन जोकि 80 जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, के ग्रंग हैं।

> एस० भट्टाचार्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

सारीखः 26-2-75

भोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं XII /18/4/74-75—यत: मुझे, के० वी० राजन म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है) की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 178, मनि नगर, फोरन स्ट्रीट, पालमकोट्टा, रोड, जो में स्थित है (ग्रौर इससे ट्डक्रिंरन है, उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय टुट्कुरिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं िक्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (क) ऐसी भिसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री टी० ए० के० पी० संकर्तलग नाडार,
 टी० ए० के० पी० रामसामि, नाडार,
 टी० ए० के० पी० फ़ुषणसामि नाडार, श्रीर
 टी० ए० के० पी० मुरुगेसा नाडार, विरुद्दनगर ।
 (प्रन्तरक)
- श्री ए० एस० गुरुसामि नाडार,
 52, नार्थ काट्टन रोड, टूटुकुरिन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के भ्रजैंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही मर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टूटुकुरिन , पालमकोट्टा रोड, फोरन स्ट्रीट डोर सं० 178 में एक एकड़ का भूमि श्रौर 1673 स्कयर फीट का मकान ।

> के० थी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारी**ख** 17-3-75 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 17 मार्च 1975

निवेश सं० 712-74—यतः मुझे, रिवन्दर कुमार, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2367 जुलाई, 74 को लिखा है तथा सरहाल काजियां में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 74 के उचित बार्जार मृख्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति **युश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11)या उकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1975 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी हरबंस कौर पुत्री दलीप सिंह बासी सरहाल काजीग्रां,

(भ्रन्तरक)

 श्री हरबंस सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी सरहाल काजीम्रा ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पक्षों का, जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही गर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका पूर्ण रुप, रजिस्ट्रीकर्ता नवां शहर के जुलाई, 1974 के बसीकानं० 2367 में दिया है।

> रविन्दर कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 17-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 713-74--यतः मुझे, रविन्दर कुमार भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 843, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा गट्टीपवीर बक्ष में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908का 16)के प्रधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 23—26GI/75

 श्री हरीसिंह पुत्र सुन्दर सिंह बासी गट्टी पीर वक्स,

(ग्रन्तरक)

 श्री शंगारा सिह बगैरा, पुत्र बन्ता सिंह बासी गट्टी पीर बक्स

(ग्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 पर दिया है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अस्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यच्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वी का, जो उक्त श्रांधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव गट्टीपीर बक्स में 33 कनाल 14 मरलें भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोटे के बासी का नं० 843, महीना जुलाई, 1974 में दर्ज है,।

> रबिन्दर कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 714-74--यतः मुझे, रिवन्दर कुमार ग्रायकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2013, जुलाई, 1974 को लिखा है, तथा बच्छोबाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री किशोरी लाल पुत्र मुलख राज श्रग्रवाल, बासी फिल्लौर।

(म्रन्तरक)

 गुरदेव सिंह पुत्र ऊधम सिंह, बासी तेहन्ता ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई ग्रौर व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

गांव बच्छोबाल में 59 कनाल 18 मरले भूमि, जिसका पूर्ण रूप, रजिस्ट्रीकर्ता फिल्लौर के जुलाई 1974 के बसीका नं० 2013 में दिया है।

> रविन्दर कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

प्ररूप ग्राईक टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 715-74--यतः मुझे, रविन्दर कुमार मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया है) 269**-T** के प्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4831, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (भीर इससे उपाबक श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल लिए की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए।

मत: ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, प्रधीत्:-- श्री बखतावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह वासी वडाला माधोबाला ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (i) नरेन्दर सिंह पुत्र जगत सिंह वासी सिंधवां।
 - (ii) भवतार सिंह पुत्र करनेल सिंह वासी बाथ ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
 कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 कित कि भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति , श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

बस्ती ग्रोख में 70 कनाल भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के वसीका नं० 4831, जुलाई, 1974 में दिया है।

> रविन्दर कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 17-3-75

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च 1975

निर्वेश सं० 716-74---यतः मुझे, रविन्दर कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4831 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)र जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1974 को के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिमियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रातः जब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:—

 श्री हरी सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी गट्टीपीर बक्स ।

(भ्रन्तरक)

 प्यारा सिंह वगैरा पुत्र बन्ता सिंह, वासी गट्टीपीर बक्स ।

(मन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में दिया है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गट्टीपीर बक्स में 25 कनाल 5 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोट के वसीका नं० 846 में दिया है ।

> रविन्दर कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 717-74--यतः मुझे, रविन्दर श्रायकर ग्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 627 जुलाई, 74 को लिखा है तथा डेहरी वाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 1908 (1908 का 16) के म्राधीन दिनांक जुलाई, 74 सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 नरेन्बर सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी डेहरी वाला ;।

(ग्रन्तरक)

- 2. (क) मुझेन्दर सिंह पुत्र किशन सिंह
 - (ख) सतपाल सिंह पुन्न जगजीत सिंह
 - (ग) गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरचरन सिंह वासी झजी पिंड ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 4° कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनाल 17 मरले, भिम जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के वसीका नं० 627 में दिया है।

रविन्दर कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, तारीख 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 718-74---यतः मुझे रविन्दर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विपवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 628, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा डेहरीवाला में स्थित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भ्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रधिनियम, धनकर 1957 (1957 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रन् सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:--

1. श्री मुखबिन्द्र सिंह पुत्र बटा सिंह वासी डेहरीवाला, ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (i) सत पाल सिंह पुत्र जगजीत सिंह
 - (ii) मुहेन्दर सिंह, गुरप्रीत सिंह, पुत्न गुरचरन सिंह वासी झजी पिंड।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई श्रीर व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में भिए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव डेहरीवाला में 42 कनाल 17 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई, 1974 के वसीका नं० 628 में दिया है।

> रविन्दर कुमार, प्राधिकारी सक्षम (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त धर्जन रेंज, जालन्बर।

तारीख: 17-3-75

मोहर:

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रथन्ध संस्थान विज्ञाप्ति

श्रेणी 3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा अक्तुबर, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रप्रैल 1975

सं० 13/2/75-प्रबन्ध—भारत के राजपत्नं दिनांक 19 श्रप्रैल, 1975 में मंत्रिमंडल सिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार, केन्द्रीय सिवालय श्रागुलिपिक सेवा की श्रेणी 3, सगस्त्र सेना मुख्यालय श्रागुलिपिक सेवा की श्रेणी 3, तथा भारतीय विदेश सेवा (ख) के श्रागुलिपिकों के उप-संवर्ग के श्रेणी 3 में श्रस्थाई रिक्तियों में भर्ती के लिए सिव-वालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1975 को प्रारम्भ होने वाली अम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासो में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

परीक्षा के केन्द्रों तथा प्रारम्भ होने की तारीख में संस्थान के विवेकाधिकार से तब्बीली की जा सकती है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत किए गए उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय श्रौर किस तारीख को उपस्थित होना है।

- (क) इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न सेवाओं में जिन रिक्तियों में भर्ती की जानी है, उनकी लगभग संख्या नीचे दी गई है:—
 - (1) केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक सेवा, श्रेणी 3----*
 - (2) सशस्त्र सेना मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा, श्रेणी 3--*
 - (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) के भ्राशुलिपिकों का उप-संवर्ग, श्रेणी 3----*
 - *नोट:--भाव में निष्चित की जाएगी
- (ख) भनुसूचित जातियां श्रीर श्रनुसूचित श्रादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के श्रनुसार खाली स्थान श्रारक्षित किए जाएंगे।
- 3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित **भ्रावेदन-प्रपत्न पर उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध)**, सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैंग नं० 2, राम-कृष्णपूरम, नई दिल्ली-110022 को ग्रावेदन करना चाहिए । निर्धारित भावेषन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचि-बालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 2 जून, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। ग्रावेदन प्रपन्न एक ६० के मूल्य के पोस्टल म्राईंर जो रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों स्त्रीर ''केवल प्राप्त कर्ता लेखा'' शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेजकर भी 2 जून, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। म्रावेदनपत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्नों पर परीक्षा का नाम श्रेणी-3 आश्लिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा अक्तुबर, 1975 स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपना नाम तथा पते की तीन पींचयां भेजनी चाहिएं। एक रुपए का पोस्टल ग्रार्डर ग्रीर उपर्यक्त तीन पर्चियों की प्राप्ति पर भावेदन प्रपन्न तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-

पत्न के श्रधीन (Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिए जाएंगे। यदि कोई उम्मीदवार श्रावेदन प्रपत्न तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो, तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपए की श्रातिरिक्त राशि श्रर्थात् दो रुपए के पोस्टल आर्डर श्रीर नाम तथा पते की तीन पर्चियां भेजनी चाहिएं। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करैंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक रुपए श्रथवा दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत मे वापिस नहीं की जाएगी।

विदेशों में रह रहे आवेदकों को आवेदन-पन्न की कीमत के भारतीय पोस्टल आईर भेजने चाहिए या यथास्थित, भारत के उच्चायुक्त/प्राजदूत/प्रतिनिधि को यह कह कर उन के कार्यालय में 1.00 रुपए या 2 रुपए के बराबर की राशि जमा करवा देनी चाहिए, कि यह राशि लेखा शीर्ष "065-अन्य प्रशासनिक सेवाएं, सी—अन्य सेवाएं— सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान-अन्य प्राप्तियां— आवेदन पत्नों की विकी" के खाते में डाल दें (जो महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय), उस कार्यालय से टी० आर०-5 प्रपन्न में रसीद प्राप्त करें और वह रसीद संस्थान को भेज देवें। पोस्टल आईर/रसीद के साथ तीन पिचयां भी भेजनी चाहिएं जिनमें साफ और बड़े अक्षरों में उम्मीदवार का नाम व पता लिखा हो।

- नोट-1: अम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें श्रेणी-3 श्राशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, श्रक्तूबर, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपन्न पर ही श्रपने श्रावेदन प्रस्तुत करने चाहिए। श्रेणी-3 श्राशु-लिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, श्रक्तूवर, 1975 के लिए निर्धारित प्रपन्न के श्रतिरिक्त किसी अन्य प्रपन्न पर दिए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- नोट-2: --- श्रावेदन पन्न तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 2 जून, 1975 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विदेशों में रहने वाले श्रथवा श्रण्डमान श्रीर निकोबार द्वीपसमूह श्रथवा लक्षद्वीप के व्यक्तिश्रों के लिए श्रावेदन पन्न पथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 16 जून, 1975 तक भी स्वीकार कर ली जाएंगी।
- 4. भरा हुन्रा श्रावेदन-पत्न उप-निदेशक (परीक्षा स्कंघ), सिनवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, स्कंध-6, पोस्ट बँग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पास 2 जून, 1975, को या उसके पूर्व अनुबन्ध में दी गई प्रनुदेशों के प्रनुसार श्रावश्यक दस्तावेओं के साथ श्रवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों भ्रथवा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह श्रथवा लक्षद्वीप में 2 जून, 1975 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्न 16 जून, 1975 तक भी ले लिए जाएंगे।

नोट-1:---श्रावेदन प्रपत्न की मांग में देरी श्रथवा श्रावेदन पत्न देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवारी की श्रपनी ही होगी।

- नोट-2:—जो उम्मीदवार भ्रपने श्रावेदन-पन्न संस्थान के काऊंटर पर दें, उन्हें उस लिपिक से जो उनसे श्रावेदन पन्न लें, पावती पन्न प्राप्त कर लेना चाहिए।
 - 5. (i) निर्धारित शुल्क : परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित धावेदन-पत्न के साथ संस्थान को निम्नलिखित फीस प्रवश्य देनी होगी :— 8.00 रुपए (2.00 रुपए अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)
 - (ii) पैरा 5(i) में बताए गए शुल्क का भुगतान रेखित भारतीय पोस्टल श्रार्डरों द्वारा होना चाहिए, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों। पोस्टल श्रार्डर नीचे दिए गए नमूने के श्रनुसार भरे जाने चाहिएं:—

केवल प्राप्तकर्ता लेखा

भारतीय पोस्टल म्रार्डर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली को रामकृष्ण-पुरम (विसरण) डाकघर नई दिल्ली पर दिया जाए।

संस्थान ग्रन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

- (iii) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) भारत में प्रविष्ट हुम्रा है प्रथया वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है म्रीर उसने 1 जून 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है म्रथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है तथा वह 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात्, भारत में भ्राया है ग्रीर वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थित में नहीं है, तो वह ग्रपने विवेक से, उसे निर्धारित शुल्क की छूट दे सकता है।
- (IV) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण सथा प्रबन्ध संस्थान, रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली को देय कियों बिना भेजना सुरक्षित नहीं है आवेदन पत्र के कालम 10 के सामने पोस्टल आर्डर के पूरे ब्योरे भर देने चाहियें।

जिस म्रावेदन पत्न के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित भारतीय पोस्टल म्रार्डर नहीं होगा उसे तुरन्त म्रस्वीकार कर दिया जायेंगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों भौर बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावित्त मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो ऋमशः 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) 1 जून 1963 को या उसके पश्चात तथा 1 नवम्बर, 1964 को म्रथवा इस के पश्चात भारत में भ्रायें हैं भौर शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण उपर के पैरा 5 (iii) के म्रनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से सम्बद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा ग्रौर न ही शुल्क को किसी भ्रन्य परीक्षा के लिए ग्रारक्षित रखा जा सकेगा।

यदि किसी उम्मीदबार को उसके भ्रावेदन-पन्न देर में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जा सकता है भ्रथवा परीक्षा स्थगित हो जाती है तो उसके द्वारा दिया गया पूरा शुल्क वापिस कर दिया जाएगा।

- 7. श्रावेदन-पत्न के विषय में सभी पत्न व्यवहार उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, विग नं० 6, पोस्ट बैंग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए।
 - (i) परीक्षा का नाम
 - (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
 - (iii) रोल नं० या जन्म-तिथि (यदि रोल नं० सूचित न किया गया हो)
 - (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा साफ ग्रक्षरों में)
 - (v) आर्येदन पन्न में दिया गया डाक का पता।

इन विवरणों से रहित पन्नों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा । इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पल्लाचार में श्रपने लिफाफों पर उम्मीदवार "श्रेणी-3 श्राशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, श्रक्तूबर, 1975" श्रवश्य लिख दें।

> मदन लाल, निदेशक (परीक्षा) सचित्रालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

अनुबंध उम्मीदवारों को अनुदेश

1. सूचना के पैरा 3 के अनुसार, इस परीक्षा से सम्बद्ध सूचना, नियमावली, आवेदन-पन्न सथा अन्य कागजात की प्रति उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पन्न भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाझ भी हैं या नहीं। निर्धारित शतौं में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को सूचना के पैरा
1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने
का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः
चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार
नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उसे अपनी इच्छानुसार कम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। प्रशिक्षण संस्थान अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में अथवा किसी अन्य मिशन में किसी भी स्थान पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है। जो उम्मीदवार भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं भौर नियमों के परिशिष्ट के पैरा 1 के अनुसार आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, जहां ऐसी परीक्षाएं लेने के लिए आवश्यक प्रवन्ध हों, आना पड़ सकता है।

2. उम्मीदबार को श्रावेदन-पत्न श्रीर श्रपने नाम तथा पते की 6 पिंचयों वाला कागज श्रपने हाथ से भरना चाहिए । सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्दु धादि के द्वारा नहीं । भरा हुशा श्रावेदन-पत्न उप-निदेशक (परीक्षा विभाग) सिचवालय प्रशिक्षण तथा प्रवन्ध संस्थान, पश्चिमी खंड 1, विंग नं० 6, पोस्ट वैंग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ताकि वह सूचना में निर्धारित शंतिम तारीख तक श्रवश्य पहुंच जाए।

सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्न स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समहों में या लक्षद्वीप में रहने वाजे उम्मीदवार से यदि संस्थान चाहे तो इस बात का लिखित प्रभाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह सूचना के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले ते विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में या लक्षद्वीप में, जैसी भी स्थित हो, रह रहा था।

उम्मीदबार को श्रपना श्रावेदन-पद्म संबद्ध विभाग या कार्यालय के श्रध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो श्रावेदनपत्न के श्रन्त में विए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को भेज देंगे। यदि कोई उम्मीदवार श्रपना श्रावेदन-पत्न श्रपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है श्रौर वह सचिवालय-प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भन्ने ही वह नियोक्ता को श्रांतम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

- 3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे घावेदन प्रपत्न भरते समय कोई भी झूठा व्यौरा न दें श्रौर न ही किसी तथ्य को खिपाएं।
- उम्मीदवार को ग्रपने श्रावेदन पत्न के साथ निम्नलिखिस कागजात श्रावि ग्रवश्य भेजने चाहिए:---
- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल भार्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान को रामकृष्ण-पुरम् (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।

(ii) (कं) अपनी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि;

- (ख) दिनांक 1-1-1975 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों की श्रवधि के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट-ग्राकार (लगभग 5 सेंo मीo × 7 सेंo मीo) के फोटो की दो समान प्रतियां।
- (iv) "उम्मीदवारों को अनुदेश" के पैरा 6 के अनुसार यदि लागू होता हो तो, फीस माफी और प्रथया आयु छूट के दावें के पक्ष में प्रमाण पन्न की प्रमाणित प्रतिलिपि।

ऊपर की मद (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात भ्रादि का व्यौरा निम्निलिखित हैं:— 24—26GI/75 (i) निर्धारित शृहमं के रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर :—
सभी पोस्टल धार्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के
हस्ताक्षर भौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मृहर रहनी
चाहिए। सभी पोस्टल धार्डर "केवल प्राप्त कर्ता लेखा" मब्दों द्वारा
काटे गए हों धौर इस प्रमार भरे जाएं :— "सचिवालय प्रशिक्षण
सचा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई
विल्ली पर देय हो"।

किसी अन्य डाक्यर पर वेय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे या ऐसे पोस्टल आर्डर जिसकी चालू रहने की अविधि समाप्त हो चुकी हो, स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :---जो उम्मीववार ग्रावेदन-पन्न भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्म की राशि (६० 8.00 के बराबर धौर धनुसूचित जातियों तथा धनुसूचित भादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ६० 2.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्चा-युक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएं ग्रौर उनसे महा जाए कि वह इस राशि को लेखा शीर्ष "065---ग्रन्य प्रशासनिक सेवाएं---सी०---भ्रन्य सेबाए-सचिवालय प्रशिक्षण तथा संस्थान--- प्रत्य प्राप्तियां---परीक्षा गुल्क'' (महा-लेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई विल्ली द्वारा समा-योजनीय) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर ग्रावेदन-पत्र के साथ भेजें।

- (ii) (क) प्राचेदन-पत्न देते समय जहां उम्मीवनार नियुक्त है उस कार्यालय प्रथवा विभाग द्वारा उसकी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की स्थित में पित का नाम) राष्ट्रिकता, प्रनुस्चित जाति/प्राविम जाति के उम्मीदवारों की प्रवस्था में उसकी जाति प्रथवा वर्ग का नाम, ईसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा ग्रंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीव-वार के हस्ताक्षर का नमूना विया गया हो।
- (ख) मावेदन-पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय मथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1975 को समान्त होने वाले पिछले 3 वर्षों के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी ग्रथवा ग्रस्थायी पद का रूप विया हुमा हो।

नोट:---श्रावश्यक प्रतीत होने पर प्रशिक्षण संस्थान सेवा पंजिका श्रथका श्रम्य लिखित प्रमाण मांग सकता है।

- (iii) फोटो की वो प्रतियां उम्मीदकार को प्रपने हाल ही के फोटो की पासपोर्ट प्राकार (लगभग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) की वो समान प्रतियां धावेषम-पन्न में विए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येश प्रति पर ऊपर की ग्रोर उम्मीववार के हस्ताक्षर हों। फोटो की प्रतियां संस्थान द्वारा वापिस नहीं भेजी आएंगी।
- (iv) शुल्क माफी भौर/श्रयमा कम से कम निर्धारित सेवा का अनुमान लगाने, भौर/भयवा आयु छूट के दावे के पक्ष में बांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि भावेदन-पद्म के साथ

ही प्रस्तुत करनी चाहिए, श्रन्यथा फीस माफी श्रथवा श्रायु छूट की श्रनुमित नहीं वी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ उपर के पैरा 4(i), 4 (ii) तथा 4(iii) में उल्लिखित कोई कागजात आदि न लगे होंगे और उन्हें न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं विया होगा तो आवेदन-पत्न अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन पत्न के साथ न भेजे गए हों, पर उनके न भेजने का स्पष्टी-करण दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्न भेजने के बाद गीझ ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्न भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संस्थान के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्न रद्ध किया जा सकता है। प्रमाण-पत्नों की सत्यापित प्रतिलिपियां संस्थान द्वारा वापस नहीं की जाएंगी।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्न श्रादि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमे किसी श्रान्य प्रकार का फेर-बदल करें, घौर न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्न श्रादि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी श्रशुद्धि हो श्रथवा ऐसे दो या श्रधिक प्रमाण-पत्नों श्रादि में कोई विसंगति हो तो उस विसंगति के बारे में श्रलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

- 6. (i) बंगला देश भूतपूर्व (पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 5 (ii) प्रथवा 5 (iii) के ग्रन्तर्गत श्रायु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित ग्रिधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्न लेकर उसकी प्रमाणिक प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है:-
 - (1) दण्डकारण्य प्रायोजना के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेट श्रथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;
 - (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मजिस्ट्रेट;
 - (3) श्रपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध श्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
 - (4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल ग्रफसर,
 - (5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-श्रायुक्त/कल-कत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 5 (iii) के भ्रन्सर्गत शुरूक माफी का इच्छुक है तो उसे एक मूल प्रमाणपत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी श्रथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यह कहा गया हो कि वह निर्धारित शुरूक देने की स्थिति में नही है।

(ii) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5 (iii) के श्रन्तर्गक फीस माफी श्रौर/श्रयका

नियमों के पैरा 5 (iv) या 5 (v) के अन्तर्गत आयु कूट का इच्छूण है वह श्रीलंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्न की एक सत्यापित प्रतिलिषि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और श्रक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका के समझौते के श्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् उसने भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्न जिलाधिकारी, सरकारी राजपित्रत श्रधिकारी श्रयवा संसव सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्न जम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

- (iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5 (iii) के ग्रन्तर्गत फीस-माफी **ग्रौर/ग्रथवा** नियमों के पैरा 5 (viii) या 5 (ix) के ग्रन्तर्गत घायु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिचय प्रमाण-पत्न की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है भौर उसने 1 जून 1963 की श्रथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है, श्रथवा जहां वह रहता उसके जिला मैं जिस्ट्रेट प्रमाण-पन्न की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है ग्रौर उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत मे प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्न जिलाधिकारी वा सरकारी राजपत्नित ग्रधिकारी ग्रथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है । यह प्रमाण-पत्न उम्मीवकार को बापस नहीं किया जाएगा ।
- (v) संघ राज्य क्षेत्र गोग्रा, दमन तथा दीव का उम्मीद-वार जो नियम 5 (vi) के ग्रधीन श्रायु सीमा में छूट का दोवा करे वह निम्न श्रधिकारियों में से किसी एक से मूल प्रभाणपत्न की एक सत्यापित प्रतिलिपि श्रपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे।
 - (1) सिविल प्रशासन के निदेधक
 - (2) कौनसिलहोस के प्रशासक
 - (3) मामलासदार
- (v) की निया, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानियां (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रत्यार्वित व्यक्ति जो नियम 5 (vii) के प्रधीन मायु में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रट से मूल प्रमाण-पत्न की एक सस्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यार्विति वास्तविक व्यक्ति है।

(vi) जो उम्मीदबार प्रतिरक्षा सेवाधों मे रहते हुए विकलांग (भ्रंगहीन) हो गया है भ्रौर नियम 5 (x) या 5 (xi) के प्रधीन धायु में छूट चाहे वह महानिदेशक पुनर्वास, प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण-पत्न की एक सत्यापित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फ़ार्म में प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में प्रथवा अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुमा जिसके परिणाम स्यरूप उसे विमुक्त कर दिया गया हो ।

उभ्मीववार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीविदेशी शत् यूनिट विदेशी शत् देश के साथ संवर्ष में/प्रशान्तिग्रस्त क्षेत्र में* सैनिक सेवा करते हुए फौजी कार्रवाई में विकलांग हुग्रा जिसके परिणामस्थरूप उसे विमुक्त किया गया।

हस्ताक्षर		-	•	•	•	•	-	•	٠		•	٠	•	•	٠	٠
नाम											•				•	
पदकाम	٠							•		٠	٠					
दिनांक															•	•

*जो लागून हो उसे काट दें।

(vii) त्रियम 5 (xii) प्रथवा 5 (xiii) के प्रन्तर्गत प्रायु सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्न की सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करें कि वह 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणाम-स्वरूप विमुक्त हुआ।

उम्मीवधार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूपिट के रैंक नं के सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए भौर इस विकलांगता के परिणामस्वरूप विमुक्त हुए ।

हस्ताक्षर	
नाम -	
पदनाम	
ता रीख	

- 7. ऊपर के पैरा 6 में मांगे गए प्रमाण-पत्नों की प्रतियां तिम्न-लिखित श्रिष्ठिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी चाहिएं। वे श्रिष्ठिकारी श्रपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें श्रीर श्रपनी सील/रबर की मुहर श्रपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें।
 - (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्नित स्रिधकारी
 - (अ) संसद या राज्य विधान मंडल या विल्ली महानगर परिषद् के सदस्य
 - (ग) सवडिवीजनल मजिस्ट्रेट/ग्रफसर

- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार
- (च) उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/कालेज-संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक
- (छ) खंड विकास प्रधिकारी
- (ज) नगर निगम के सदस्य
- 8. भ्रावेदन-पन्न देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि श्रावेदन-पन्न का फार्म ही ग्रमुक तारीख को मिला । वस्तुत: भ्रावेदन-पन्न की प्राप्ति से ही प्राप्त कर्ता परीक्षा में प्रवेश का पान्न नहीं बन जाता।
- 9. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने श्रपना भावेदन-पत्न डांक द्वारा भेजा हो, भावेदन-पत्न प्राप्ति की धन्तिम तारीख से 15 दिन तक भ्रपने श्रावेदन-पत्न का पावती पत्न न मिले तो उसे तत्काल प्रशिक्षण संस्थान से संपर्क करना चाहिए।
- 10. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेवन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी घ्र दे दी जाएगी । परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी । यदि किसी उम्मीदवार की परीक्षा आरंभ होने की तारीख अर्थात् 22 अक्तूबर, 1975 से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में सिचालय प्रशिक्षण तथा अबंध संस्थान से कोई पत्न प्राप्त नहीं होतां तो उसे परिणाम के लिए शी घ्र प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से संपर्क करना चाहिए । इस उपबंध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में क्यार किये जाने के दावे से वंचित रह जाएगा ।
- 11. उम्मीदबार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए मिनवालय प्रणिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से कोई भी यात्रा भक्ता पाने के मिन्नारी नहीं होंगे।
- ा 12. पसे मंपिलतंन-उम्मीववार को इस बात का ध्यान रखना जिल्ला कि खानेचन -कल में किए गए पते पर भेजे हुए पलादि आवण्य-कता पड़ने पर उसके बदले हुए पते पर मिल जावें। पते में कोई सबदीली होने पर उसकी जानकारी सूचना के पैरा 7 में विए गए विवरणों तथा मोटे श्रक्षरों में श्रपने रोल नम्बर/नाम तथा नये पते की 6 पिंचयों के साथ प्रशिक्षण संस्थान को यथाणीझ भेजनी चाहिए। यद्यपि श्रिक्षण संस्थान इन परिवर्तनो पर ध्यान देने का पूरा-पूरा यत्न करता है तो भी वह इस विवय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक केवा आयोग

नोंटिस

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 भ्रप्रैल 1975

सं० एफ० 14/1/74—ई० I (बी०)—भारत के राजपत, खंड ILI, भाम I दिनांक 6 जुलाई, 1974 में प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 14/1/74—ई० I (बी०) दिनांक 6 जुलाई, 1974 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं।

(i) नोटिस का पैरा I निम्नलिखित रूप से पढ़ा जाए:-भारत के राजपत्र दिनांक 19 श्रप्रैल, 1975 में प्रकाशित मधिसूचना द्वारा यथा संशोधित भारत के राजपन्न, दिनांक 6 जलाई, 1974 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनसार रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के प्रनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग क्वारा दिल्ली में 9 सितम्बर 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी ।

आयोग यवि चाहे तो, परीक्षा प्रारंभ होने की उपर्युक्त तिथि में परिवर्तत कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीबवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सुचित किया जाएगा । (बेखिये उपाबन्ध II का पैरा 9) ।

(ii) नौटिस का पैरा 2 निम्नलिखित रूप से पढ़ा जाए:--इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर ग्रनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेत चयन किये जाने वाले थ्यक्तियों की मनमानित संख्या 7 है । (इसमें मनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 मारक्षित रिक्तियां सम्मिलित है।

उपर्यक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

- (iii) नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित '2 सितम्बर, 1974' के स्थाम पर '2 जुन, 1975' पढ़ा जाए ।
- (iv) नोटिस के उपाबंध II के पैरा 3 में नीचे वी गई टिप्पणी की पन्द्रहवीं पंक्ति में उल्लिखित 'मई, 1975' के स्थान पर 'फरवरी 1976' पढ़ा जाए ।

एम० एस० थानवी प्रवर सचिव संघ लोक सेवा भ्रायोग

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE **FACTORIES**

Calcutta-700016, the 24th February 1975

No. 10/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the date as shown against each:

Name & Designation & Date

- Shri N. G. Ganguly, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) ——31st Oct., 1974 (AN).
- Shri S. L. Silas, Offg. Asatt. Manager (Subst. & Permt. Storeholder) ——31st Dec., 1974 (AN).
- 3. Shri S. K. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) 31st Dec., 1974 (AN).

M, P, R, PILLAI

Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIFF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th March 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/341/56-Admn (G)/1889.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramaniam, Controller (Class-I) in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in that office for a further period from 1-1-1975 to 31-1-1975 and from 2-2-1975 to 28-2-1975.

B. D. KUMAR

Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 5th March 1975

No. 6/878/69-Admn (G)/1762.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri L. Rajagopal, Section Head in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Madras as Controller of Imports and Exports Class-II (Non-CSS) in that office in an officiating capacity with effect from the forencen of 17th February, 1975, until further orders.

2. Shri L. Rajagopal will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35 880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIFF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

MADRAS-I.

Madras, the 3rd March 1975 ORDER

Sub.:—Cancellation of Customs and Exchange Control Copies of Licence No. P/S/1784538 dated 20-7-74, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 dated 20-7-74 & Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20-7-74 issued for Rs. 1,21,500/- Rs. 2,43,000/- & Rs. 1,21,500/respectively.

No. P.9/260/A.M.74/SSI.2.—M/s. Geo Industries & Insecticides (India) Private Ltd., No. 82/3-A, Sathangadu, Madras-19 were issued import licences No. P/S/1784538/R/ML/52/M/37-38. dated 20-7-74 for Rs. 1,21,500/-, No. P/S/1784537/C/XX/53/M/37-38 dated 20-7-74 for Rs. 2.43,000/- and No. P/S/1784539/T/OR/52/M/37-38, dt. 20-7-73 for Rs. 1,21,500/- for April/March 1974 Period for import of Sevin, Hebtachlor, Chlordane, Cyclohexane and Todiom. The firm have applied for issue of Duplicate Copies of both Customs and Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1784537, dated 20-7-74 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20-7-74 on the ground that the respective original licences have been lost/misplaced that the respective original licences have been lost/misplaced without having been registered with any customs authorities and utilised at all. In support of their contention they have filed affidavits separately,

I am satisfied that the Customs & Exchange Control copy of the original licence No. P/S/1784538, dated 20-7-74, Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784537, dated 20-7-74 and Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784539, dated 20-7-74 have been lost/misplaced and duplicate copies of the same may be issued to the firm,

The Original Customs and Exchange Control Copies of the Licence No. P/S/1784538, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539, dated 20-7-74 are hereby cancelled.

(Issued from File No. P.9/260/A.M.74/SSI.2),

M. F. R. BULI,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For It. Chief Controller of Imports & Exports.

Office of the Textile Commissioner

Bombay-20, the 1st March 1975

No. EST-12(630).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th December, 1974 and until further orders, Shri B. P. Anjanappa as Senior Lecturer in Textile Designs in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

The 6th March 1975

No. EST-I-2(590)—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th November 1974, and until further orders, Shri T. J. Rafai, Expert Designer in the Weavers' Service Centre, Vijayawada, as Assistant Director Grade I (Designs) in the same Centre.

MANI NARAYANSWAMI,

Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

No. A-1/1(1020)—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following persons as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st February, 1975 and until further orders:—

- (i) Shri V. K. Sankaralingam, Superintendent in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras as Asstt. Dir. (Gr. II) in the same office at Madras.
- (ii) Shri S. K. Bancrjee, Junior Progress in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay as Asstt. Director (Gr II) in the same office at Bombay.
- (iii) Shri P. K. Patankar, Junior Progress Officer in the office of the DS&D, Bombay as Assit. Director (Gr. II) in the same office at Bombay.
- 2. The appointments of S/Shri V. K. Sankaralingam, S. K. Banerice and P. K. Patankar as Asstt. Director (Gr. II) are purely temporary and subject to the result of Civil Writ

Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 1st March 1975

No. A-1/1(1003).—The President is pleased to appoint the undermentioned candidates nominated on the results of the Engineering Services Examination, 1973 on probation in Grade III of the Indian Supply Service (Class I) with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and until further orders:—

- 1. Shri Madan Mohan Ahuja.
- 2. Shrl Anil Kumar Jain,

The above candidates have assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the forenoon of 1st March, 1975.

The 4th March 1975

No. A-1/1(1000).—On his selection through the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. C. C. Unni, officiating as Deputy Director (Litigation) on ad-hoc basis in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director (Litigation) on regular temporary basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th November, 1974 and until further orders.

2. Shri Unni will be on probation for two years from 6-11-1974 to 5-11-1976.

K. L. KOHLI, Dv. Dir. (Admn.)

New Delhi-1, the 24th February 1975

No. A-1/1(1017).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Sujan Singh, permanent Stores Officer (Civilian) of Directorate General of Armed Forces Medical Services (Ministry of Defence) on deputation to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 10th February, 1975 and until further orders.

The 7th March 1975

No. A-17011/86/75-A.6,—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. C. Nigam, Examiner of Stores (Engg) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same Circle w.e.f. the forenoon of the 3-2-75, until further orders.

K. L. KOHLI, Dy. Dir. (Admn.) for Director General.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1612/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Kot Khalsa Amritsar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gian Chand s/o Thakar Dass 139 Defence Colony, Amritsar. (Transferor)

(2) M/s. H. K. Screw Factory, Putlighar, Amritsar Shri Joginder Singh s/o Bawa Singh, Gali No. Amar kot, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1433 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-2-1975. Soal;

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Amritsar, the 28th February 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Ref. No. ASR/AP-1613/74-75.—Whereas, 1 V. R. Sagar

Gazette.

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Kot Khalsa Amritsar

> EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1432 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

THE SCHEDULE

(1) Gian Chand s/o Shri Thakar Dass, 139 Defence Colony, Amritsar. (Transferor)

V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

(2) M/s. Ravi Finance Chit Fund & Co. Nawan Katra, Dal Mandi, Amritsar. M/s. Parvesh Steel Industries, Putlighar, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

Scal:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1614/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act). (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Ajit Singh Pehlwan s/o Shri Harnam Singh & Smt. Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh Dharamvir Singh s/o Chanda Singh r/o Varna Teh. Tarn Taran District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Khosla w/o Shri Ram Lubhaya Khosla, Income-tax Practitioner, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1378 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

FORM NO. ITNS-

(2) Shri Kamal Kishore s/o Shri Durga Dass, Katia Dulo, Amritsar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ASR/AP-1615/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at R. B. Parkash Chand Road, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Amritsar in July 1974
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the Parties has

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1472 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) M/s. Sajdeh and Co., 13 Cantt., Amritsar through Smt. Nargis Sajdeh. (Transferor)

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1616/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sajdeh & Co. 13 Cantt., Amritsar through Smt. Nargis Sajdeh.

 (Transferor)
- (2) Shri Dev Raj s/o Durga Dass, Katra Dulo, Amritsar. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1629 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Amritsar, the 28th February 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Ref. No. ASR/AP-1617/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

publication of this notice in the Official Gazette.

exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. B XIII-185-1 situated at Hide Market Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

tering Officer at Amritsar in July 1974

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1509 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

V. R. SAGAR

(1) Shri Mahant Bachan Dass Chela Mahant Basant Dass r/o Chitta Akhara, Br. Mai Sewan, Amritsar. (Transferor)

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

(2) Shri Balbir Singh s/o Makhan Singh Gali Shan Wali, Mohan Singh Gate, Amritsar. (Transferee)

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiltsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/BTL/AP-1618/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding ks. 25,000/- and bearing Land situated at G.T. Road Batala

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Batala in July 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D or the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Sunder Singh S/o Shri Khushal Singh r/o Baoli Inderjit, Batala.

(Transferor)

(2) M/s. Atlas Engg. Industries, G.T. through Shri Janki Nath Kawatra. Road, Batala

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2667 of July, 1974 of the Registering Authority, Batala.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/BTL/AP-1619/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at G.T. Road Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Batala in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Pran Nath s/o Roshan Lal caste Brahaman r/o Kapoori Gate Batala.

(Transferor)

(2) Shri Mangat Ram s/o Desh Raj, Karam Chand s/o Gyan Chand c/o M/s. Karam Chand Ashok Kumar, G.T. Road, Batala. (Transferec)

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2878 of July, 1974 of the Registering Authority, Batala.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1620/74-75,---Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under

Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Cooper Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Amritsar in July on 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sangceta Mehra w/o Radha Raman Mehra Gopal Mension near Metro Cinema, Dhobi Talao, Bombay through Shri Ram Lubhaya s/o Shri Jagan Nath Dhab Wasti Ram, Amritsar.
(Transferor) (2) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme (P.) Ltd., Gaggar Mal Road, Amritsar (through Shri Manohar Lal).

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above, and tenants occupying the property.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1626 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

FORM ITNS...

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Amritsar, the 28th February 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/AP-1621/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1961), hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Cooper Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in July on 1974 tor an apparent consideration which the transfer to the Registering Officer at Amritsar in July on 1974.

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhagwan Dass s/o Shri Amar Nath r/o Mewa Mandi, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme (P.) Ltd., Gagar Mal Road, Amritsar. (Transferee)

THE SCHEDULE

Godown Nos. 150-151, 152/13-2 at Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1270 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1622/74-75.-Whereas, I, V. R. SAGAR authority under Section 269B being the competent of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason , to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land situated at Outside Hall Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Brij Mohan Sehgal s/o Ram Ditta Mal, Smt. Nirmal Sehgal w/o Surinder Mohan Smt. Kanchan Kapoor, Renu and Sushma Ds/o Shri Surinder Mohan through Shri Brij Mohan Sehgal r/o Guru Ka Mahal, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Sohan Singh and Harinder Singh s/o Sohan Singh r/o 15 Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and other persons who are occupying the property.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1286 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1623/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Outside Hall Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in July on 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-26 GI/75

- (1) Shri Brij Mohan Sehgal s/o Ram Ditta Mal, Smt. Nirmal Sehgal w/o Surinder Mohan Smt. Kanchan Kapoor, Renu and Sushma Ds/o Shri Surinder Mohan through Shri Brij Mohan Sehgal r/o Guru Ka Muhal, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Sohan Singh s/o Teja Singh & Kuldeep Singh s/o Sohan Singh r/o 15 Pawan Nagar, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and other persons occupying the property,

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1287 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1624/74-75.—Whereas, I, V. I SAGAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land situated at G.T. Road Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : \longrightarrow

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Gurbax Singh s/o Ajit Singh r/o V. Birk Teh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 822 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1625/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara. (Transferor) (2) Shri Gurbax Singh s/o Ajit Singh r/o V. Birk Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 848 of July. 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1626/74-75.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at G.T. Road Phagwara

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara.

 (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Wati w/o Banke Behari s/o Bhagat Ram r/o Phagwara. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 996 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Datc: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1627/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G.T. Road Phagwara

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara.
 - (Transferor)
- (2) Shri Radha Raman s/o Banke Hehari s/o Bhagat Ram Jalant r/o Phagwara.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 997 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1628/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kartar Kaur w/o Kishan Singh s/o Jiwa Singh of Railway Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh s/o Harbhajan Singh r/o Moohi Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 852 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

(2) Shri Paramjit Singh s/o Harbhajan Singh r/o Maull Teh. Phagwara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1629/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Singh s/o Jiwan Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in House No. B-XL/36 on Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 856 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

(2) Shri Santokh Singh s/o Harbhajan Singh r/o v. Mauli Teh. Phagawara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1630/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been trtansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Darshan Singh s/o Nagina Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this nontice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 855 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1631/74-75,—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kishan Singh s/o Jiwa Singh GA of Jagjit Singh alias Rajinder Singh s/o Darshan Singh r/o Phagwara.
 (Transferor) (2) Shri Jaspal Singh s/o Harbhajan Singh r/o Village Mauli Tch. Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 854 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28-2-1975.

Seal:

27-26 GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1632/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Phagwara in July, 1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Singh s/o Jiwa Singh GA of Smt. Tarsem Kaur w/o Darshan Singh r/o Railway Road, Phagwara.

(Transferor)

 Shri Harbhajan Singh s/o Gokal Singh r/o Mauli, near Octroi Post, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of House No. B-XL/36 Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 853 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1633/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property, situated at Phagwara West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmail Singh s/o Mehanga Singh Chak Bilga. (Transferor)

(2) Shri Hans Raj, Shish Pal s/o Shri Rulia Ram r/o Khan Khanna Teh. Nawan Shehar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 810 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1634/74-75,---Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Land, situated at G. T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh President.

(Transferor)

(2) Major Sohan Singh s/o Shri Mehar Singh r/o Birk near Phagwara Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 821 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 28-2-1975.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP/1635/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovole property, having a fair market value exceeding s. 25,000/- and bearing

nd situated at Vill. Tung Pai, Tehsil Amritsar and more fully described in the Schedule annexed reto), has been transferred under the Registration Act, 1908 6 of 1908) in the office of the Registering Officer at atti in July, 1974

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to slieve that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more nan fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the rties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of section 269D of the said Act to the following persons, amely:—

(1) Shri Narain Singh s/o Lal Singh, Tung, Teh., Patti. (Transferor)

(2) Shri Dalip Singh s/o Banta Singh, Sangra Singh, Piara Singh s/o Dalip Singh Vil. Tung Pai, Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1391 of July, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/PATTI/AP-1636/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Village Tung Wala, Teh. Asr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in July on 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ./or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narain Singh s/o Lal Singh R/O Tung, Teh. Patti Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh, Karnail Singh Ajit Sing Joginder Singh alias Lal Singh, Balbir Sin Palwinder Singh SS/o Lachhman Singh S/o Tc Singh R/o V. Tungbala Teh, Amritsar.

(Transfere

(3) As at Sr. No. 2 above (Person in occupation of the propert

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be intere ed in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said pr perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peric of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires lat
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used her in as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1392 July, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range, Amritsan

Date: 28-2-1975.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX AQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiltsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1637/74-75.—Whereas, I V. R. Sagaring the Competent Authority under

ection 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) rereinafter referred to as the 'said Act'),

ive reason to believe that the immovable property, having fir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing o. Land situated at Race Course Road, Amritsar

- 1 more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred under the
- egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the egistering in July, on 1974

mritsar in July, on 1974

or an apparent

onsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the parent consideration therefor by more than fifteen per cent is such apparent consideration and that the consideration for the transfer as agreed to between the Parties has not been the stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following ersons, namely:—

(1) Smt. Surject Kaur wd/o Sh. Ujjagar Singh, S/wind Road, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Vasdev Anand, Shri Goverdhan Dass & Raman Kumar SS/o Shri Des Raj, 63, Daya Nand, Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. Asr/Phg/AP-1638/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot & Building situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmel Singh S/O Mehnga Singh R/O Chak Bilga. (Transferor) (2) Shri Tara Chand S/O Ralia Ram Tej Pal, Ash Kumar, Raj Kumar SS/O Bhagat Ram R/O K Khanan Teh. Nawanshar.

(Transfere

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the propert

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be intere ed in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notl in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective person, whice ever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immo able property within 45 days from the date of i publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 850 of Jul 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGA
Competent Authorit
(Inspecting Assistant Commissioner &
Income-T
Acquisition Range, Amritsa

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No Asr/AP-1639/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property, situated at in Gali Acharaya, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jugal Kishore S/O Kahan Chand I/S Kucha Darwaja Sonal Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Buti Ram S/o Ram Dass and Sansari Lal \$/O Buti Ram Bazar Tahli Sahib, Amritaar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property was be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Gali Acharya as mentioned in the Registered Deed No. 1530 of July, 1974 of the Registering Authority Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-2-1975.

Seal;

28--26GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1640/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property, situated at Cooper Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Amritsar in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, mamely -

(1) Shri Raj Kumar Beri S/O Mahesh Dass, Katra Bhai Sant Singh Gali Gosaian, Amritsar,

(Transferor)

- (2) Shri Kailash Nath Amar Nath Parvesh Chander SS/O Balmukand New Misri Bazar, Amritsar. (Transferee)
- (3) M/s. Beri & Co. Gurdas Ram Shop keeper, M/s. Pappu Wool, M/s, Gem, Workshop, Cooper Road, Amritsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Cooper Road, Amritaar as mentioned in the Registered Deed No. 1536 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> V. R. SAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1642/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property, situated at Cooper Road, Amritsar

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsar in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said intrusment of transfer wisth the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiistison of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Satosh Mehra W/O Sudershan Mehra, Katra Charat Singh, Gali Zargran, Amritar.

(Transferor)

- (2) Sh. Kailash Nath, Amar Nath Parvesh Chander, SS/OB Balmukand, New Mishri Br. Amritsar. (Transferce)
- (3) M/s. Beri & Co., Gurdas Ram Shop keeper, M/s. Pappu Wool, M/s. Gem, Workshop, Cooper Road, Amritsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1568 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. Asr/Phg/AP-1643/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot 1K 17M, situated at Phagwara Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rattan Singh S/O Partap Singh Village Kot Rani Teh. Phagwara Distt. Kapurthala,

(Transferor)

(2) Shri Pakhar Singh S/O Labh Singh Village Atholi Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land in Phagwara Garbi as mentioned in the Registered Deed No. 944 of July, 1974 of the Registering Authority Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 55, DLF Industrial Estate No. 1, Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (i) M/s Imperial Technical Works, 6/3, Rohtak Road (Punjabi Bagh), Delhi.
- (ii) Shri S. S. Berry, partners of M/s Imperial Technical Works, 6/3 Rohtak Road (Punjabi Bagh), Delhi.

- (iii) Shri A. S. Berry, partners of M/s. Imperial Technical Works, 6/3, Rohtak Road, (Punjabl Bagh), Delhi. (Transferor)
- (2) (i) Shri S. K. Jain,

(ii) Smt. Kamla Jain,
(iii) Smt. Pushpa Jain,
B-4/166, Safderjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55, D.L.F. Industrial Estate No. 1, Mathura Road, Faridabad. (measuring 3382.5 sq. yds.).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 843 of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi,)

> G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh.

Date: 7-3-1975,

(2) The Principal Officer, Hein Lehmann (India) Ltd., 16-Hare Street, Calcutta-1. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/3/74-75.—Whereas, 1 G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred -to as the said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property consisting of Industrial Plot No. 10 alongwith wire Fencing, Tubewell, water pump, bricks and other temporary structures situated in Sector 6, situated at Faridaand other bad District Gurgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) The Principal Officer, Supertone Electricals Private Ltd., B-6, Asaf Ali Road, New Delhi. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of Industrial Plot No. 10 alongwith Wire Fencing, Tubewell, water pump, bricks and othher temporary structures situated in Sector 6, Farldabad District Gurgaon,

North: Plot No. 11. Orient General Industries. South: Plot No. 9-A, Jyoti Enterprises. East: Plot No. 16 and 17. West Main Delhi Mathura Road.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 940

of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 14-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/5/74-75.—Whereas, I.G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair

market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property consisting of Plot No. 17, Sector 4 alongwith building constructed thereupon situated at Faridabad, Industrial-cum-Housing Estate, Faridabad District, Gurgaon. (and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in July, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Bhagwanti Bhutani.

(Transferor)

(2) Sarvshri

(i) V. K. Kapoor, (ii) Ranvir Kapoor,

 (iii) R. K. Kapoor,
 (iv) Arun Kapoor, (Minor) through Shri S. P. Kapoor,
 father-natural Guardian, Resident of 10-D, Dev Nagar, Delhi-5

(Transferce) *(3) M/s Sikand Plastics Private Ltd. 58, Friend Colony, East, New Delhi, (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of Plot No. 17, Sector 4, alongwith building constructed thereon situated at Faridabad Industrialcum-Housing Estate, Faridabad District Gurgaon (Property as mentioned in the Registered Deed No. 907 of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi.)

> G. P. SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Chandigarh.

Date: 14-3-1975,

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref. No. SRS/23/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-

sition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act) have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop No. 127 situated at Nai Mandi. Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registertation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sirsa in July, 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) Shri Chiman Lal S/o Shri Nathu Ram S/o Shri Guran Ditta.
- (ii) Smt. Shanti Devi Wd/o Late Shri Neki Ram mother and natural guardian of Shri Puran Chand minor son of Shri Neki Ram s/o Shri Nathu Ram resident of village Rania Tehsil Sirsa, (Transferor)

(2) (i) Shri Satnam Ram,

(ii) Shri Jaimal Ram, Sons of Chaudhry Natha Singh s/o Shri Milawa Ram resident of Sirsa District Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop No. 127 situated in Nai Mandi, Sirsa District Hissar.

North: Road

East: -Shop No. 128 of Shri Mukand Lal.

West : Shop No. 126 (Branch of State Bank of India, Sirsa).

South :- Mandi Chowk.

Frontage is on the South towards Mandi.

G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh.

Date: 4-2-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, S5CTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref No SRS/24/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in Shop No. 127 situated at Nai Mandi, Sirsa, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Nand Lal, s/o Shri Nathu Ram S/o Shri Guran Ditta.
29—26GI/75

(ii) Shri Babu Ram, s/o Shri Neki Ram, s/o Shri Nathu Ram, village Rania, Tehsil Sirsa, District Hissar.

(Transferor)

(2) (i) Shri Hari Chand,

(ii) Shri Gopi Chand, Sons of Chaudhry Natha Singh s/o Shri Milawa Ram, resident of Sirsa,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop No. 127 situated in Nai Mandi, Sirsa, District Hissar,

East: -Shop No. 128 of Shri Mukand Lal,

West: Shop No. 126, (Branch of State Bank of India, Sirsa).

North: Road.

South :- Mandi Chowk.

Frontage is on the South towards Mandi.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 4-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1975

Ref. No. LDH/C/347/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, measuring 775 sq. yds. situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974,

tor an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Devinder Singh Garcha, 6/0 Shri Samsher Singh, Resident of Dhandari Khurd, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sarbmeet Singh, s/o Brig. Swaran Singh, Resident of Hoshiarpur. c/o Shri Joginder Singh, Retired P.P. Rattan Building, Ludhlana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, measuring 775 sq. yds, situated in Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana,

Khasra No. 73/7/2, Khewat No. 1426, Khatauni No. 1527, Jamabandi 1970-71.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3482 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 1_2-1975,

Şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/337/74-75.—Whercas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Luhiana in July, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Mohan Singh,
- (ii) Shri Surjit Singh
 (iii) Shri Harminder Singh
 vons of Shri Darbara Singh, Residents of Dharampura, Ludhiana.
 (Transferor)

(2) Sarvshri

- (i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100
- (ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
- (iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Lal, 10/100
- (iv) Smt. Sudesh Kumari, w/o Om Parkash, 1/8.
- (v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8.
- (vi) Mulakh Raj, s/o Chaman Lal, 25/100. c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana, Khasra No. 943, Khata No. 39/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3250 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/338/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sarvshri
- (i) Pritam Singh,
- (ii) Harbans Singh, sons of Shri Gurbachan Singh, Residents of Dharampura, Ludhiana,

(Transferor)

- (2) Sarvshri
- (i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100

- (ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
- (iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Mal, 10/100
- (iv) Smt. Sudosh Kumari, w/o Om Parkash, 1/8
- (v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8
- (vi) Mulakh Raj. s/o Chaman Lal, 25/100. c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana. Khasra No. 943, Khata No. 93/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3251 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, x CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/339/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regist-

ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in July, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sarvshri
- (i) Surjit Singh, s/o Bhajan Singh,
- (ii) Hakim Singh, 5/0 Sher Singh, Residents of Dharampura, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Sarvshri
- (i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100
- (ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
- (iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Mal, 10/100
- (iv) Smt. Sudesh Kumari, w/o Om Prakash, 1/8
- (v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8
- (vi) Mulakh Raj, 5/0 Chaman Lal, 25/100 c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana. Khasra No. 943, Khata No. 39/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3252 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/477/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land, measuring 4 kanals, situated at Village Bhora, Tehsil & District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in July, 1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harkishan Singh, s/o Shri Harbans Singh, Village Bhora, Tehsil and District Ludhlana.

(Transferor)

(2) M/s Dhir & Co; 55-Bhadaur House, Ludhiana. Through Shri Ram Chand Dhir.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated at Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana at a distance of about 2½ miles from the Ludhiana City on the right hand side of G. T. Road leading to Jullundur.

Kila No. 14,

Khata No. 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 and 28. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 3470 of July, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/350/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, 4 kanal 1 Marla, situated at Village Bhora, Teh. & District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harkishan Singh, s/o Shri Harbans Singh, Resident of Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana, (Transferor)
- (2) M/s Dhir & Co; 55-Bhadaur House, Ludhiana. Through Shri Ram Chand Dhir. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 1 marla situated at Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana at a distance of about 21 miles from the Ludhiana City on the right hand side of G.T. Road leading to Jullundur.

Kila No. 14,

Khata No. 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 and 28.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3538 of July, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. KNL/61/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 549 measuring 1450 sq. yds. (or 26040 sq. ft.) situated at Model Town Karnal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Sardar Singh s/o S. Karam Singh,
- (ii) Shri Gurjeet Singh 5/0 Sardar Singh, 41, Randhir Lane, Karnal,

(Transferor)

- (2) (i) Shri Paramjeet Singh s/o Sh. Gurdit Singh,
- (ii) Smt. Harbans Kaur w/o Paramjeet Singh,
- (iii) Smt. Pritam Kaur wd/o S. Gurdit Singh,
- (iv) Shri Prithipal Singh s/o S. Gurdit Singh, R/o 162, Prem Nagar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 549 at Model Town, Karnal.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 27-1-1975,

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. LDH/C/373/74-75.-Whereas, 1 G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, sition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th portion of Kothi No. B-XX-1280, Ferozepur Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

the said instrument of transfer with the object of-

parties has not been truly stated in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

30--26GI/75

- (1) Shri Manjit Singh, s/o Shri Harnam Dass, 1231, Gali No. 5. Rajinder Nagar, Ludhiana, (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh, s/o Shri Dilbara Singh, Kothi No. B-XX-1280, Ferozepur Road, Ludhiana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th portion of Kothi No. B-XX-1280, Ferozepur Road, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 4095 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chaudigarh.

Date: 31-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. CHD/166/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 665, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely:—

(1) Shri Om Parkash Gupta, H. No. 1685-86. Sector 22_B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Jagdish Kaur, w/o Shri Bakshish Singh, c/o SCO No. 8-9, Sector 17-B, Chandigarh.
- *(3) Shri Kailash Chander, Sole Proprietor, M/s Northern India Chemical Industries, Industrial Area, Chandigarh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4share of Industrial incomplete building No. 665, Industrial Area, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 492 of August, 1974 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chaudigath.

Date: 31-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. CHD/167/74-75 —Whereas, J G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigath,

being the competent authority

under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 665, Industrial Area, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Sham Kumar Gupla, 1685-86, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Jagdish Kaur, d/o Shri Bakhshish Singh, c/o SCO No. 8-9, Sector 17-B, Chandigarh. (Transferee)
- *(3) Shri Kailash Chander, Sole Proprietor, M/s
 Northern India Chemical Industries, Industrial
 Area, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Industrial Incomplete building No. 665, Industrial Area, Chandigarli.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 493 of August, 1974 of the Registering Officer Chandigarh.)

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(i) Shri Murari Lal, (ii) Shri Ram Kumar Bansal, Sons of Shri Charnji Lal, Show Room No. 24, Sector 7-C, Chandigarh, (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Koshalya Devi W/o Shri Sita Ram, S.C.O. 34, Sector 18-D, Chandlgarh. (Transferee)

ØFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 28th January 1975

Ref. No. CHD/237/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 244 Sector 19-A, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the stid act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 244 Sector 19, A, Chandigarh, Area 618.75 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Date: 28-1-1975.

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 7th February 1975

Ref. No. A-4/74(14)209/4.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here in after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. VII/142 situated at Ajmer, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 19-7-74, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hassanand S/o Shri Vidhomal Muslim Mochi Mohalla, Ajmer.

(Transferor)

(2) (i) Lachmi Bai w/o Shri Ram Chand (iii) Shri Ram Chand S/o Shri Harpaldas Muslim Mochi, Mohalla, Ajmer. 1. M/s. Thakurmal Natharmal 2. M/s Dayaldas Natharmal, 3. M/s. Parmanand Krishnanchand, 4. M/s. Bhagavmal Moolchand, 5. M/s. Dhananmal Kiyaldas, House No. AMC VII/142 Mochi Mohalla, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of House No. AMC VII/142 situated in Muslim Mochi Mohalla Known as Sant Nam Dev Mohalla, Ajmer,

V. P. Mittal
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date: 7-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 7th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-251(137)/11-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 142, 143, & 144, Ward-No. I situated at Out-side Majewadi Gate, Junagadh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Junagadh on 8-7-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Rajeshri Oil Mills, Out-side Majeswadi Gate, Junagadh. (Transferor)

(2) Ganesh Oil Mills, Out-side Majewadi Gate, Junagadh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of an open plot of land admeasuring 2682.02 sq. yds, with oil mill having office rooms, Godown, store-rooms, etc. and bearing Plot No. 142. 143 & 144 and situated at Ward-I, Oil Mill Area (Industrial area), out-side Majewadi Gate, Junagadh.

J. KATHURIA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 7-2-1975.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1975

Ref. No. 10—D/Acq —Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16/39 situated at Hathi Gali. Bibi Haliga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Somam Rai and Others.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 1021 sft, which is situated at Hathi Gali, Bibi Hatia in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Lucknow.

(2) Shri Dasrath Seth and Others.

Date: 30-1-1975

(Transferee) Seal;

FORM ITNS....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st January 1975

Ref. No. 26—K/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74/4 situated at Vijai Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 19-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deen Dayal.

(2) Shri Keshar Singh and Others.

(Transferor)

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 3741 sft. which is situated at Vijai Nagar in Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 31-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Natvarlal Vanmalidas Thakkar. Opp. Punit Ashram, Maninagar, Aĥmedabad,

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Natvarlal Thakkar. Opp. Punit Ashram, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1975

Acq. 23-I-262(136)/-1/74-75,—Whereas, I J. KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Sub-Plot No. 1-5, F.P. No. 102, situated at Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the exceeds the apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A three-storeyed building standing on land admeasuring 317 sq. yds. bearing Sub-plot No. 1-5, Final Plot No. 102 and situated opposite Punit Ashram, Maninagar Town Planning Scheme. Ahmedabad and bounded as under :-

East: Sub-Plot No. 4.

West: Property of Shri Chimanlal Mangaldas.

North: 30 ft. wide Road. South: Sub-Plot No. 6.

> J. KATHURIA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 31 26 GI/75

Date: 6-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Himayatnagar, Hyderabad.

terested in the property].

(4) Dr. Prakash Deshpande, H. No. 3-6145/4/A,

[Person whom the undersigned knows to be in-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1975

Ref. No. RAC, No. 107/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-145/4/A situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on 15-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Hussaini Begum, R/o 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Mahipal Reddy, H.No. 3-6-573, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the meaning as given in that Chapter. same

THE SCHEDULE

Property: Double storted building No. 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.

Area: 114 sq. Mets.

K, S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad.

Date: 12-2-1975

(2) Bhagwandas Gajanmal Vaiani Gopipura, Kaji Medan, Kanku Mansion, Surat. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1975

Ref. No. PR. 183/Acq. 23-343/19-8/74-75.—Whereas, I. P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 348-Muni. Ward No. 13 Plot No. 26 situated at Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

at Surat on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Harakhchand Maganlal Shah, Galemandi Gol-sheri, Surat,

45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 348 Paiki Municipal Ward No. 13 (R. Sur. No. 30-2 Paiki) Plot No. 26 (T.P.S. No. 5-F.P. No. 576) admeasuring 938 sq. yds, situated at Athwa, Tal. Chorasi Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 2540 of July 1974 of the Registering Officer, Surat,

> P. N. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of ' Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 4-2-1975

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 5th February 1975

Ref. No. PR. 184/Acq. 23-268/7-4/74-75.—Whereas P. N. MITTAL. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. R. Sur. No. 619-1, 620 CS. No. 4-5 Tika No. 21 Paiki Mun. H. No. 389F Ward-9, Plot No. 19 situated at Poorna Society, Station Road, Navsari Dist, Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Navsari on 15-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harivadanbhai Manilal Thakor, Jemini Flats, Duffnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (1) S/Sri Rambhai Nathubhai Patel,
 - (2) Dahyabhai Nathubhai Patel, through V. K. Rambhai N. Patel,
 19, Poorna Society, Station Road, Navsari,
 (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing R. Sur. No. 619-1, 620, C.S. No. 4-5 Tika No. 21 Paiki Mun. H. No. 389F in Mun. Ward No. 5 Plot No. 19, situated at Poorna Society, Station Road, Navsari admeasuring 5250 sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 835 of July 1974 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 5-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1975

Ref. No. PR. 185/Acq. 23-261/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under

Scrtion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2396-Mun, Ward No. 4 situated at Momnawad, Salabatpura, Surat

(and move fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on 26-7-1974 for an apparent at Surat on 26-7-1974

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Vallabhbhai Chhaganlai Patel, Mohiderpura, Limbu Sheri, Surat,

(Transferor)

-(2) S/Shri (1) Abbashussein Mohmadbhai Bhorania

(2) Gulamhussein Mohmadbhai Bhorania (3) Abdulrahim Mohmadbhai Bhorania

- (4) Peermohmed Mohmadbhai Bhorania
 (5) Abdulkadar Mohmadbhai Bhorania
 (6) Ismailbhai Mohmadbhai Bhorania

Salabatpura, Momnawad, Surat,

(Transferee)

Objections, if any in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 43 days from the date of publication of an notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Noudh No. 2396 in Municipal Ward No. 4 admeasuring 198 sq. yds. situated at Momnawad, Salabatpura, Surat as mentioned in the registered deed No. 2888 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date: 7-2-1975

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1975

Ref. No. PR. 186/Acq. 23-265/19-7/74-75.—Whereas I, P. N. Mittal,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 228 Paiki Randar, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in

the Schedule annexed hereby), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Skyline Lands Corporation through Partner, Shri Thakorbhai Jerambhai Mistry Surat. (Transferor)

(2) Shilpi Co-operative Housing Society Ltd.

Rander—Surat—through President: Ravjibhai Ranchhodbhai Chavda Secretary: Haribhai Shamjibhai Parmer-Surat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land beating survey No. 228 Paiki admeasuring 8792 sq yds. situated at Rander, Tal Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 2587 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

> P. N. MITTAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDEDADAD 200000 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1975

Ref. No. PR. 187/Acq. 23-278/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No.
Sur. No. 304/1 and 305/1 Paiki Muni No. 623A situated at Manck Lal Road, Navsari, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Nawani on 16-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction evasion or of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. Hindustan Bobbin & Spools Mfg. Co. Baroda through partner—Bhanubhai Chhotabhai Patel, and also as power of attorney to Lalitchandra Manganbhai Patel Shambhubhai Chhotabhai Patel Shambhubhai Chhotabhai Patel Hirubhai P, Patel Rameshbhai Chhotabhai Patel Kantibhai C. Patel Chitranjan Ambalal Patel Mahendrabhai C. Patel Natubhai Parsottamdas Patel Chimanbhai Parsottamdas Patel Harshadbhai Parsottamdas Patel

(Transferor)

(2) (1) Navroji Sorabji Tamboli

(2) Smt. Naju Navroji Tamboli(3) Tehmurusp Sorabji Tamboli(4) Smt. Perin Tehmurusp Tamboli.

(Transferee)

(3) Principal Officer. Ahmedabad Advance Mills Co. Ltd., Navsari. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ε period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Sur. No. 304 Hissa-1 Paiki and Sur. No. 305 Hissa-1 Paiki Mun. No. 623/A total area admeasuring 19224 sq. ft. (i.e. 1785-97 37 sq. ms.) with all fittings, fixtures & trees etc.) situated Mancklal Road, Navsari Dist. Bulsar, as mentioned in the registered deed No. 840 of July 1974 of the Registering Officer Navsari Officer, Navsari.

> P. N. MITTAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad.

Date: 10th February 1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th February 1975

Ref. No. PR. 188/Acq. 23-259/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. Nondh No. 2939—A-1-A-2-A situated at Mahatma Wadi, near Shiddi Sheri, Salabatpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at Surat on 9-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dhansukhlal Farasram Khatri, Salabatpura sidhl Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) (1) Rameshchandra Ambalal Modi

(2) Ishwarlal Thakardas Kapandia Jayantilal Thakordas

(4) Chandrakani Jagmohandas Chhatiawala—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Nondh No. 2939-A-1-A-2-A admeasuring 185 sq yds. situated at the corner of Shidhl Street, Mahatma Wadi, Salabatpura, Surat, as mentioned in the registered deed No. 2609 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 11-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th February 1975

Ref. No. PR. 189/Acq. 23-344/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No.
Sur. No. 3161-1-A-T.P.S. No. 4 Plot No. 203 Mun. Ward
No. 15 situated at Varachha Road. Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ralpur at Surat on 29-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Gamanlal Vijubhai Saraiya, Bhavaniwad, Surat.

(Transferor)

 (2) Smt. Meenaxiben Jayantilal Gandhl, Navapura. Ghanchi Sheri. Surat Vadilal B. Shah—Khand-bazar. Navagam, Surat.
 32—26 GI/75 (Transferee) (4) Confirming parties-

Narendrabhai Dahyabhai Patel
 Jagdishchandra Mansukhlai Chokshi
 Babubhai Mulchanddas Modi,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing old Sur. No. 361-1-A in Muni. Ward No. 15 T.P.S. No. 4 Plot No. 203 admeasuring 847 sq. yds. situated at (Katargam) Varachha Road, Surat as mentioned in the registered deed No. 2824 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 11-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1975

Ref. No. Ac-116/R-V/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-

lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. P-126, 127 and 128 situated at Banaras Road, Howrah (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Kumar Engineering Works (P) Ltd. P-52, Banaras Road, Lilloah, Howrah.

(Transferor)

(2) Shrimati Mohini Debi, P-6. Dalimtolla Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring more or less one bigha ten cottahs and five sq. ft, of land at P-126, 127 and 128, Banaras Road, Belgachia, Howrah which was registered in Registrar of Assurance, Calcutta under Deed No. 4250 of 1974.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-2-1975

Scal:

(1) Mrs. Mary Mathene Palamatom, Chevayur, Calicut-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Society of the Presentation Sisters, Chevaqur, Calicut (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. LC 25/74-75.-Whereas, I, T. B. SWAMI-NATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

48/8, 48/1D and 48/10 situated at Nellikode Nos. 48/7,

Amsom in Kozhikode Taluk in Calicut District (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chevayur on 11-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- aterested in the said (b) by any other person immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 acres 8 cents of land with Building in Sy. Nos. 48/7, 48/1D, 48/8 and 48/10 in Nellikode Amsom in Kozhikode Taluk in Calicut District,

> T. B. SWAMINATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 4-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-267(133)/11-2/74-75.—Whereas, I, KATHURIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 36, Plot Nos. 5, 6 and 7 situated at Junagadh Veraval Road, Near Nur Building, Keshod District; Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Keshod on 15-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Vakil Jayanand Vakhatchand Doshi.
- (2) Vakil Shashikant Mohanlal Chhaya, Mangrol.
 (Transferor)

(2) Shri Vinodral Dhirajlal. Administrator of M/s. Jeyco Textile Dying and Printing Works. Jethpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5733 sq. Gaj bearing Survey No. 36, Plot No. 5, 6 and 7 situated at Junagadh-Veraval Road, Near Nur building Keshod, District: Junagadh and bounded as under:—

East: Government land. West: Plot No. 8. North: 15 ft. wide Road. South: Space of Nur Manjil.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Date: 4-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, COMMIS-RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1975

23-I-432 (141) /1-1/74-75.—Whereas, I, Ref. No. Acq. J. KATHURIA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 100, T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20-7-1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

For and on behalf of Vijay Corporation-Partners-

- A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power of Attorney Holder of
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta.

 - (3) Manubhai Jindas Mehta,(4) Prabodhchandra Nathalal

 - (5) Padmaben Ratilal.
 (6) Kalawati Bhogilal Mehta,
 (7) Asutosh Vimalshanker Shastri.
 (8) Janakbhai Ghelabhai Shah.

 - (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
 - (10) Babubhai Bhogilal
 - (11) Dilipkumar Chandulal Patel(12) Padma Kundanlal Shah,
 - Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmedabad.

- B. (1) Ashokkumar Shantilal for self and as a power of Attorney Holder of—

 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta.
- Manubhai Jindas Mehta
- (4) Prabodhchandra Nathalal
- (5) Kalawati Bhogilal,(6) Asutosh Vimalshanker Shastri,
- (7) Janakkumar Ghelabhai Shah. (8) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
- (9) Babubhai Bhogilal.
- (10) Dilipkumar Chandulal Patel
- (11) Padma Kundanlal Shah, Giandcep Society, Dhumketu Marg, Paldi Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Lilaben Vishnuprasad Patel

(2) Smt. Kokilaben Mahendrakumar,

596, Moto-vas, Nava-Wadej, Ahmedabad-13.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on the front side on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100, T.P. Scheme No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur, (Navrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

> J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 15-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, RANGE-I. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1975

No. Acq. 23-I-433(142)/1-1/74-75.—Whereas, I. Ref J. KATHURIA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 100 T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule an-

nexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

For and on behalf of Vijay Corporation—Partners—A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power

- of Attorney Holder of
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta. Manubhai Jindas Mehta,
- (4) Prabodhchandra Nathalal.

- (5) Padmaben Ratilal.
- (6) Kalawati Bhogilal Mehta.
 (7) Asutosh Vimalshanker Shastri.
- (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,
- (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
- (10) Babubbai Bhogilal,
- (11) Dilipkumar Chandulal Patel. (12) Padma Kundanlal Shah,
 - Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmeda-
- B. (1) Ashokkumar Shantilal for solf and as a power of Attorney Holder of-
 - (2) Hasmukhlal Chunilal Mchta.
 - (2) Manubhai Jindas Mehta,
 - (4) Prabodhchandra Nathalal,

 - (5) Kalawati Bhogdal,(6) Asutosh Vimalshanker Shastri.

 - (7) Janakkumar Ghelabhai Shah. (8) Sudhirkumar Shantilal Mehta.
 - (9) Babubhai Bhogilal,
 - (10) Dilipkumar Chandulal Patel
 - (11) Padma Kundanlal Shah, Giandeep Society, Dhumketu Marg, Paldi Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Natwarlal Patel. 596, Moto-vas, Nava-Wadej, Ahmedabad-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: /
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 57 on the back-side on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100, T.P. Scheme No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur, (Navrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

> J, KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Ahmedabad.

Date: 15-2-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 15th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-434(143)/1-1/74-75.—Whereas I, J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Final Plot No. 100, T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur (Navranepura), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

For and on behalf of Vijay Corporation-Partners-A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power

- of Attorney Holder of
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta.
 (3) Manubhai Jindas Mehta.
 (4) Prabodhchandra Nathalal,
 (5) Padmaben Ratilal,
 (6) Kalawati Bhogilal Mchta.
 (7) Asutosh Vimalshanker Shastri,
 (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,

- (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
- (10) Babubhai Bhogilal
- (11) Dilipkumar Chandulal Patel.
 (12) Padma Kundanlal Shah. Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmedabad.
- B. (1) Ashokkumar Shantilal for self and as a power of
 - Attorney Holder of—
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,
 - (2) Manubhai Jindas Mehta. (4) Prabodhchandra Nathalal

 - (5) Kalawati Bhogilal,(6) Asutosh Vimalshanker Shastri.
- (7) Janakkumar Ghelabhai Shab.(8) Sudhirkumar Shantilal Mehta.
- (9) Babubhai Bhogilal, (10) Dilipkumar Chandulal Patel
- (11) Padma Kundanlal Shah, Giandeep Society, Dhumketu Marg, Paldi Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Maniben Chhaganlal Patel, Wife of Ambalal Gordhandas, Nava-Wadej, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication (a) by of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respe expires later; respective persons, whichever
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100 T.P.S. No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur (Novrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale-deed registered by the Sub-Registrar. Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1,

Ahmedahad,

Date: 15-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 20th February 1975

Ref. No. AR. V/117/2/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is !ess than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Avtar Kishan Gurudas Ramgupta.

(Transferor)

(2) Harishchandra Diwanchand Agarwal.

(Transferee)

(3) (1) K. G. Ramgupta.
(2) H. D. Agarwal.
(3) S. D. Agarwal.
(4) V. D. Agarwal.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq. yds. equivalent to approximately 785.0979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. 11I Chembur together with the building constructed thereon and situate at the 4th Road. Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registration District of Bombay and bounded as follows *i.e.* on or towards the East by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 20-2-1975

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-20

Bombay-20, the 20th February 1975

Ref. No. AR. V/116/1/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA. being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred as 'said Act', have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

33-26GI/75

(2) Shri Vipanchander Diwanchand Agarwal. (Transferee)

(3) (1) Kewal Krishan Gurudas Ramgupta.

(1) Shri Pravinkumar Gurudas Ramgupta.

(2) H. D. Agarwal.
 (3) S. D. Agarwal.
 (4) V. D. Agarwal.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq yds. equivalent to approximately 785,0979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. III Chembur together with he building costructed thereon and situate at the 4th Road, Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Peristration Sub-District of Bandra. Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registeration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the East by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 20-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUITTION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay, the 20th February 1975

Ref. No. AR. V/118/3/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, at Bombay on 2-7-1974

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Baldev Kishan Gurudas Ramgupta.

(Transferor)

(2) Shri Satispal Diwanchand Agarwal.

(Transferce)

- (3) (1) K. G. Ramgupta,
 (2) H. D. Agarwal,
 (3) S. D. Agarwal.

 - (4) V. D. Agarwal,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq. yds. equivalent to approximately 785.0979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. III Chembur together with the building constructed thereon and situate at the 4th Road Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the English Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the English Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the West by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by the Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay.

Date: 20-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 18th February 1975

Ref. No. ARI/876-6/Jul/74.—Whereas, I. R.G. Nerurkar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. 615 of Colaba Division situated at Plot No. 104 in Block No. V of Backbay Reclamation Scheme

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 26-7-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I.

hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vazifdar Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

- (2) Jai Cuffe Parade Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Government Leasehold land or ground admeasuring 2000 sq. metres or thereabouts bearing Plot No. 104 (formerly known as Plot No. 157) in Block No. V of Back Bay Reclamation Scheme of the Government of Maharashtra, in the registration District and Sub-District of Bombay, bearing Cadastral Survey of 615 of Colaba Division, together with the building and structures known as 'PALM SPRINGS' standing thereon and bearing Municipal 'A' Ward No. 225 (43) Street No. 157 Cuffe Parade and bounded as follows; i.e. to say: On or towards the EAST by 220 feet wide main road, On or towards the WEST by Plot No. 117 of the Said Scheme, On or towards the NORTH by a 20 feet wide lane and On or towards the SOUTH by plot No. 103 of the said Scheme.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of
Income-tax, Acquisition
Range-I, Bombay.

Date: 18-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 18th February 1975

Ref. No. ARI/576-6/Jul/74.—Whereas, I, R. G. Nerurkar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. C.S. 615 of Colaba Division situated at Plot No. 104 in Block No. V of Backbay Reclamation Scheme (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 26-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ins-

trument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Jai Cuffe Parade Co-Operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Government Leasehold land or ground admeasuring 2000 sq. metres or thereabouts bearing Plot No. 104 (formerly known as Plot No. 157) in Block No. V of Back Bay Reclamation Scheme of the Government of Maharashtra, in the registration District and Sub-District of Bombay, bearing Cadastral Survey of 615 of Colaba Division, together with the building and structures known as 'PALM SPRINGS' standing thereon and bearing Municipal 'A' Ward No. 225 (43) Street No. 157 Cuffe Parade and bounded as follows: i.e. to say: On or towards the EAST by 220 feet wide main road. On or towards the WEST by Plot No. 117 of the Said Scheme, On or towards the NORTH by a 20 feet wide lane and On or towards the SOUTH by plot No. 103 of the said Scheme.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-V,
Bombay.

(1) M/s. Vazifdar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

Seal:

Date: 18-2-1975

(2) Shri Kopuri Gangadhararao S/o. Nageswararao, Kothapeta, Vijayawada-1.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 153 J. No. J(252)/KR/74-75.—Whereas, I, K. SUBBARAO,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. 9-65-43 situated at Sykamvari Street Vijayawada. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 31-7-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Puppala Kanakalah, S/o. Chandrayya Kothapeta, Sykamvari Street, Vijayawada,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District-Vijayawada Sub-Registration-Vijayawada Municipality-Vijayawada Town-Kothapeta Sykamvari Street Revenue Ward No. 10-New Ward No. 10- Block No. 4-NTS 216—Asst. No. 5773—Door No. 9-65-43—190 sq. yards—Site with building.

> K. SUBBARAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. No. J. Nos. 1(88, 90 & 91) Acq. File No. 152/74-75.
—Whereas, I, K. SUBBARAO,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-19-6 & 17-19-14, situated at Bowdava Road, Market area, Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(8) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. V. Rangarao, Land Lord, Panganamalavari Street, Visakhapatnam.

(Transferor)

 Shri Konathala Thata Apparao, Partner Sri Satyanarayana & Co., Anakapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Municipality, Visakhapatnam Town, Market ward Block No. V, T.S. No. 137, Asst. No. 10/25, Door Nos. 27-19-6 and 27-19-4, Site with building.

Boundaries

East: Compound wal of Navarang Hall and part of the

building of this property. South: Open site with trees etc.

West : Site.

North: Road site 30 ft.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 18-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 20th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-421(144)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the competent authority

under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, F.P. No. 490 of T.P.S. No. 3, situated at Changispur (Mithakhali), Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 25-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

- (1) 1. Shri Naushir Sohrab Medora,
 - 2. Shri Feroz Sohrab Medora,
 - 3. Shri Rasid Sohrab Medora,
 - Shri Rusi alias Rustom Sohrab Medora, through Power of Attorney Holder, Shri Rasid Sohrab Medora, Jemsy Villa, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferors)

(2) Neptune Tower Shopping Centre Owners' Association, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as "Jemsy Villa", consisting of a bungalow out-houses, garage, etc., standing on land admeasuring 1 Acre, 25 Gunthas, 14 Aani, and 8 Pratiyani i.e. 7974 sq. yards, bearing Final Plot No. 490, of T.P.S. No. 3, and situated at Changispur (Mithakhali), Ahmedabad and bounded as under:—

East: Road. West: Road.

North: Final Plot No. 489.

South: Final Plot Nos, 491 & 492.

J. KATHURIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 20-2-1975,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 17-6/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K-31/52 situated at Gali Ganesh Chanwariya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Varanasi on 23-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 1406 sft. which is situated at Moh.: Gali Ganesh Chanwariya Muttasil Bhairon Nath Kalkoop Dandpari in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

- (1) Shri Bal Govind Dass & others. (Transferor).
- (2) Shri Ganesh Prasad & others, (Transferce).

Date: 13-2-1975

(Seal):

(2) Shri Vidya Prakash, (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANG, ELUCKNOW

Lucknow, the 18th February 1975

Ref. No. 11-V/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17 situated at Gokhaley Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 27-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Udayjeet Prakash. (Transferor). 34—26 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building bearing No. 17 and measuring 35,000 sqr. ft. which is situated at Gokhale Marg in Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-2-1975

(Seal):

(1) Shrimati P. Bangaramma. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 151 J. No. (87) VSP/74-75.—Whereas, I K, Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-38-2 situated at Muppidi Colony Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Sri K. P. Kumar S/o Late Sri K. V. Sastry, Chartered Accountant, Soudamani, Visakhapatnam-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vishakapatnam District—Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality Visakhapatnam Town—Opposite to St. Joseph's Nursing Home—T.S. No. 138—Plot No. 5—Maharanipeta ward—Site No. 5—Block No. 4—Door No. 14-38-2.

BOUNDRIES

North: Municipal Road East: Site No. 6 West: Site No. 4.

South: Site Nos. 13 and 14.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-2-1975.

(1) Smt, Kamla Devi Tandon & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Bodinayakkampatti village, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Shahjahanpur on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(2) Shri Indrajeet Singh & others. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with land which is situated at Mohalla—Khalil Gali in Distt. Shahjahanpur,

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1975

(Seal):

(1) Shri Nain Singh. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Prakash & others, (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 50-S/Acq.—Whereas. I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-B-22 situated at Kiratpur (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najibabad on 3-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said

Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 16,000 sft. which is situated at, Kiratpur in Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1975

(Seal):

(i) Shri Radha Krishan Tandon & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 43-M/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. O-44/187 situated at Ramapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Mool Narain Malhotra & others, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house which is situated at Ramapura in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1975

(Scal):

(2) Shri Abdul Waheed & others (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1975

Ref. No. 34-A/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-43/1 & D-43/2 situated at Sadanand Bazar Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Assurances, Calcutta on 27-7-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, is pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two houses which are situated at Bazar Sadanand in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Joshit Kumar Mukherjee & others. (Transferor).

Date: 17-2-1975

FORM ITNS——

(2) Shri Cyriac. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

GOVERNMENT OF INDIA

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 13C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Bhojibir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Varanasi on 19-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Rukmani Bai. (Transferor),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 7-28 with iron gate situated at Bhojibir, Varanasi,

BISHAMBHAR NATH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range(Lucknow.

Date: 13-2-1975

(Seal);

(2) Shri Cyriac. (Transferec).

may be made in writing to the undersigned-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 13-C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. — situated at Bhojbir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Varantasi on 19-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incoem arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukmani Bai. (Transferor).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

tive persons, whichever period expires later;

30 days from the service of notice on the respec-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 11-72 Biswas with a well & Reserveior situated at Bhojibir Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1975

(Seal):

FORM ITNS----

(2) Shri Cyriac, (Transferce).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 13-C/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority

under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. \$2.7215, iffunted at Moballa Pholibir Varancei

No. S-2/215 situated at Mohalla Bhojibir Varanasi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 19-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukmani Bai. (Transferor), 35—26GI/75

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storeyed house No. S-2/215 constructed over Land measuring 5-21 Biswas having big open Land situated at Bhojibir Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 13-2-75

(2) Shri Basudeo and others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 32-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. - situated at Barhni Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naugarh on 6-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 16,000 sq. ft. which is situated at Burhni Bazar in Distt. Basti,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Irspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

(1) Ch. Chandra Pratap & others.

Date: 13-2-1975,

Seal:

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 44-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-5/51 situated at Avadh Garh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Varanaşi on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Bachchan Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Malina Rai.

(Transferec)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house which is situated at Avadh Garh in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1975.

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Mool Chandra Khatri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Narain Trivedi and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 24-P/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Khanjanpur,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hardoi on 22-7-1974,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring (1054×35') which is situated at Mohalla Khanjanpur in Hardoi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 13-2-1975,

FORM JTNS-

(1) Ram Chandra.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanhku Seth & others.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 7-N/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Kerakat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kerakat on 26-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property/by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Building measuring $(10' \times 26\frac{3}{4}')$ which is situated at Kerakat in Distt. Jainpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 13-2-1975.

(2) Laxman Swaroop Garg & others.

(Transferee)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 9-L/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Devipura

((and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Balandshahr on 29-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section

269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 200 sqr. yds. which is situated at Mohalla Devipura, in Distt, Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 13-2-1975.

(1) Shri Har Swaroop.

(Transferor)

FORM ITNS-----

(1) Shii Radhey Shyam Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Phool Raji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 25-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBBAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 311/28, 27/77, 36/39 etc. situated at Distt. Jaunpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kerakat on 6-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house along with agricultural land measuring 7.13 Acres situated at Jaunpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 13-2-1975.

FORM TINS----

(1) Shri Jafar Jabir & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brahmdeo Misra & others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 15th February 1975

Ref. No. 33-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.

No. 129/8, situated at Wala Qadar Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 20-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Masooma Ali Manzil No. 129/8 situated at Wala Qadar Road, Lucknow with Land & servants' Quarters.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date: 15-2-1975.

FORM ITNS...

(1) Shri Gajraj Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurmeet Singh & others,

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 18th January 1975

Ref. No. 15-G/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 126, situated at Sikali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tilhar on 2-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

36-26G1/74

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 25.35 Acres which is situated at Village Sikali in Distt. Shahjahanpur,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 18-1-1975.

Form ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIONG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAWAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20,

Bombay, the 19th February 1975

Ref No. AP.202/IAC.AR-IV/74-75.--Whereas, I, RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 142/2/A.S. No. 142, situated at Ambivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 2-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd. 16/A Altamount | Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) M/s. Super Builders, 223, Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that parcel of land situate and lying in the village Ambivli in the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban admeasuring 4013 Sq. metres bearing Plot No. 132/2/A and Survey No. 142.

> G. S. RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 19-2-1975,

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Jim Rusdin Pvt. Ltd. 16/A Altamount Road, Bombay-26.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAWAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Bombay, the 19th February 1975

Ref. No. AP.201/IAC.AR-IV/74-75.--Whereas, I, G. S. RAO,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 142/2/B.S. No. 142, situated at Ambivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s. Super Builders, 223, Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcel of land situate inlying in Ambivali in the Registration sub-District and District Bombay City and Suburban bearing S. No. 142/2/B admeasuring 4353 Square Metres.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date: 19-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th February 1975

Ref. No. CHD/143/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Incom3-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S.C.O. 57 58 59 Sector 17-C, situated at Chandigarh, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the follow-persons, namely:—

- (1) (1) Shri Ranijt Singh S/o Shri Gajan Singh
 - (2) Mrs. Pushpinder Kaur W/o Shri Ranjit Singh
 - (3) Shri Avinash Singh
 - (4) Shri Harinder Singh Sons of Shri Ranjit Singh Residents of House No. 102, Sector 9-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) (1) Shri Om Parkash Gupta
 - (2) Shri Sham Kumar Gupta Sons of Late Shri Ramjiwan Dass
 - (3) Smt. Gita Devi W/o Shri Om Parkash Gupta
 - (4) Smt. Sarla Devi W/o Sham Kumar C/o Shop No. 32, Sector 22-D, Chandigarh
 - (5) Shri Prem Sagar Aggarwal
 - (6) Gian Parkash Aggarwal
 - (7) Bal Krishan Agarwal Sons of Shri Ram Bhaj
 - (8) Usha Aggarwal W/o Shri Prem Sagar
 - (9) Saroj Kumari Aggarwal W/o Gian Parkash Aggarwal

- (10) Darshani Devi W/o Bal Krishan Aggarwal C/o Booth No. 32, 22-D, CHI
- (11) Shri Sohan Singh S/o Shri Sher Singh
- (12) Mohan Singh S/o Shri Sher Singh
- (13) Gurmail Singh S/o Narain Singh
- (14) Malkiat Singh S/o Sohan Singh
- (15) Gian Kaur W/o Mohan Singh
- (16) Bachan Kaur W/o Sohan Singh

(17) Sukhdey Singh S/o Mohan Singh

Residents of SCO No. 1001-1003, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee)

- *(3) (1) National Tailors Prop. Shri Labh Singh
 - (2) New Kuldip Tailors
 - (3) Harbans Singh and Sons
 - (4) Bedi Saree Centre
 - (5) Sangam Print
 - (6) Maksood and Hem Rai
 - (7) Modern Tailors
 - (8) Kashmir Products
 - (9) Fruit House Prop Mani Parkash
 - (10) Fashion Emporium Prop Harbhajan Singh
 - (11), Fancy Chappal House Prop Bhagwan Dass Sethi and
 - (12) Amarsons Tailors Prop Mangat Ram. [Person in occupation of the property].
- *(4) (1) Parminder Singh
 - (2) Uttam Kaur
 - (3) Harbhajan Singh
 - (4) Jatinder Kaur
 - (5) Dr. Kulwant Singh
 - (6) Ajmer Kaur
 - (7) Jashmer Singh
 - (8) Sarjit Kaur
 - (9) Kuldip Singh
 - (10) Gurbachan Kaur

A 11 through S. Parminder Singh, 1001-1003. Sector 22B-Chandigarh

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 57 58 59 Sector 17-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 25-2-1975

Seal:

*Strike of where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF FINANCE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 14th February 1975

Ref. No. CHD/176/74-75.—Whereas, I. G. P. SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and, bearing

Plot No. 6, Sector 9-B, R.P. 286, measuring 3415 sq. yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mrs. Rajni Kapur Wd/o Lt. Col. J. C. Kapur
 - (2) Shii Vijay Kapur S/o Late Lt, Col. J. C. Kapur
 - (3) Mrs. Rajani Rana Wo/ Shri Netra Rana
 - (4) Shri Ajai Kapur S/o Late Lt. Col. J. C. Kapur for himself and attorney of all, R/o G-9, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Dr. Naginder Singh Dhillon S/o Shri Kehar Singh Dhillon, through Shri Devinder Singh Grewal, Grewal Lodge, Gil Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Sector 9-B, R.P. No. 286 measuring 1415 sq. yds.

G. P. SINGH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarti.

Date: 14-2-1975

(1) The Estates & Agency Co. Ltd., Ritz Buildings Cooncor-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Non-such Tea Estates Ltd., Ritz Buildings, Coonoor-1.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. 2233/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at High Forest Estate, Prospect Estate, etc.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at J.S.R.O. I, Coimbatore on 2-7-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

THE SCHEDULE

6838.98 acres of forest and plantation including staff quarters and workers quarters in The High Forest Estate, Prospect Estate, Stanley Estate, Pykara Falls Estate, Greenway Estate, Ossington Estate, Riverside Estate, Liddellsdale Bellevue Estate, Seaforth Estate, Yellemallay Estate, Sambar Estate Panther Estate and Lower Estate. (Document No. 2529)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 25-2-75

(2) (1) Smt. P. S. M. Balkees Beevi,
 W/o Shri T. M. Abdul Hassan,
 No. 37, Nooriya St., Koothanallur Tanjore Dist.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. F. 1274/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269D of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having in fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Masilamani Mudali St. T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras on July 1974 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay lax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. M. Subbaravamma
 - (2) Shri B. Subbiah
 - (3) Shri G. Ranga Rao and
 - (4) Shri B. Rangaiah No. 193, N.S.C. Bose Road, Madras-1. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) situated at Door No. 4, Masilamani Mudali Street. T. Nagar Madras (Survey No. 114/8—3 Grounds & 1935 Sft.)

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax. Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date: 25-2-1975

(2) Shri N. Muthalagappa Chettiar, No. 321, Oppanakara Street, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. 2251/74-75.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 8/1363-1364 situated at Ramalingam Ramadas Lay out, Near Mettupalayam Road. Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.O. III, Coimbatore on July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 cents and 224 f Sft. (with building) and bearing T.S. No. 8/1363—1364 situated at ... Ramalingam Ramadas Lay out near Metupalayam Road, Coimbatore,

A. RAGHAVENDRA RAO.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II.
Madras-6.

 Shri R. Lakshmanan, , S/o Shri Rengasami
 No. 73 Tatabad 11th St. Coimbatore.

Date: 25-2-1975

Seal:

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I July'74/175/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 17-A, Sub Plot No. 4, T.P.S. No. 1,

situated at Karve Road, Poona-4

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the registering officer at

Haveli-I, Poona on 12-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---37-26 GI/75

(1) Shri Vinayak Ramchandra Dhere, 45, Shivaji Housing Society, Poona-16. (Transferor)

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100-B, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 17-A, Sub Plot No. 4, T.P.S. No. 1, Karve Road, Poona-4.

Area: 1/4th of 7329 Sq. ft.

H. S. AULAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Poora

Date: 20-2-1975,

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd February 1975

Ref. No. RAC No. 110/74-75.—Whereas, I K S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-94 situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 369C, of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Kambhampati Subba Lakshmmi, W/o Sri K. V. Subbrao, residing at Chikkadpally, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Mohammed Ali Arsiwala S/o Akbar Ali Arsiwala, represented by his father and guardian Sri Akbar Ali Arsiwala, R/o 1-1-530 Golconda Cross Roads, Musheerabad, Hyderahad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the shid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Double storyed building bearing Municipal No. 1-8-94 situated at Chikkadpally, Hyderabad, measuring 200 Sq. Yads.

East-Road.

West-Neighbours property.

North--Road.

South—Neighbours property.

K. S. VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 20th February 1975

Ref. No. Acq. 118/R-V/74-75/Cai/137-138.— Whereas, I L. K. Balasubramanian

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67, situated at Deshpran Shasmal Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been bransferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Calcutta on 6-7-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the follow-persons, namely:—

 Shri Santosh Kumar Mitra, 34/1, Elgin Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamala Chawrasia, 81-B, Shyama Prosad Mukherjee Road, Calcutta, (Transferee)

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 4 cottahs 15 chittacks 20 sq. ft. more or less at premises No. 67, Deshpran Shasmal Road, P.S. Tollygunge, Calcutta as per deed No. I-4014 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 20-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-II/July '74/177/74-75.--Whereas, I H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 2, T.P.S.I., situated at Karve Road, Poona-4

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-II, Poona on 8-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishnaji Ramchandra Kosti, 16, Cannaught Road, Poona-1.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 2, T.P.S.I., Karve Road, Erandawana, Poona-4. Area: 1/4th of 7329 Sq. ft.

H. S. AULAKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-60/61,
Erandawana Karve Road, Poona-411004.

Date: 20-2-1975.

Scal:

Shivaji (1) Shri Vinavak Ramchandra Dhere Housing Society, Poona-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I/July '74/174/74-75.— Whereas, I H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 3, T.P.S.I. situated at Karve Road, Poona-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Haveli-I, Poona on 12-7-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, or the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100-B, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 3, T.P.S.I. Karve Road, Poona-4. Area: 1/4th of 7329 sq. ft.

H. S. AULAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 113/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 6-2-913, 914 situated at Khairtabad

Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sri A. Rangalah, alias, A. Rangareddy, House No. 5-1-885, Putlibowli, Hyderabad

(Transferor)

1. Sri K. V. Subbarao, Advocate, Khammam.
 2. Sri B. Radhakrishna Advocate, Khammam.
 3. Sri Pendyala Krishnamurthy S/o Sheshadri Rao, Advocate, Khammam. 4. Malisetti Vardafah, S/o Laxmiah, Business, at Khammam.

(3) Director of Civil Supply, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: 1/2 portion of the property of "YAWAR MANZIL" building M. No. 6-2-913, and 6-2-914, at Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 24-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 111/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-472, 631, 632 & 633

No. 15-1-472, 631, 632 & 633 situated at Feelkhana, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 10-7-74.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri S. Gyan Chand Jain, (Alias) Ramlal, S/o Late Surajmal, residing at H. No. 15-1-472, Feelkhana, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Ugma Bai, W/o Jodh Raj, H. No. 5-5-670/7 at Malakunta, Hyderabad. (Transferee)
- *(3) Tenent, Surender Bai, W/o Bhansilal, R/o 15-1-632 Feelkhana, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 15-1-472, 15-1-631, 15-1-632, 15-1-633, at Feelkhana, Hyderabad.

East—Small Kutchah Road, West—Tar Top Road, South—Foot path and Road. North—Nome Pentaiah's house.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 112/74-75.—Whereas, J, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 6-2-913, 914 situated at Khairatabad, Hyderabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 29-6-74

for, an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri A. Rangaiah, alias A. Rangareddy, S/o A. Chandraiah, H. No. 5-1-874, Puti Boowli, Hyderabad.
 Sri Chandasekhar S/o S. Bashiah. R/o Hyderabad.

(Transferor)

 Sri K. V. Subbarao, S/o Veeraiah, Advocate Khammam, 2. S. Radhakrishna S/o Narsimhiah, Advocate, Khammam, 3. Sri Pendyala Krishna Murthy, S/o Sheshari Rao, Advocate.
 Malishetti Vardaiah, S/o Laxmiah, Business, Khammam.

(Transferee)

(3) The Director of Civil Supplies, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property: 1/2 half portion of the property open land Area: 3222 Sq.Yd. with double storied building "YAWAR MANZIL" No. 6-2-913 and 6-2-914, at Khairtabad, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 24-2-1975,

Scal :

FORM I.T.N.S.--

(2) SriParsi Butchiah, S/o Sambiah, (Late) H. No. 4-2-473 and 474, at Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 114/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-5-506 & 507 situated at Sultanbazar, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 5-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri 1. Endapally Narsiah, S/o late Gangiah,
 E. Kousalya Bai, 3. E. Ashok S/o Narsiah,
 E. Pradeep Kumar,
 E. Venkateshwarlu,
 E. Anand S/o Narsiah, All are residing at one place H. No. 4-5-506 Sultan Bazar,
 Hyderabad,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 4-5-506 and 4-5-507 at Sultan Bazar, Opp: Badi Chowdi, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100B Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I/July '74/176/74-75.—Whereas I. H. S. Aulakh

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. F. P. No 17A, Sub Plot No. 5, T.P.S. No. 1, situat-

ed at Karve Road, Poona-4

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-1, Poona on 12-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Shri Vinayak Ramchandra Dhere, 45, Shiya'i Housing Society, Poona-16.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 17-A, Sub Plot No. 5, T.P.S. No. 1, Karve Road, Poona-4. Area: 1/4th of 766.89 Sq. Mtrs.

> H. S. AULAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 7th February 1975

Ref. No. F. 1X/3/61/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 32C situated Solayappan Street, Tondiarpet, Madras-21

No. 32C situated Solayappan Street, Tondiarpet, Madras-21 (and more fully des.

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR, II, Madras on July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ananthalakshmi Ammal & Shri R. S. Ramakrishnan, 32C, Solayappan St., Madras-21.

 (Transferor)
- (2) Shri Y. Munuswamy Chetty, No. 24, Basavian Street, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1 ground & 100 sq. ft.) and building at No. 32C, Solayappan Street, Tondiarpet, Madras-21 (R.S. No. 3721/1).

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 7-2-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th February 1975

Ref. No. F. IX/3/72/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority. under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318 situated at Thambu Chetty St., Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M. K. Muthukumaraswamy & others, 78, 1st Cross Street, V. C. Colony, Ayanavaram, Madras-23.
 (Transferor) (2) Shri M. Abdul Wahid and Smt. Tajul Huda Begum, Nidur, Tanjavur Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (2135 sq. ft.) and building at No. 318, Thambu Chetty Street, Madras-1.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 14-2-1975.

Scal:

(2) Smt. P. Parameswari Ammal, W/o Shri N. Pichandi Mudaliar, 14, Amirthalingaswami Madam St., Vellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th February 1975

Ref. No. F. XXI/15/8/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 186 & 187 situated Chunnambukara Street, Vellore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore on July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. V. S. Shanmugha Mudaliar, S. Jayachandran & S. Manivunnan, No. 187, Chunnambukara St., Vellore. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (4,796 sq. ft.) and building at Nos. 186 & 187, Chunnambukara Street, Vellorc.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 15-2-75

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona, the 3rd March 1975

Ref. No. C.A. 5/July 74/Sholapur/179/74-75.--Whereas, I, H, S. Aulakh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 8286/5, Railway Lines, Sholapur situated at Sholapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 4-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Varis Abdul Ajij Shikh, Railway Lines, Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Jainuddin Kabir Mulla of Degaon, Distt. Sholapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 8286/5, at Sholapur.

Free-hold Old building comprising shops and residential houses at Railway Lines, Sholapur.

Area: 278.7 Sq. Mtrs.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 3-3-1975.

FORM ITNS----

(2) M/s. Evershine Builders, 223 Arun Chambers, Taradeo, Bombay-24.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JV,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 21st February 1975

Ref. No. AP. 203/IAC. AR-IV/74-75.—Whereas I, G. S. Rao,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 142/7/B. S. No. 142 situated at Ambivali (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Jim Rusdin Pvt. I.td. 16/A Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land OR ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-District of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District Now in the Registration Sub-District and District Bombay City Suburban bearing No. C.T.S. number stated in the record of Rights dated 28th November 1969 according to the survey and area measurements made by the District Inspector of Land Records, Bombay, under his No. M.R. 2692(11) to admeasure 4306 square yards, i.e. 3600 square metres or thereabouts bearing Plot No. 142/7/B of Survey No. 142 of Ambivli and which premises are according to the plan attached hereto bounded as follows, that is to say, on or towards the East partly by Plot No. 143/7/B of Survey No. 143 of Ambivli, partly by end of 30 access road and partly by Sub-Station Plot, on or towards the North by Plot No. 142/7/A of Survey No. 142 of Ambivli, on or towards the West by Plot No. 142/8/B of Survey No. 142 of Ambivli and or towards the South by the Village Boundary of Versova.

G. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 21-2-1975.

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd., 16 Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV.

Bombay-20, the 21st February 1975

Ref. No. AP. 204/IAC. AR. IV/74-75.—Whereas, I G. S. Rai (hereinafter referred to as the 'said Act'), being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 143/7/B.S. No. 143 situated at Ambivali

(and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974

Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between Parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s. Evershine Builders, 223 Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land OR ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-District of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District Now in the Registration Sub-District District Bombay City Suburban bearing No. C.T.S. number stated in the record of Rights dated 28th November 1969 according to the survey and area measurements made by the District Inspector of Land Records, Bombay, under his No. M.R. 2692(II) to admeasure 3533 square yards, i.e. 2954 square metres or thereabouts bearing Plot No. 143/7/B of Survey No. 143 of Ambivli and which premises are according to the plan attached hereto bounded as follows, that is to say, on or towards the East by Plot No. 143/6/B of Survey No. 143 of Ambivli, on or towards the North by Plot No. 143/7/B of Survey No. 143 of Ambivli, on or towards the West by plot No. 142/7/B of Survey No. 142 of Ambivli and on or towards the South by the 30' across Road.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 21-2-1975.

(1) Sarabhai Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alkapuri Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/120/5/74-75.—Whereas, I J. Mehra the Inspecting Asst. Commissitioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 104/A/1 situated at Anik Chembur (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece of land admeasuring 9317 sq. yds. or thereabout consisting of flat land admeasuring 4217 sq. yds. and Hilly land admeasuring 5100 sq. yds. and situate in the Village of Anik in the Taluka Kurla of the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District or Bandia in Greater Bombay and bearing Survey No. 104/A/1 Part and bounded the follows: on or towards the North by the property of the Ahmedabad Mfg. & Calico Prtg. Co. Ltd.. On or towards the South by the strip of land on or towards the East by other land bearing Survey No. 104 (part) of Suhrid Geigy Trading P. Ltd. and on or towards the West by land bearing Survey No. 107 (part) and being part of the property of the Ahmedabad Mfg. & Calico Prtg. Co. Ltd. and which piece of land is shown on the plan hereto annexed and bearing thereon shown by boundary lines coloured red.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975.

Scal:

39-26G1/75

(1) Shri Hemraj Lalfi Meisheri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadanand Manjappa Soorenji,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/121/6/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 26 S. No. 7, 8, 9 & 85 situated at Borla & Vadvali
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not, been or which ought to be disclosed by the transferent for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the measure tenament or dwelling house standing thereon situate lying and being at Chembur in the Villages of Vandavil and Beola in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 678.12 sq. yds. equivalent to 566.99 sq. metres or thereabouts being Plot No. 26 nos known as Union Park and being part of land bearing the following numbers.

Vadvali	Survey No.	Hissa No.
,.	7	3
, H	8	2
"	.9	4
" NA Borele	90.	6

and bounded as follows that is to say, on or towards the North by Plot No. 27 of the Union and Land and Building Society Ltd., Housing Scheme, on or towards the South by Plot No. 25 of Union and Land and Building Housing Society Ltd. Housing Scheme; on or towards the East by Jagriti Studio and on or towards the East by Road of Union and Land and Building Society Ltd. Housing Scheme.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975.

(2) Nita Shivkumar Dalmia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR. V/123/8/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissitioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, '1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

Date: 26-2-1975.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ever period expires later;

Gazette.

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming patt of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2162 eq. ft. equivalent to 200.86 sq. metres or thereabouth and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Suburban and bounded as follows:—that is to say ON or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 2137,00 sq. ft. ON or towards the SOUTH also by a portion of the said structure admeasuring 2162 square feet, ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59, and 66 and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay,

FORM ITNS----

(2) Pratap Pragji Hariani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR. V/126/11/74-75.--Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service -of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and, being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1077 sq. ft. equivalent to 100.084 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto one whether the property of the plan hereto constants. boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay city and Bombay Suburban and bounded as follows:—that is to say ON or towards the EAST by a portion of the said structure atmeasuring 1052.9 sq. ft. ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land shown in brown colour on the plan here-to annexed forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66, ON or towards the NORTH also by a portion of the said structure admeasuring 1081 sq. ft. and ON or towards the SOUTH by a portion of the said structure admeasuring of the said structure admeasuring 1081 sq. ft. and ON or towards the SOUTH by a portion of the said structure admeasure. wards the SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 1077 sq. ft.

> J. M. MEHRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975.

Scal:

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Himansu Vrajlal Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR.V./129/14/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and begging No. Survey

No. Plots No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bombay on 2-7-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105 sq. ft. equivalent to 195.65 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan annexed hereto, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Suburban and bounded as follows:—that is to say ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land forming of the land bearing plot Nos. 53, 54, 59 and 66 On or towards the South by also by a similar strip of unbuilt land and ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.8 sq. ft. On or towards the EAST By a portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. feet.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975.

Scal:

(2) Shri Rajsoni S/o Lekhsoni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/136/21/74-75,---Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissitioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 130/3 (Pt.), 4 (Pt.) 131/1 (Pt.), 4 (Pt.), 5 (Pt.), 111 (Pt.) situated at Nahur, Muland

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 23-7-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the purposes of the Indian for Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Rev. fr. Velerian Godinho.

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in (b) by any said the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT PLACE or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur, Mulund (West) in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration sub-District of Bombay and Bombay Suburban admeasuring 224 sq. yds. or 137.3 sq. metres bearing City Survey No. 550 (Part) and bounded as follows:—On the North partly by sub-divided Plot No. 8-B and partly by the sub-divided Plot No. 8-C on the South by 444 wide Development plan Road, on the West by Sub-Blot No. 8-A and on the Fact by Sub-Blot No. 8-D. by Sub-Plot No. 8-A and on the East by Sub-plot No. 8-D.

J. M. MEHRA

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975.

(Transferor) Seal:

(1) Shri Ratansi Karsondas & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Indus-(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-20, the 26th February 1975

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

Ref. No. AR.V/140/25/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissitioner of Income Tax, Acquisition

> the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Range V. Bombay,

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (New) of Village Kanjur Bhandup now in greater Bo mbay formerly in the Registration sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration of the Regis tion Sub-District and District Bombay City and Bombay Suurban and admeasuring 2608.72 sq. metres or thereabouts i.e. 3120 sq. yds. being plot No. 5 of the private Layout Scheme Sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing survey No. 180 Hissa No. 5 on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plot Nos. 11 and 12 of the said scheme on the South by plot No. 6 of the said Scheme and on the North by Plot No. 4 of the said Scheme.

being the Competent Authority under Section

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-V, Bombay.

J. M. MEHRA

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 104 (New), Plot No. 5 situated at Kanjur Village

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 26-2-1975.

Scal:

(2) M/8 Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/141/26/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 6 situated at Kanjur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (New) of Village of Kanjur, Bhandup (Now in greater Bombay) formerly in the Registration Sub—District Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub—District of District Bombay Compand Bombay Suburban and admeasuring 2586.5 sq. metres of thereabouts being Plot No. 6(six) of the private Layout Scheme sanction by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing Survey No. 180, Hissa No. 5, on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plot Nos. 12 and 13 of the said Scheme and on the North by Plot No. 5 of the said Scheme and on the North by Plot No. 5 of the said scheme.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Ratansi Karsandas & Ors.

Date: 26-2-1975

(2) Western Mechanical Industries P. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX' ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/141/34/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra. being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 64, 63, 66, 72 & 73 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra, Bombay on 25-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely: -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

ALL THOSE piece or parcels of lands situate lying and being at Mouje Nahur, Taluka Kurla, Bombay Suburban District, in the Registration Sub-District of Bandra, bearing the following description as per Record of Rights:-

Survey No. 64 Part

Area.

63 Part

66 Part

Part 73 Part

3357.78 sq. metres-4016 sq. yds.

J. M. MEHRA. Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay.

(1 Ansibaj Umedmal & Ors,

Date: 26-2-1975

Seal:

(Transferor)

FORM 1.T.N.S.—

(2) M/s Sardar Prompsingh Laxmidas Estate & Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/139/24/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 4 situated at Kanjur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (new) of Village Kanjur Bhandup now in Greater Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and Admeasuring 2508.39 sq. metres of thereabouts i.e. 3000 sq.yds, being plot No. 4 of the Private Layout scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing survey No. 180, Hissa No. 5 on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plots No. 10 and 11 of the said Scheme on the South by Plot No. 5 of the said scheme and on the North by Plot No. 3 of the said scheme.

J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Ratnasi Karsandas & Ors.

Date: 26-2-1975

Seal:

(Transferor)

 Palakuri Suryanarayanana,
 P. Kalidas, Iron Merchant, Kothagraharam, Vizianagaram,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

Kakinada, the 26th February 1975

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. J.No.(83.VSP)/74-75—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. New Survey Nos. 100(1),99(8)103(2)100(3) situated at Gajularega Vizianagaram 1q.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the at Vizanagaram on 25-7-74 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land situated in the village Gajularega, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District to the extent of 5-03 rents out of Ac. 6-18 cents bearing New Survey Nos. 100(1) 99(8) 103(2) and 100(3).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

 The President, State Bank of India Staff Co-Operative Building Society Ltd., Vizianagaram.
 (Transferor)

Date: 22-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)-OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ratansi Karsandas & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V. BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/138/23/74-75—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 104 (New), Plot No. 3 situated at Kanjur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104(New) of village Kanjur, Bhandup now in Greater Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and admeasuring 2508.39 sq.metres of thereabouts (i.e. 3000 sq.yds.) being plot No. 3 of the Private Layout Scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing Survey No. 180, Hissa No. 2 (part) and land bearing Survey No. 180, Hissa No. 5 (part). On the West by Plot No. 2 of the said Scheme and 44 feet wide private road and thereafter by plot No. 10 of the said Scheme, on the South by plot No. 4 of the said Scheme, and on the North by portion of land bearing Survey No. 104(New) (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975

(2) Himanshu Vrajlal Parikh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V. BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR. V/137/22/74-75,—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.No.92/2 Plot Nos. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur, Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66, situate, lying and being at Village Nahur, near Muland in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1052.9 sq. feet equivalent to 97.83 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red-coloured boundary lines on the Plan hereto annexed which place or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded us follows that is to say, ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plot Nos. 53, 54, 59 and 66 and ON or towards the SOUTH by also by a similar strip of unbilt land, and ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. feet and ON or towards the EAST by portion of the said structure admeasuring 1020, 2166, 2166 and 2166 sq. ft. respectively.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 28-2-1975 Seal:

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/132/7/74-75—Whereas, I. J. M. Mehra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. Plot No. 8-A S. No. 130/3 (part, 4(part) 131/1 (part), 4(pt.) 111 (pt.) situated at Nuhur, Mulund and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 23-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Rev. Fr. Velerian Godinho.

(Transferor)

(Fransieror)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of non-agricultural Plot No. 8 admeasuring about 3774 sq. yds. equivalent to 3155 sq. metres or thereabouts and bearing Sub-divided Plot No. 8 as sanctioned under No. CE/78/BSI/LO-T of 2-4-1970 by the Bombay Municipal Corporation situate lying and being at Nahur Mulund (W) in Kurla Taluka of Bombay Suburban District T-Ward in the Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and forming part of Jand bearing Survey No. 130 Hissa No. 3 (Part), 4 (part) Survey No. 131 Hissa No. 1 (part) 4 (part) 5 (part) and Survey No. 131 Hissa No. 1 (part) 4 (part) 5 (part) and surrounding of the said plot are as under; On or towards the East by Plot No. 9, on or towards the West partly by Plot No. 4 and partly by plot No. 5 On or towards the South by 44 feet wide Development Plan Road and on or towards the North by Plot No. 7.

J. N. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-2-1975

(Transferee)

Seal:

(2) Sharma Construction Co.

(1) Minerva Dealers P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kusum Pratap Hariani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/127/12/74-75—Whereas, I. J. M. Mehra, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. Plot Nos. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59, and 66, situate, lying and being at Vilage Nahur near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1077 sq. ft. equivalent to 100,084 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows:— that is to say, On or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. On or towards the WEST by a strip of unbuilt land shown in brown coloure on the plan hereto annexed forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66, On or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 1077 sq. ft., and On or towards the SOUTH by a portion of the structure admeasuring 1081 sq. ft.

J. M. MEHRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAYAN M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/131/16/74-75.--Whereas, J. J. M. Mehra the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (heremafter referred as 'said Act' have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8-D, City Survey No. 550 (Pt.) situated at Nahur-Mulund (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 23-7,1974, for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Rev. ft. Veletian Godinho.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Keshavji Somaiya, Chief Promoter, The Muland Hare-Krishna Co-op. Hsg. Society. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of non-agricultural plot No. ALL 1HA1 piece of parter of non-agricultural piot and subjects to join survey admeasuring about 3774, sq. yds. equivalent to 3155 sq. metres or there abouts bearing subdivided Plot No. 8 as sanction under CE/78/BSI/LO-T of 2-4-1970 by the Bombay Municipal Corporation situated and lying at Nahur Mulund (W) T-Ward in the Registration of Bandon in the Bombay Suburbay District Sub-District of Bandra in the Bombay Sul the surroundings of the plot are as under: Suburban

To the East-Plot No. 9-A, 9-B, 9-C of the same layout. To the West-Plot No. 5 of the same layout,

To the South--44'-8" wide Development Plan Road and to the Plot No. 3 and 7 of the same layout,

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V.

Bombay

Date: 26-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1975

Ref. No. PR.191/Acq.23-293/19.1/7475.—Whereas, P. N. MITTAL.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. p.esent Survey No. 231, Paiki No 254 Paiki and No. 256 Paiki situated at Bardoli, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 20-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

41-26GI/75

(1) Khughalbhai Morarji Patel, Indukumar Ramjibhai Patel.
Dilipkuma, Indukumar Patel—self & HUF.
Bachubhai alias Swarajyakumar Khushalbhai Patel—self & HUF.
Shan'aben Bachubhai alias Swarajyakumar.
Minors—Rekhaben Bachubhai, Sunitaben Bachubhai, Jaykumar Bachubhai by natural guardian Shantaben B.
Nayanaben Bachubhai Patel.
Kusumben Indukumar Patel.
Minors—Maheshkumar Indukumar and Radhikaben Indukumar—by ratural Guardian Kusumben T.
Shobhamaben Indukumar Patel.

(Transferors)

(2) Rambaug Co-operative Housing Society Ltd.
Bardoli—through President—Manibhai Galalbhai
Patel.
Secretary—Maganbhai Nathubhai Patel—Bardoli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing present Survey No. 231 paiki, No. 254 paiki and No. 256 paiki admeasuring (a total area of) 15972 sq. yards (132 Cunthas) situated at Ramwadi, near Astan Railway Crossing, Bardoli, Dist. Surat, as mentioned in the registered deeds No. 2802 to 2806 of July 1974 and 3558 to 3559 of September 1974 of the Registering Officer, Bardoli.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 4th March 1975, Seal:

(Person in occupation of the Property)

FORM ITNS-

(3) M/s. Bokar Bros.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/119/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 83, H. No. 7(pt) situated at Trombay Road, Borla (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 6-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shi Shivabhai Pethabhai Pekar.

(Transferor)

(2) Shri Zaverchand Liladhar Shah.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land admeasuring 1321-04 sq. mets. equivalent to 1580 sq yds. of the Survey No. 83, Hissa No. 7 part, situate at Village Borla, Sion Trombay Road, in Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and bounded as follows :-

On or towards the North Hissa No. 4 and Building namely Moti Baug. On or towards the South by Sion-Trombay Road, On or towards the West by Hissa No. 8 in the possessions of Polysteel Fabricators. On or towards the West by Leaset's land in the possession of a scrap Daler namely Mannanwar Hussein.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay

Date: 26-2-1975

(Transferee)

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh Shivkumar Dalmia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Shailesh Shivkumar Dalmia.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

(Person in occupation of the Property)

Bombay-20, the 28th February 1975

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.V/124/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

being the competent authority under section 269B of the Income Tax section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 53, 54, 59 and 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule appointed beauty). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

> > in that Chapter.

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

THE SCHEDULE

Bombay on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

> ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund, in Greater Bombay together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105.8 sq. fet equivalent to 195.65 sq. metres on the paraboute and shown bounded by black and red coloured or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boursdary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows: that is to say say ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt and forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66 ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land formbuilt land. ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 2105.8 square feet, ON or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 2105.8 square feet, ON or towards the EAST by a portion of the said the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Date: 28-2 -1975

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 1st March 1975

Ref. No. Acq. File No. 161/74-75 J. No. VSP.86/74-75.—Whereas, I, K. SUBBARAO,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 983, Plot No. 45, Kirlampudi Town Planning Trust lay out Waltair ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 31-7-74.

for an aappearent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ojili Narasa Reddy, Allur, Nellore District. (Transferor)
- (2) J. Smt. Gita Krishna Mukari, W/o Sri S. M. Krishna Kumar. 2. D. M. Deva Kumar Reddy. 3. Sri M. Vinod Kumar Reddy. (Transferee)

(3) Shri M. R. Reddy, General Manager, F. F. Railway, Gauhati-11 (Assam).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist,—Visakhapatnam Sub-Registrar—Kirlampudi lay out Town Planning Trust, Sanjivayyanagar, T. S. No. 983—Plot No. 45—Waltair ward—Unlinished residential building with completed construction upto the ground floor plinth level with a total plinth area of 2350 Sq. ft. (218 sq. mts.) including the basement portion of an area of 871 Sq. ft. (80—83 Sq. mts.) consisting of three main rooms with 2 attached bath rooms and a kitchen and stores together with a site of 1683 Sq. Yds. with electricity and water connections.

BOUNDARIES

East: Plot No. 44 House of Sri M. R. Reddy

South: Plot No. 30

West: Plot Nos. 46A and 46B

North: Municipal Road.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 1-3-75,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC No.120/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-87, Portion situated at Ashoknagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga in Hyderabad on 25-7-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sri R. Somasundar Rao, S/o R. Somiah, R/o H. No. 1-10-87, at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shantarani, W/o Nandansingh, 21-3-266, Charmahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

perty may be made in writing to the undersigned-

- of the aforesald persons within a (a) by any period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of the building No. 1-10-87 at Ashoknagar, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1975

FORM ITNS----

(2) Shri N. E. Subramaniam Pillai, S/o, Shri N. Chinnupillai, Kuthakakarai, Anaikaranchatram Post, Coleroon

('Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 3164/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. situated at Vaduganathan Talkies, Anaikaranchatram Post, Coleroon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirkali (Doc. No. 1934/74) on July 1974 for an apparate consideration which is less than the 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason Coleroon,

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by have not the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri V. D. Subbiah Chettiar, S/o Shri Vaduganathan Chettiar, Valayapatti P.O., Pudukottai Dist.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

perty may be made in writing to the undersigned-

later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot (with cinema theatre) measuring 42.8 cents and bearing R. S. No. 70/1 situated at Anaikaranchatram village, Coleroon.

> A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 3-3-1975.

the

notice in

days from the

in

said

FORM ITNS---

(2) Shri S. Gurunathan Chettiar, S/o Shri Sankaralingam Chettiar, Pasupathy Street, Mayuram.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned:—

ever period expires later;

(b) by any other person interested

Official Gazette

immovable property, within 45 date of publication of this

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th March 1975

Ref. No. 3169/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 1468, 1469 situated at III Ward Mayuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. No. 101/74) on 24-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rablyutheen, S/o Shri Kader Sahib, Alangudi, Chidambaram Taluk.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons which-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 70 cents (with cinema theatre) and bearing T. S. No. 1468 and 1469 in III Ward, Mayuram.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 4-3-1975.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 6th March 1975

Ref. No. 2247/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF 529/3A situated at Perumughai village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gobichettiapalayam, on 8-7-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Dr. K. S. Shanmugam, No. 27/10 Cowley Brown Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) Shri S. K. Shanmugam, S/o Shri N. Kuppusami Grounder, Perumughai Pudur, Perumughai village, Gobi Taluk.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

7 acres of land bearing S.F. No. 529/3A situated in Perumughai village, Gobi Taluk.

> A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 6-3-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S, K. Shanmugam, S/o Shri N. Kuppusami Gounder, Perumughai Pudur, Perumghai village, Gobi Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th March 1975

Ref. No. 2247/74-75,—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No SF No. 529/3A, situated at Perumughai village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam on 8-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. K. S. Shanmugam, No. 27/10 Cowley Brown Road, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.20 acres of land bearing S.F. No. 529/dA situated in Perumughai village, Gobi Taluk.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 6-3-1975,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 1360/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 '(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75, situated at Lal Mohammed Street, Chepauk, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras on 26-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (-1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Naraindas & 2. Shri Naraindas, 75, I al Mohamed St., Chepauk, Madras-5. (Transferor)
- (2) Shri A. Haja Mohideen 198, Kamalia Street, Ayyampet, Tanjore District.

Date: 6-3-1975.

Seal:

(Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 1919 Sft. and bearing S. Nos. 2924/8 and 2924/19 situated at No. 75, Lal Mohamed Street, Triplicane, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6,

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 1421/74-75.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

41, situated at Kamaraj Avenue, Adayar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saidapet, Madias on 11-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Smt. Hema C. Kumar by her agent Shri L. L. Narayanan, No. 4, George Avenue, K. R. Iyengar Road, Madras-18.

(2) Dr. K. Krishnamurthy, No. 41, Kamaraj Avenue, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications (a) by any of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.5 grounds (with building) situated at Door No. 41, Kamaraj Avenue, Adyar, Madras.

> A. RAGHAVENDRA RAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 6-3-1975.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISCITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 3rd March 1975

Ref. No. AR.V/130/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Old S. No. 73, New S. No. 210 H. No. 1 situated at Bhandup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 20-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Steels & Metals Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Vishal Construction Co. (P) Ltd. (Transferee)

Date: 3-3-1975.

sferee) Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land situated at Bhandup in Greater Bombay, Pot Takdi Bandra, Taluka Bandra, Taluka South Salsette, Dist. Bombay Suburban, bearing Old Survey No. 73 and New Survey No. being 210, Hissa No. 1 containing by admeasurement 8314 sq. yds. equal to 6950 61 sq. metres and which is bounded as follows: NORTH: The Land of Survey No. 212, SOUTH: Nala and Govt. West Lands, EAST: Car-Tract and lands Survey No. 211, WEST: Nala and Govan.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

(2) M/s, Cadbury-Fry (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR-I/880-10/Jul. 74.—Whereas, I. R. G. NERUR-KAR, the Inspecting Assist. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 8, C.S. No. 8/738 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Bhulabhaj Desai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at SubRegistry, Bombay on 23-7-1974 for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nowroji Jehangir Gamadia.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of Pension and Tax Tenure being Plot No. 8 of Gamadia Estate containing by admeasurement 2439.81 sq. metres or thereabouts equivalent of 2918 sq. yards or thereabouts and situate at Bhula bhai Desai Road (formerly Warden Road) in the City and Island of Bombay and Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban being a portion of a larger piece of land which is registered by the Collector of Land Revenue under New Ns. 3158, 86, 247, 930, 2426, 1652, 1653, 2967, 1864, 2115, 2157 and 2273 (part) Laughton's New Survey No. 7096 (part) and C.S. No. 738 (part) Malabar & Cumballa Hills Division and bearing Cadastral Survey No. 8/738 of Malabar and Comballa Hills Division together with the buildings erections and structures standing thereon which said premises are assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates & Taxes, the Municipal Corporaton of Greater Bombay, under 'D' Ward No. 3538 (2)(5) Street No. 2A, 2B, G. Deshmukh Marg (part) and are bounded as follows: that is to say on or towards the NORTH by Plot No. 9 of the said Gamadia Estate bearing Cadastral Survey No. 7/738 of Malabar and Cumballa Hills Division on or towards the EAST by a Road 40 feet in width forming part of the said Gamadia Estate on or towards the SOUTH by Plot No. 7 of the said Gamadia Estate and on towards the WEST by Bhulabhai Desai Road.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 4th March, 1975.

(2) Shrimati Badami Devi Sonthalia, 4B, Little Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-123/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 8 on

and bearing No. Flat No. 8 on 8th floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on

5-7-74 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia, 110, Dr. Meghnad Saha Saranı, Calcutta-29.

(Transferor)

Date: 27-2-1975.

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 8th floor together with one servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court situated at 140, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. I-4000 of 1974 registering by the Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Calcutta-16.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Vijoy Devi Bermecha, C.I.T. Scheme-47, Calcutta-27,

(Transferee)

(3) Shri Ashok Baid.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ac-122/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. No. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 1 on 2nd floor situated at 110, Dr. MeghnaJ Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 20-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia, 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29.

(Transferor)

and a car parking space in the building known as 'Southern Court' situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

> L. K. BALASUBRAMANIAN. Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Calcutta-16.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined irs Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 2nd floor together with one servant's quarter

as per deed No. I-4337 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

Date: 27-2-1975.

Nichalkar, 353,

FORM ITNS----

(2) (1) Shri Ismail Hussainsaheb Begaum Peth, Sholapur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 4th March 1975

Ref. No. C.A. 5/July 74/Sholapur/180/74-75.—Whereas, I H, S. AULAKH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 47 & 48, S. No. 19/1, 19/2-B, situated at Karamba, Sholapur Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis. tering Officer

at Sholapur on 22-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Agricultural land at Mouje Karamba, Dist. Sholapur

Gat No.	Survey No.	Area
47 48	19/1 19/2-B	H.R. 5—31 2-37

H. S. AULAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona,

- (1) (1) Shri Kısan Baburao Patil
 - (2) Shri Kedarji Kisan Patil
 - (3) Shri Bhagwan Kisanrao Patil
 - (4) Shrı Tatyasaheb Kisan Patil

 - (5) Smt. Kondabai Kisan Patil(6) Smt. Prayagbai Bhagwan Patil (7) Shri Chabhan Kedarji Patil
 - (8) Smt. Shobha Tatyasaheb Patil-all at Karamba Village, Dist. Sholapur.

(Transferor)

Date: 4-3-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 28th February 1975.

Notice No. 71/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A. R. No. 3251 and Khata No. 129/2 situated at Subhas Chowk, Hassan Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan under document No. 3050 on 29-7-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43-26 GI/75

- (1) (1) Shri H. R. Shankaranarayan, S/o Late H. V. Rangaswamy, Subhas Chowk, Hassan. and
 - (2) Kumar H. S. Shrikant. M/G Father Shri H. R. Shankaranarayan, Subhas Chowk, Hassan. (Transferor)
- (2) R. ALI, S/o. ABDUL RAZAK, Hotel Keeper, Shariff Colony, Holenarasipur Road, Hassan.

(Transferee)

(3) Shri M. Vyasaraya Ballal,

Proprietor: Krishna Bhavan, Subhas Chowk, Hassan Town.

[Person(s) in occupation of the property and person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied Building including site, open space, out-House and other Appurtenances in A. R. No. 3251 and Khata No. 129/2, situate on Municipal Road, Subhas Chowk, Hassan Town and Bounded:

On the East: By Municipal Office;

On the West; By a wall Built between Shri Murughan Wood works, a workshop belonging to the Transferor and a House let out to Shri M. Vyasaraya Ballal for Godown, and the Ground Floor of the shop namely "Prabhakar cycle Mart", fallen to the name of Smt. Laxmi Devamma.

On the South: By Subhas Chowk and On the North: By Kattinkere Walai.

R. PARTHASARATHY.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Dharwar,

Date: 28-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V.

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.

BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR. V/135/20/74-75,—Whereas, I. J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Plot No. 23/A situated at Mulund (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daksha Dharamsey Hirji & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Madhavji Hirji & Ors,

(Transferee)

- (3) (1) Babulal Rayshi
 - (2) Damii Velji
 - (3) K. Sarasama
 - (4) Keshavji Raghavji
 - (5) Shantilal Premji
 - (6) Mulund Kerala Samajam
 - (7) Gangabai Dharamsy
 - (8) Kulbhushan Sable
 - (9) Jamnadas Lalji

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises with the messuages, tenament or dwelling house standing thereon situate lying and being at Ramratan Trivedi Road, Mulund (W). Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, Now in the Registration Sub-District and Dist of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1000 sq. yds. equivalent to 673.2 sq. metres, or thereabouts bearing C.T.S. No. 1158 and plot No 23A and bounded as follows: that is to say, On or towards the East by the property belonging to Velji Jethabhai and others, On or towards the West by Kanji Jhadhayji Sanatorium, On or towards the North by the property belonging to Pradhan Udeda and On or South by the Ramratan Trivedi Road.

J. M. MEHR A.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V.

Bombay.

Date: 4-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindustan Builders Represented by its partners one Sri Bansarsilal Gupta, S/o Sri Murarilal Gupta, R/o Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref No. RAC No. 129/74-75—Whereas, I, K. S. Ven-Kataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-250 to 257 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 30-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Hindustan Housing Company Ltd. at 51 Mahatma Gandhi Road, Bombay, General Power of Attorney Agent, Sri Birdhichand Choadhary resident at Hyderabad.

(Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 5-9-250 to 257, with double storyed-building open space measuring about 2600 sq. yds, at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date . 6-3-1975

(2) Dr. Mrs. A. Laxmi, W/o Dr. A. Shivaji Rao, H. No. 1-10-123/1, Ashok Nagar, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Hyderabad, the 6th March 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 122/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 First Floor, situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Associated Builders, and Real Estate Agents, C/o M/s. Totaram Sagarlal & Sons, Abids, Road, Hyderabad. Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property: Plot No. 1 first floor, Municipal No. 5-8-512 to 517-A Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 6-3-1975

Seal:

(Transferor)

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 127/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 5-1-482 to 484 Portion situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-7-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Manhor Rao Gangakhedkar, S/o Narayanrao Ghankakhedkar, R/o H. No. 5-1-483, at Jambagh-Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Hind Kishore S/o Balaram Singh, R/o Uppar Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: A portion of house No. 5-1-482 to 483 and 484 at Jambagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 6-3-1975

(2) Dr. Mrs. A Laxmi, W/o Dr. A. Shivaji Rao, H. No. 1-10-123/I. Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 121/74-75.--Whereas, 1 K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have teason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 2 situated at First Floor, Chirag Ali Lane. Hyderabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 15-7-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the Parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) M/s. Associated Builders, and Real Estate Agents, C/o M/s. Totaram Sagarlal & Sons, Abids, Road, Hyderabad.

(Transferor)

Date: 6-3-1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Premises No. 2 first floor all the piece of land or ground situated at Chirag Ali Lane, Hyde abad beating Municipal No. 5-8-512 to 517-A formed out of 3000 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderahad.

(2) Smt. Ushaben Kannubhai Patel. 14-2-332,/8 Gyanbagh Colony, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 118/74-75,--Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fini market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14 situated at Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 30-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Tokarshi Lahi Kapadia Family Trust per Trustee Sri Tlkarshi Lalji Kapadia, H. No. 6-3-660, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property: Plot No. 14, situated at Basheerbagh Palace area, Basheerbagh, Hyderabad. Area: 816.57 sq. yds.

East: Neighbours house in Plot No. 13.

West Lane.

North: Brick wall and open space,

South: Neighbours house No. Plot No. 15.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Troop Bazar, (2) Dr. G. Vithal Rao, S/o Veeranna, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 128/74-75. Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269D of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-663, situated at Troop Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Hyderabad on 17-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reswhichever period expires pective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Municipal No. 4-1-663, at Troop Bazar, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

(1) (1) Shri Mir Rahmath Ali, S/o Nawab Mir Uusrath Ali Shabeb and others, at Komatiwadi, Hyderabad.

(Transferor)

Date: 5-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 117/74-75.—Whereas, I, K. S.VEN-KATARAMAN,

Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-5-201/1 situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Secunderabad on 10-7-1974

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Samudrala Ganesh S/o Sri S. Rajiah, R/o House No. 7957, Rani Gunj, Secunderabad. (Transferor) (2) Smt. Usha Kiran Dhanda W/o Sii R, C. Dhanda H. No. 136/17. Prenderghast, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All the house property No. 5-5-201/1 Ranigunj, Secunderabad and bounded by :

East; By Building No. 7828 West: Open Municipal land

North: Open land

South: Common wall between B. Shankariah and S.

Ganesh.

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1975

Scal:

44-26GI/75

 Sri Bansipershad Srivastava, S/o Kishanpershad Srivastava, at Lower Dhooplet, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 126/74-75.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 5-1-482 to 484 situated at Portion Jambagh, Hyderabad and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sri Shamsunder Rao,
 (2) Sri Laksmanrao Gangakhedkar & 3 others,
 H. No. 1-8-519/11, at Chikadpally, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of the House No. 5-1-482 to 484 at Jambagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-3-1975

Scal:

(Transferor)

Form I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1611/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property (having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Kot Khalsa Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate producings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri Gian Chand s/o Thakar Dass, 139 Defence Colony, Amritsar. (Transferor)

Date: 28-2-1975.

Seal:

- (2) M/s. Ravi Finance Chit Fund & Co., Nawan Katra, Dal Mandi, Amritsar. M/s. Parvesh Steel Industries. Putlighar, Amritsar, M/s. Screw Factory, Putlighar, Amritsar & Shri Joginder Singh s/o Bawa Singh Gali No. 4 Amar Kot, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deeds Nos. 1432 & 1433 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

(2) Dr. G. Vithal Rao, H. No. 5-1-556, at Troop Bazar Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 124/74-75,--Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Inconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-665 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and proper fully described in the Schedule approach bases)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Municipal No. 4-1-665, at Troop Bazar, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

(1) (1) Shri Mir Rahmat Ali, and others. 22-2-133 at Komti Wadi, Hyderabad.

Date: 6-3-1975 Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR. V/134/19/74-75,—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 4, Hissa No. 4 situated at Mouje, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-7-1974 at Bombay on 26-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saralabai J. Gawode,

(Transferor)

(2) Ramaniya Co-op. Housing Society Ltd.

d, (Transferec) Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT 1/2 share right title and interest in the piece and parcel of land bearing Survey No. 4, Hissa No. 4 now bearing City Survey No. 725 of an area of about 1875 1/2 sq. yds. i.e. 1565.77 sq. metres or thereabouts situate lying and being Mouje Mulund in Registration Sub-District Dictrict of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows:—

that is to say On or towards the North by Survey No. 4, Hissa No. 5. On or towards the South partly by Survey No. 4. Hissa No. 2 and partly by survey No. 4 Hissa No. 1 and partly Survey No. 4, Hissa No. 5. On or towards the East by the property of Rutan Prashant. Co-operative Housing Society Limited and On or towards the West by the Survey No. 4. Hissa No. 3 and shown on the Plan hereto annexed and shown surrounded by red coloured boundary line.

J. M. MEHR A,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date: 4_3-1975

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR.V/(133/18)/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

- S. No. 4, H. No. 4 situated at Morije, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
- at Bombay on 25-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dattatraya Ganesh Gawade,

(Transferor)

(2) Ramniya Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said hmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT 1/2 share right title and interest in piece and parcel of land bearing Survey No. 4, Hissa No. 4, of an area of about 1875 1/2 sq. yds. i.e. 1578.11 sq. metres or thereabouts lying and being at Mouje, Mulund in Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban and bounded as follows:—that is to say On or towards the North by Survey No. 4, Hissa No. 5, On or towards the South by Survey No. 4, Hissa No. 2, and partly by Survey No. 4 Hissa No. 1 and partly Survey No. 4, Hissa No. 5, On or towards the East of the property of Nutan Brasant Co-operative Housing Society Ltd. and On or towards the West by Survey No. 4, Hissa No. 3, and shown on the plan hereto annexed and shown surrounded by Red coloured boundary line.

J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay

Date: 4-3-1975.

Seal : '

 Sri Bahadurmal, S/o Late Jaidyalai, H. No. 21-6-740 Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 123/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being

the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-7-268/A situated at Dewan Devdi, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 31-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lateefunissa Begum, W/o late Syed Hasan Pasha, H. No. 6-2-6 Lakdikapul, Hyderabad. (Transferor) 2. Smt. Pushpabai. W/o Sri Balmukand H. No. 21-6-739 Chelapura, Hyderabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All that property total area 1740 Sq. Yds. forming part of the premises bearing M. No. 22-7-268/A at Devan Devdi, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-lax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 6-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 125/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-1-482 to 484 situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Laxman Rao Gangakhedkar S/o Sri Narayanrao Gangakhedkar, late at Troop Bazar, Hyderabad,

(Transferor)

 Sri Kripashankar S/o Sri Balaramsingh, Uppar Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of house No. 5-1-482 to 484 at Jambagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-3-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nand Singh, S/o Babu Singh, H. No. 21-3-266. at Punchi Burage, Opp. to Police station Musabowli, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 119/75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-87 Portion situated at Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 25th July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of building north side No. 1-10-87, at Ashoknagar, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

(1) Sri R. Soma Sunder Rao, S/o R. S. Sambiah. H. No. 1-10-87 Ashoknagar, Hyderabad. (Transferor)

Date: 5-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, S. K. S. Mohamed Salaluddin, M. A. Nijamuddin & Azisuddin Ahamed, Cumbum P.O. Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 26th February 1975

Ref. No. F.X/3/4/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. 1482/1 situated at Bodi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bodi on July 1974

apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11 acres and 3 cents in S. No. 1482/1 at Bodi village.

> K. V. RAJAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

(1) Shri A. S. Natarajan, Bodinayakkanur P.O. Uthamapalayam Tq.

(Transferor)

Date: 26-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-710/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar Bahri s/o Shri Dharampal Bahri, WK-185, Ajit Pura, Jullundur.

(Transferor)

(2) (i) Shrimati Shukla Rani w/o Shri Ram Paul Gupta, B-2, Chanan Nagar, Jullundur (ii) Ved Kumari, w/o Shri Tilakraj Aggarwal, B-2, Chanan Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the registered deed No. 2865 of June-1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date: 17-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ret. No. AP-711/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the said Act to the following persons namely:

(1) Shri Girdhar Lal Chopra s/o Shri Dulo Ram, EK-90, Shivraj Garh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagadish Kumar s/o Shri Har Chand. NK-213, Charanjitpura, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the registration deed No. 2414 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 17-3-1975,

(2) Smt. T. M. Kadcejakutty, D/o Muhamed, Kovilavattom. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 3rd March 1975

Ref. No. LC. 29/74-75.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 1763/1 situated at Jews Street Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ernakulam on 5-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Sri Hameed, S/o Sri A. K. Mammu, Alunka-parambil, Ernakulam.
 (ii) Sri Muhamed Ali, S/o Sri A. K. Mammu, Alunkaparambil, Ernakulam.
 (iii) Sri Mohamed Usman, S/o Sri A. K. Mammu, Alunkaparambil, Ernakulam.
 (Transferora)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land with building in Sy. No. 1763/1 at Jews Street in Ernakulam Village in Ernakulam District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 3-3-75.

- (1) Smt. Prativa Lahiri.
- (Transferor)
- (2) Smt. Smrltikana Dev.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st March 1975

Ref. No. AC-204/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 716 Bangur Avenue, situated at Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances on 15-7-74 at Calcutta for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly three storied and partly two storied brick dwelling house with land thereunto belonging containing an area of five cottahs two ch. and thirtyseven sq. ft. corresponding with .095 Satak a little more or less situate at Plot No. 98 of Block 'D' Bangur Avenue, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 1-3-1975.

PART III—SEC. 1] THE GAZETTE OF INSTANT

FORM ITNS———— (1) Sova Chand Agarwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Sushil Kumar Banik.
 - (fi) Nityandadas Banik.
 - (iii) Premananda Banik.
 - (iv) Subodh Ch Banik.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. AC-2050R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S, Bhattacharyya,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 26/4. Raja Brajendra St., situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 25-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent- of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two, three and four storied bu'lding on land area about 3 K. 7 Ch. 28 Sa, ft at 26/4, Raja Brajendra St. Calcutta, within the Calcutta Corporation.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 18-2-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. CALCUITA

Calcutta-16, the 26th February 1975

Ref. No. AC-203/R-IV/Cal/74-75,—Whereas, I, S., Bhatta-charyya,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

80 Jamunalal Bajaj St. situated at Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Resisters of Assurances Colcutte on 31-7-1974

Registrar of Assurances, Calcutta on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the tollowing persons, namely:—

- (2) 1. Mohammed Yusuf Molla
 - Mussamat Jannat Begum. 3, Mukhtar Ahmed Mallan,
 - 4. Iftekhar Mahamood, all of 26, Colootala St. Calcutta-I. (Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenanted building with land measuring 2 Katha and 33sq. ft. being a portion of 80 Jamunalal Bajaj St. Calcutta-7.

S. BHATTACHARYYA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,

Date: 26-2-1975,

Seal;

(1) Shri Biswa Ranjan Bysack,

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, Madras-6

Madras-6, the 17th March 1975

Ref. No. F. XII/18/4/74-75-Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs 25,000/ and bearing No. 178 situated at Mani Nagar, 4th Street. Palamcottah Road, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin on 4-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

namely :—
46—26GI/75

- (1) M/s. T.A.K.P. Sankaralinga Nadar,
 T.A.K.P. Ramaswamy Nadar,
 T.A.K.P. Krishnamoorthy Nadar &
 T.A.K.P. Murugesa Nadar, Virudhunagar.
 (Transferor)
- (2) Shri A.S. Gurusami Nadar,S/o. Shri Shanmughasundara Nadar,52. North Cotton Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1 acre) and building (1673 sq. ft.) at Door No. 178. Muninagar, 4th Street, Palamcottah Road, Tuticorin.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 17-3-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-712-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land 23 kanals & 6 marlas situated at vill. Sarhal Kazian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshaher in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

 Harbans Kaur d/o Shri Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, P. S. Banga Teh, Nawanshahar Distt, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Harbans Singh s/o Shri Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, Teh. Nawanshahar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 kanals and 6 marlas situated at village Sarhal Kazian P.S. Banga Tch. Nawanshahar Distt, Jullundur as mentioned in the Registration Deed No. 2367 of July. 1974 of the Registering Authority, Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-713-74---Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Gatti Pirbax, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Singh s/o Suder Singh s/o Punjab Singh, Vill, Gatti Pirbax, Teh, Nakodar, Distt, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shangar Singh & others ss/o Banta Singh s/o Buta Singh R/o Vill. Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property],

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 33 kanals and 14 marlas situated at Village Gatti Pirbax as mentioned in registration deed No. 843 of July, 1974 of the Registering Authority, Shahkot Distt. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

FORM ITNS----

*(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-714/74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Bachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in July, 1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kishori Lal Aggarwal s/o Mulkraj Aggarwal,
 R. O. Phillaur,

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh s/o Udham Singh, Vill. Tehang, Teh. Phillaur. (Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

*(4) Any person interested in the property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 59 kanals 18 marlas situated at vill Bachowal Teh. Phillaur as mentioned in registration deed No. 2013 of July 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-715/74.—Whereas, J. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bakhtawar Singh s/o Satnam Singh Vill. Vadala, Madhowala Teh. Jullundur,

(Transferor)

(1)

- (2) (i) Ngrînder Singh s/o Jagat Singh, R/o Sidhwan Teh. Nakodar
 - (ii) Avtar Singh s/o Karnail Singh s/o Bhagat Ram, R/o Bath Teh. Phillaur.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the porperty.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period exerces later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The herms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 70 kanals situated at Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in registration deed No. 4831 of July, 1974 of Refistering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Rcf. No. AP-716/74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shahkot in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Hari Singh s/o Sh. Sunder Singh, Vill. Gattl Pirbax Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Piara Singh & Others S/o Banta Singh s/o Buta Singh R/o Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- *(3) As per S. No. 2.

 (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 kanals 5 marlas situated at Vill. Gatti Pirbax Teh. Nakodar as mentioned in registration deed No. 846 of July, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-717/74-Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Narinder Singh s/o Sh. Buta Singh Vill, Dehriwala Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) (i) Mohinder Singh s/o Kishansingh,
 - (ii) Satpal Singh s/o Jogjit Singh, and
 (ui) Gurpritsingh s/o Gurcharansingh, R/o Jhajl
 Pind, Teh. & Distt, Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per S No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Dehriwala measuring 42 kanels 17 Marlas as mentioned in registration deed No. 627 of July, 1974 of Registering Authority, Bhunga

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975

Seal;

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-718-74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officet

at Bhunga in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukhwinder Singh s/o Sh. Buta Singh Vill. Dehriwala Teh. Hoshlarpur.

(Transferor)

(1) (i) Satpal Singh s/o Jagjit Singh, (ii) Mohinder
Singh & Gurprit Singh s/o Gurcharan Singh, Vill.
Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersingned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 42 kanals and 17 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in registration deed No. 628 of Registering Authority, Bhunga, Teh. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JULEUNDUR

Jullandar, the 17th March 1975

Ref. No. AP-719/74.—Whereas. J. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule

situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July, 1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).
- · Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
 - 47- -- 26GI/75

- (1) (i) Shri Narinder Singh s/o Shri Buta Singh (ii) Smt. Jagdishkaur Wd/o Buta Singh s/o Gurdial Singh, R.O. Vill. Dehriwala, Teh. Hoshiarpur.

 (Transferor)
- (2) (i) S/Shri Manjit Singh s/o Kishan Singh, (ii) Santokh Singh s/o Jagjit Singh, and (iii) Gurpal Singh, s/o Gurcharan Singh, R.O. Jhaji Pind, Teh. Hoshiarput.
- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersingned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Dehriwala measuring 31 kanals 1 Marla as mentioned in registration deed of Registering Authority, Bhunga at S. No. 629 of July, 1974.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
sistant Commissioner of Income-tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Juliundur.

Date: 17-3-1975.

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT

NOTICE

GRADE JII STENOGRAPHERS' LIMITED DEPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION.

OCTOBER, 1975

New Delhi, the 19th April, 1975

No. 13/2/75-ARRNG.—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade III of Central Secretariat Stenographers' Service Grade III of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), will be held by the Institute of Secretariat Training & Management at BOMBAY, CAL-CUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad commencing on the 22nd October, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 19th April, 1975.

IIIE CENTRES AND THE DATE OF THE EXA-MINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR AD-MISSION TO THE FXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

- 2. (a) The approximate number of vacancies in the various Services for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below:—

 - (ir) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III
 - (iii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service— Grade 111
 - ** The number is liable to alteration.
 - Will be determined later.
- (b) Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.
- 3 A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing). Institute of Secretarial Training & Management, West Block 1, Post Bag No 2 Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupce one each at the counter in the Institute's office up to the 2nd June, 1975. They are also obtainable from the Institute by post up to the 2nd June, 1975, on payment of Rupec one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/C Payce only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training and Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office. New Delhi. The name of the examination—Grade III STENOGRAPHERS. LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, OCTOBER, 1975should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned nbove, I copy of the implication fo particulars of the examination will be form sent

candidate by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one i.e., he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Rs 1.00 or 2.00 as the case may be will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassaor/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C-Other Services—I.S.T. & M Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General. Central Revenues, New Delhi), obtain a receipt in TR-5 form from that office and forward the receipt in the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

Note 1—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental competitive Examination, October, 1975. Applications on forms other than the one prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, October, 1975 will not be entertained.

Note 2.—No request for supply of application Jorin and full particulars of the examination will be entertained after the 2nd June, 1975. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep will, however, be entertained up to the 16th June, 1975.

4 The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing). Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1 Wing No. 5, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delht-110022 on or before the 2nd June, 1975, accompanied by necessary documents in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidate residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the 2nd June, 1975 will, however, be accepted up to the 16th June, 1975.

Note 1.—Candidates who send their requests for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 2 -- Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the clerk who receives the applications from them.

- 5 (1) Prescribed Fee—Candidates seeking admission to the examination must pay the following see to the Institute with the completed application form:—
 - Rs 8.00 (Rs. 2.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes)
- (ii) The fee mentioned in para 5(1) should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training & Management. The

Postal Orders should be filled as per specimen given, below—

A/C Payee only

Pay to
Institute of Secretariat Training & Management
New Delhi

POSTAL ORDER

at R. K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi-22

The Institute will not accept payment made otherwise.

- (iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January 1964 (but before 25th March, 1971) or is hona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st Juhe 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT, NEW DELHI. AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 10 OF THE APPLICATION FORM.
- AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH. 1971), 1ST JUNE. 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY AND, BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.
- 6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained nor can the fee be held in reserve for any othre examination or selection.

In case the candidate is not admitted to the Examination by the Institute because of late receipt of his application or cancellation of examination, the fee paid by him will be refunded in full,

7. If any candidate who took the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Fxamination, April, 1975, wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Institute by the prescribed date without waiting for the results of an officer of appointment on the basis of earlier examination. If he is recommended for appointment on the results of the earlier examination, his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide paragraph 6 above.

- 8. All communication in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training and Management, Post Bag No. 2, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars:—
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH (IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.)
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination. October, 1975".

MADAN LAL,
Director (Exams.)
Institute of Secretariat Training & Management.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the Examination is obtainable from the office of the Institute of Secretariat Training and Management in accordance with para 3 of the Notice. Candidate should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him or any other Mission.

A candidate, who wishes to take the examination, at an Indian Mission abroad and exercise the opinion to take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 1 of Appendix to the Rules may be required to appear at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available

2. The application form, and the attached sheet comprising six slips showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and

not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, Post Bag No. 2, West Block-1, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep may, at the discretion of the Institute, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep, as the case may be, from a date prior to the date specified in the first sub-para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office who will complete the endorsement at the end of the application and forwad it to the Institute. If a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

- 3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 4. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) Crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management, at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi for the Prescribed fee;
 - (ii) Certified true copy of (a) the first page of his Service Book; (b) Particulars of service rendered during the last 3 years ended on 1st January, 1975;
 - (iii) Two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph;
 - (iv) Certified true copy of the certificate in support of claim for exemption from payment of fce, and/or age concession (vide para 6 of the Instruction to Candidates'), if applicable.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below:—

 Crossed Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signatures of the issuing Post Master and a clear legible stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSS-FD with 'A/c Payee only' crossing and completed as follows:—

"Pay to the Institute of Secretariat Training and Management at R. K Puram (Delivery) Post Office. New Delhi".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted Defaced or mutilated or timebarred Postal Orders, will not be accepted

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their application should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 8. (Rs. 2 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes:] in the office of India's High Commissioner. Ambassador, or Representative as the case may be in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "065-other Administrative Services-C-other Services-LST. & M.—Other Receipts—Examination Fees" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues,

New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the Service Book by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification and specimen signature of the candidate.
- (b) Certified true copy of the particulars of service during three years ended on 1-1-1975 by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Institute, may if it considers necessary call for the Service Book or other documentary evidence.

- (iii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm.×7 cm approx.) photograph which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on front by the candidate. Copies of the photograph will not be returned by the Institute.
- (iv) Certified true copies of the documents required in support of a claim for remission of fee and/or reckoning the prescribed minimum service and/or relaxation of age must be submitted along with the application, failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.
- 5. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled in or is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 4(i), 4(n) and 4(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any documents not submitted with the application but explanation for the absence of which has been given should be sent after the submission of the application and in any case they must reach the Institute within 15 days of the last date for receipt of applications, otherwise the application is liable to be rejected. The attested copies of the documents/certificates will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

- 6(i) A displaced person from Bangla Desh (Erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 5(ii) or 5(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March. 1971:
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrate in charge of Refuçee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta:

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

- (ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka Seeking remission of the prescribed fee, vide Paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(iv) or 5(v) of the Rules, should send an attested copy of a certificate obtained from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November. 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.
- (iii) A repatriate of Irdian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee vide paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(viii) or 5(ix) of the Rules should send an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon, to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June. 1963 or of a certificate
- rated to India on or after 1st June, 1963 or of a certificate n the District Maxistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed for This certificate will not be returned to the candidate.
- (iv) A candidate from the Union Territor of Goa, Daman and Diu claiming age concession und Rule 5(vi) should send an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim.—
 - I. Director of Civil Administration.
 - 2. Administrators of the concelhos.
 - 3. Mamlatdars.
- (v) A candidate who has migrated from Kenya Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(vii) should send an atested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(x) or 5(x) should send an attested copy of a certificate in the form pre-cribed below, from the director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No Shri
while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and released as a result of such diability.
Signature.
Name ————
Designation ————
Date
*Strike out which is not applicable

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 5(xii) or 5(xiii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certifi	ed tha	t I	Rank	No		Shri -			_
			0	of Unit				w	ļΠ
disabled	while	in	the	Border	Security	Force	in	operation	9

during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

- 7. Copies of the certificates mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following who should indicate his name, designation and full address and date of attestation and affix his seal/rubber stamp below has signature:—
 - (a) Gazetted Officer of the Central or a State Government;
 - (b) Member of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi;
 - (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers;
 - (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars.
 - (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools Higher Secondary Schools/Colleges/Institutions:
 - (f) Block Development Officers; and
 - (g) Member of a Municipal Corporation.
- 8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 9. If a candidate who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.
- 10. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute a communication regarding the result of his application one month before the date of commencement of the examination i.e. 22nd October, 1975 he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Institute for attending the examination.
- 12. Change in Address:—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONG-WITH SIX SLIPS SHOWING THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS. AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

SECETION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 19th April 1975

No. F. 14/1/74-E. I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 14/1/74-E. I(B) dated 6th July, 1974, published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 6th July 1974, the following amendments shall be made.

- (i) Para 1 of the Notice should read as under:-
- "A limited departmental competitive examination for inclusion in the selection List for the Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 9th September, 1975 at DELHI, in accordance with Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India, dated 6th July, 1974 as amended by their Notification in the Gazette of India dated 19th April, 1975.

THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE IS LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED 10 THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF TIME AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 9)".

(ii) Para 2 of the Notice should read as under:-

"The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade on the result of this examination will be 7. (This includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates and 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).

The above number is liable to alteration".

- (iii) For the figures and words '2nd September, 1974' occurring in para 4 of the Notice the figure and word '2nd June, 1975' shall be substituted.
- (iv) For the word and figure 'MAY, 1975' occurring in line 15 of the Note below para 3 of Annexure II to the Notice the word and figure 'FEBRUARY, 1976' should be substituted.

M. S. THANVI, Under Secretary, Union Public Service Commission